हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • मंगलवार • 17.06.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 323 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

सामरिक साझेदारी के लिए रोडमैप बनायेंगे भारत और साइप्रस : मोदी

एजेंसी

निकोसिया : भारत और साइप्रस अपनी साझेदारी को सामरिक स्तर तक ले जाने के लिए अगले पांच वर्षों का रोडमैप बनायेंगे जिसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग कार्यक्रम और साइबर तथा सुमुद्री क्षेत्र में सुरक्षा पर वार्ता भी शामिल होगी।

साइप्रस की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में समर्थन के लिए साइप्रस के प्रति आभार भी व्यक्त किया। दो दशक से भी लंबे अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह आपसी संबंधों में एक नया अध्याय लिखने का अवसर है। दोनों देश साझेदारी को सामरिक दायरे तक बढाने के लिए पांच वर्षों का रोड़ मैप तैयार करेंगे। श्री मोदी ने कहा, अपनी साझेदारी को स्ट्रेटेजिक दिशा देने के लिए हम अगले पाँच वर्षों के लिए एक ठोस रोडमैप बनायेंगे। रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूती देने के लिए द्विपक्षीय रक्षा सहयोग कार्यक्रम के तहत रक्षा उद्योग पर बल दिया जायेगा। साइबर और मैरीटाइम सिक्योरिटी पर अलग से वार्ता शुरू की जायेगी। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के विरूद्ध भारत की लड़ाई को समर्थन देने के लिए साइप्रस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म के विरुद्ध भारत की लड़ाई में साइप्रस के सतत समर्थन के हम आभारी हैं। आतंकवाद, ड्रग और हथियारों की तस्करी की रोकथाम के लिए, हमारी एजेंसीज के बीच जल्द से जल्द सूचनाओं के आदान प्रदान का मैकेनिज्म तैयार किया जायेगा।

श्री मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को लेकर भी भारत और साइप्रस के विचार एक समान हैं। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र को समकालीन बनाने के लिए जरूरी सुधार को लेकर हमारे विचारों में समानता है। साइप्रस द्वारा सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करने के लिए हम आभारी हैं। भूमध्यसागरीय क्षेत्र के साथ संपर्क बढ़ाने पर भी हमने बात की। हम सहमत हैं कि भारत - मध्य एशिया -यूरोप आर्थिक गलियारे से क्षेत्र में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। श्री मोदी साइप्रस से कनाड़ा रवाना हुए जहां वह जी -7 देशों की शिखर बैठक में भाग लेंगे। सके बाद वह क्रोएशिया की यात्रा पर जायेंगे।

प्रधानमंत्री को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया

नयी दिल्ली : साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मैत्री और सहयोग के प्रतीक के रूप में दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर फोटो साझा करते हुए इसे भारत-साइप्रस मैत्री और साझी वैश्विक दृष्टि का सम्मान बताया। यह सम्मान दोनों देशों के बीच स्थायी और विश्वसनीय संबंधों का प्रमाण है। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया। उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति, सरकार और जनता के प्रति आभार जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मान भारत की प्राचीन सोच 'वसुधैव कुटुंबकम' को मिली वैश्विक मान्यता है, जो शांति और समृद्धि की दिशा में हमारे प्रयासों को प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने इसे भारत-साइप्रस संबंधों को और मजबूत व बहुआयामी बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार दोनों देशों की शांति, संप्रभुता और विकास के प्रति साझा निष्ठा को दर्शाता है।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

एजेंसी

अहमदाबाद/राजकोट : भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इससे पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। उनकी अंतिम यात्रा में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। हजारों लोगों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। अंतिम यात्रा से पहले विजय रूपाणी की पत्नी अंजलि रूपाणी ने पुष्पांजलि देकर नम आंखों से उन्हें विदाई दीं। इस दौरान रूपाणी की पत्नी बेहद भावुक हो उठीं और अपने बेटे से लिपटकर रो पड़ीं।

12 जून 2025 को अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन जाने के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस भयावह हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी। गुजरात के पूर्व सीएम रूपाणी भी इसी विमान में सवार थे।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से नौ की मौत

पटना : बिहार में सोमवार को बक्सर, पश्चिम चंपारण, लखीसराय और कैमूर में आकाशीय बिजली गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई। इसमें बक्सर में चार, पश्चिम चंपारण में तीन और लखीसराय व कैमूर में एक-एक शख्स की मौत हुई है। मृतकों में दो महिलाएं और दो छात्र शामिल हैं जबकि कई बच्चे और अन्य लोग घायल हुए हैं। बक्सर जिले के अलग-अलग हिस्सों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चार युवकों की मौत हो गई और पांच युवक झुलस गए। इनका इलाज चल रहा है। मुफस्सिल थाना के चौसा थाना घाट के समीप तीन लोगों की मौत हुई है। राजपुर थाना के दवेढ़ियां गांव में 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई है। दोपहर दो बजे के लगभग अचानक मौसम बदला और बादल गरजने के साथ थाना घाट चौसा के समीप बिजली गिरी। वहां कुछ लोग भैंस चरा रहे थे और पास में बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इस दुर्घटना में विरेन्द्र गोंड, मिथिलेश राम, बलिराम राम एवं श्रीभगवान की मौत हो गई। घायलों में सोनू राम, लालू राम, नीरज कुमार एवं अमित कुमार चौधरी शामिल हैं। पश्चिमी चंपारण जिले के लौरिया प्रखंड अंतर्गत सुअरछाप गांव में धान की रोपनी करने के दौरान आकाशीय बिजली से गिरने से एक महिला की मौत हो गई और पांच लोग झुलस गए।

एक नजर

महोबा में सड़क हादसा, कार चालक समेत पांच की मौत

महोबा : जनपद में श्रीनगर-बेलाताल मार्ग पर सोमवार दोपहर को कार और बाइक भिड़ंत के बाद दोनों वाहन सड़क किनारे गड्ढे में गिर गए। इस दुर्घटना में कार चालक समेत पांच लोगों की मौत हुई है। घायलों में एक बच्ची की हालत बेहद नाजुक है। घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी गजल भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने अस्पताल पहुंच कर घायलों का हाल जाना। एसपी प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि चरखारी थाना क्षेत्र के बगरौन गांव निवासी उदयभान के भाई की शादी बीते दिनों हुई थी। सोमवार को वह बुआ के बेटे विनोद, बेटी खुशी, भांजा अंकित और भतीजे बलवीर के साथ बहू को विदा कराने के लिए कार से श्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित ननौरा गांव जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार गांव के पास एक बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। इस दुर्घटना में बाइकसवार कुलपहाड़ थाना क्षेत्र के मुढारी गांव निवासी भरतलाल (32) उसके साथी अजय (18) व संजीव (18) के अलावा कार चालक बजरिया मुहाल निवासी रामपाल (35) और विनोद की मौत हो गई। वहीं अन्य लोग घायल हैं। जानकारी मिलने पर श्रीनगर कोतवाली पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमरोहा पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, चार की मौत व आठ घायल

अमरोहा : उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में अतरासी गांव के खेत में संचालित पटाखा फैक्टरी में सोमवार को भीषण विस्फोट में चार महिलाओं की मौत हो गई है। जबकि आठ लोग घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के मृतकों की शिनाख्त हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

रजबपुर थाना क्षेत्र, अतरासी गांव के जंगल में अवैध तरीके से एक पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। रोजाना की तरह यह पर लोग काम कर रहे थे, इसी दौरान फैक्टरी में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग की टीनशेड और दीवारें गिर गई। इमारत के मलबे में कई लोग दब गए। इस घटना से पूर इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर फायर बिग्रेड, प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची और मलबे में दबे लोगों को निकाल घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता और पुलिस अधीक्षक अमित आनंद भी मौके पर पहुंच गए। सीओ सिटी ने बताया कि विस्फोट की घटना में चार महिलाओं की मौत हुई है। उनकी पहचान रजबपुर गांव निवासी जाकिर की पुत्री रुक्साना, शाबिर की पत्नी शहनाज, ग्राम पपसरा निवासी शोविंद्र की पत्नी प्रवेश, दानवीर की पत्नी रुमा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घायलों में मोना, विशाल, सलोनी, इंद्रवती, सोनिया, राजेश की पत्नी पूजा, नाजरीन, अमित की पत्नी पूजा, गिरिश चन्द्र की पत्नी पूजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देश में दो चरणों में होगी जनगणना

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने सोमवार को 2027 में होने वाली 16वीं जनगणना के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी है। इस जनगणना में पहली बार जाति गणना भी शामिल होगी।

अधिसूचना के अनुसार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना 1 अक्टूबर, 2026 की मध्यरात्रि से शुरू होगी, जबकि देश के बाकी हिस्सों में गिनती 1 मार्च, 2027 की मध्यरात्रि से शुरू होगी।

अधिसूचना में कहा गया है, केंद्रीय सरकार, जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (ii), तारीख 28 मार्च, 2019 में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय) की अधिसूचना संख्या का.आ. 1455(A), तारीख 26 मार्च, 2019 के अधिक्रमण में उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है। यह घोषणा करती है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी।

अधिसूचना में कहा गया है, जनगणना के लिए संदर्भ तारीख, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से घिरे असमकालिक क्षेत्रों के सिवाय, मार्च, 2027 के पहले दिन के 00:00 बजे होगी। अधिसूचना में कहा गया है, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से घिरे असमकालिक क्षेत्रों के संबंध में, संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 को 00:00 बजे होगी। अधिसूचना जारी करने से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी।

जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी।

इजराइल ने तेहरान के आसमान पर कब्जे का किया एलान

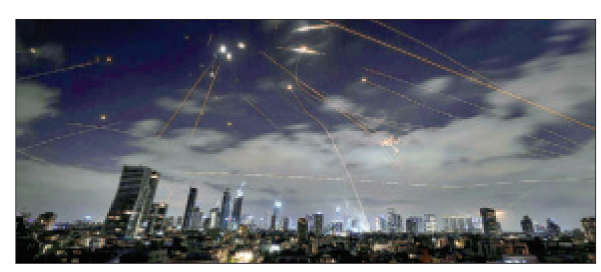

एजेंसी

यरूशलेम : इजराइल की सेना ने सोमवार को दावा किया कि उसने ईरान की राजधानी पर हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है। सेना का कहना है कि उसने ईरानी वायु रक्षा और मिसाइल प्रणालियों को इस हद तक कमजोर कर दिया है कि उसके विमान अब बिना किसी बड़े खतरे का सामना किए तेहरान के ऊपर उड़ान भर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि इजराइल अब कहता है कि पश्चिमी ईरान से तेहरान तक के आसमान पर उसका नियंत्रण है।

ईरान ने इजराइल पर फिर से किए मिसाइल हमले

ईरान ने इजराइल के मध्य तथा उत्तरी क्षेत्र को निशाना बनाते हुए सोमवार को फिर सिलसिलेवार मिसाइल हमले किए जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। ईरान ने कहा कि उसने लगभग 100 मिसाइलें दागीं और उसने पिछले शुक्रवार को इजराइल द्वारा उसके परमाणु संवर्धन केंद्रों एवं सैन्य नेतृत्व पर किए गए आश्चर्यजनक हमले के खिलाफ आगे भी जवाबी हमले करने का संकल्प जताया।

तेल अवीव में सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं

ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष के चौथे दिन तेल अवीव में सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं जो संभवतः इजराइल की रक्षा प्रणाली द्वारा ईरान के मिसाइल हमलों को नाकाम करने की थी। मध्य इजराइल के शहर पेटाह टिकवा के अधिकारियों ने बताया कि ईरानी मिसाइलों ने एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया जिससे दीवारें जलकर खाक हो गईं, खिड़कियों के शीशे टूट गए और कई अपार्टमेंट को भारी नुकसान हुआ। बचाव दल घटनास्थलों पर मौजूद हैं, हालांकि हताहतों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।

ईरानी हमले में मरने वालों की संख्या 17 हुई

इजराइल की आपातकालीन सेवा 'मैगन डेविड एडोम' सेवा ने बताया कि मध्य इजराइल में चार जगहों पर मिसाइल हमलों में दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। इसके साथ ही इजराइल में मरने वालों की संख्या कम से कम 17 हो गई है। 'मैगन डेविड एडोम' ने बताया कि बचाए गए 74 अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से 30 वर्षीय एक महिला की हालत गंभीर है। बचावकर्मी मिसाइल हमलों में तबाह हुए घरों के मलबे के नीचे फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं।

इजराइल के हमले में ईरान में 224 से अधिक लोगों की मौत

इजराइल ने ईरान पर जोरदार मिसाइल हमला किया है। अब तक ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 224 हो गई है। ईरान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 1,277 लोग घायल हैं, हालांकि उसने यह नहीं बताया कि इसमें आम नागरिक कितने हैं और सैन्य अधिकारी कितने हैं।

एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई ने भारत को आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंचाया : शाह

▶ 90 दिन में जिला आपदा प्रबंधन की योजना बनाने का निर्देश दिया।

▶ आपदा आए ही नहीं ऐसी योजना बनानी होगी। पर्यावरण संरक्षण के बिना यह संभव नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में कहा कि पिछले 10 वर्षों में एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंचा दिया है। केन्द्रीय मंत्री राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों तथा आपदा मोचन बलों के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

अमित शाह ने राहत आयुक्तों से कहा कि कई सारे जिलों में आपदा प्रबंधन योजना बनानी बाकी है। क्या हम तय कर सकते हैं कि यहां से जाने के बाद 90 दिन में प्रत्येक राज्य में हर जिला की आपदा प्रबंधन योजना बनाने का काम समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि जब तक जिला की आपदा प्रबंधन योजना नहीं होगी तब तक आपदा से तेजी से लड़ना संभव नहीं है। आकाशीय बिजली से निपटने के उपायों को लेकर उन्होंने कहा कि आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि आकाशीय बिजली से लोगों को बचाना संभव नहीं लेकिन आज विज्ञान बहुत आगे जा चुका है। उन्होंने इस पर कार्य योजना बनाकर 90 दिनों में केन्द्र के साथ साझा करने का निर्देश दिया। शाह ने ओला गिरने और शीत लहर को लेकर राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की कार्य योजना नहीं बनने पर भी चिंता जताई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने जीरो कैजुअल्टी अप्रोच के साथ आगे बढ़ने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि हमें आपदा से लड़ने की तैयारी तो करनी ही है साथ ही आपदा के कारणों के मूल में भी जाना होगा।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन को आपदा का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत सरकार ने जो काम किया है, वह अतुलनीय है। आपदा से बचाव के बारे में सोचना अधूरा दृष्टिकोण है। समग्र दृष्टिकोण में ऐसी पृथ्वी का निर्माण शामिल है, जहां कोई आपदा न हो। हमें इस दृष्टिकोण को लोकप्रिय बनाना चाहिए। अगर हम पर्यावरण संरक्षण के बारे में नहीं सोचेंगे तो हम आपदा से खुद को नहीं बचा सकते। अमित शाह ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण पूरी दुनिया आपदाओं को लेकर चिंतित है। लेकिन हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि मात्र 10 वर्षों में एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंचा दिया है।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, गृह सचिव गोविन्द मोहन, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य और विभागाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, आपदा प्रबंधन के अपर सचिव संजीव कुमार जिंदल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक पीयूष आनंद, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान मौजूद थे।

झारखंड में कल तक मानसून के पहुंचने की उम्मीद, 21 तक होगी बारिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के 19 जून तक (अगले तीन दिनों में) पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी है। विभाग के अनुसार मानसून के अगले तीन दिनों में पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहुंचने की संभावना है। मानसून के प्रभाव से राज्य विभिन्न जिलों में 21 जून तक प्री- मानसून की बारिश होने की संभावना है।

विभाग के अनुसार 17 और 18 जून को राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश होगी। 17 जून को दक्षिण-पश्चिम जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। विभाग के अनुसार 18 जून को उत्तरी-मध्य और निकटवर्ती उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और प्रचंड गर्मी और उमस महसूस किया गया। रांची में 87 प्रतिशत उमस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य के लातेहार में एक मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटेनगंज में 40.9 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 23.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

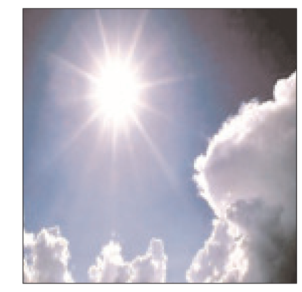

सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री, जमशेदपुर में 35.4, डालटेनगंज में 39, बोकारो में 37.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नगर निकाय चुनाव में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें : भागीरथ पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू, झारखंड प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी सिरिबेला प्रसाद एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार नगर निकाय चुनाव तैयारी को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी झुमरी तिलैया के नगर अध्यक्ष प्रभात कुमार राम के अध्यक्षता में राजेंद्र जयसवाल के आवासीय कार्यालय में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान एवं विशिष्ट अतिथि नगर निकाय चुनाव झुमरी तिलैया के पर्यवेक्षक राजेंद्र जयसवाल मौजूद थे। यह अति महत्वपूर्ण बैठक जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता के मौजूदगी में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने कहा कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि नगर कमेटी के मजबूती एंव आगामी नगर निकाय चुनाव को देखते हुए जल्द ही बूथ कमेटी एंव नगर कमिटी गठन किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव को लेकर सारी तैयारी युद्ध स्तर पर कर ली गई, तथा इस बार के चुनाव में पार्टी के नेता कार्यकर्ता अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि राजेंद्र जयसवाल ने कहां कि पार्टी संगठन मजबूती एवं नगर निकाय चुनाव को लेकर 20 जून 2025 तक नगर कमेटी, सभी वार्ड वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति व कमेटी गठन का निर्णय लिया गया। मौके पर अल्पसंख्यक के जिला अध्यक्ष फैयाज अब्बू वरीय जिला उपाध्यक्ष राम लखन पासवान केसर जिला महासचिव आशीष पांडे प्रदेश प्रतिनिधि नवनीत ओझा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उमेश साव मोहम्मद हुसैन नारायण बरनवाल सैयद नसीम बालेश्वर सिंह मोहम्मद गालिब मंसूरी दिलीप राम इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता बैठक में रहे मौजूद।

एक नजर

पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वाला युवक गया जेल

चतरा : कुंदा पुलिस ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारे लगाने वाला युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। युवक आदिल खान प्रतापपुर थाना क्षेत्र के भरही गांव का रहने वाला है। बीते 30 जून को कुंदा थाना क्षेत्र के बरूरा शरीफ में उर्स मेला सह जलसा का आयोजन किया गया था। इस दौरान युवक द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच कर उसे पकडा और रविवार की शाम जेल भेज दिया। थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने कहा कि मामला दर्ज कर युवक को जेल भेज दिया गया है।

76 वर्षीय डॉ रिजवान उल्लाह का हुआ आकस्मिक निधन

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत ग्राम बादम निवासी 76 वर्षीय डॉ रिजवान उल्लाह की आकस्मिक निधन शनिवार को हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर पूरे गांव सहित आस पास के इलाकों में मातम छा गया। 6 दिन पूर्व डॉ रिजवान की तबीयत अचानक खराब हो गई। रामगढ़ में इलाज के बाद शनिवार को रांची ले जाने के क्रम में रास्ते में मौत हो गई। उनके निधन से बड़कागांव प्रखंड ही नहीं दुर दराज जिलों से भी इलाज के लिए मरीज बादम आया करते थे। इलाज के लिए गरीबों से किसी प्रकार कोई शुल्क नहीं लिया करते थे। पीलिया, शुगर के अलावा अन्य कई गंभीर पुरानी रोगों की अचूक इलाज करते थे। डॉ रिजवान ने कोरोना काल में सैकड़ों मरीजों का फ्री में इलाज किया और जान बचाई। दर्जनों दूर गांव से भारी संख्या में हिंदू मुस्लिम आये लोग डॉक्टर रिजवान के जनाजे में शामिल हुए और शोक व्यक्त किया ।बादम पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास ने कहा के डॉ रिजवान का इस दुनिया से जाना बहुत बड़ी क्षती है। उन्होंने जिस सेवा भाव से मरीजों का इलाज किया है वो एक मिसाल है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रभात फेरी का हुआ आयोजन

कुजू : आरा सारुबेरा में सोमवार को डीएवी पब्लिक स्कूल में सी. सी. एल. दरभंगा हाउस, रांची के सौजन्य से 'योग दिवस 'को अंतराष्ट्रीय स्वीकृति मिले हुए 10वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में योग के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु प्रभातफेरी का आयोजन किया गया।
प्रात:कालीन प्रभात फेरी में डीएवी आरा के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रभात फेरी डीएवी आरा से निकाला गया और सारुबेरा हनुमान मंदिर, शिव मंदिर होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। योग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 16 जून से 21 जून, तक विद्यालय परिसर में अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रभात फेरी के पश्चात एकत्रित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय प्राचार्य आलोक कुमार ने कहा कि ₹योग के माध्यम से विश्व समाज को स्वस्थ बनाया जा सकता है। योग से ही व्यक्ति योग्य बनता है। ₹ इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरएनएम कॉलेज के सम्मान समारोह में शामिल हुए सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह सोमवार को हंटरगंज प्रखंड स्थित आरएनएम कॉलेज के खेल परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम 'जीरो टू सक्सेस स्पोर्ट एंड डिफेंस एकेडमी' द्वारा आयोजित किया गया। समारोह के दौरान सांसद सिंह ने मां भारती की सेवा में चयनित युवाओं को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि क्षेत्र के युवा देश सेवा में आगे बढ़कर समाज और जिले का नाम रोशन कर रहे है यह छोटी बात नहीं है। प्रखंड से चयनित कई युवा जिन्होंने सैनिक बनना स्वीकार किया उनकी ट्रेनिंग के उपरांत उनकी घर वापसी पर उनसे सांसद ने मिल उन्हें देशहित के लिए समर्पित नवजीवन की ढेरों शुभकामनायें दी।

सुकुलखपिया में मंडा पूजा संपन्न पूर्व विधायक अंबा प्रसाद हुई शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महुंगाई कला पंचायत के ग्राम सुकुलखपिया में मंडा पूजा एवं मेला का समापन किया गया । पूजा में 14 शिव भक्तों ने पीठ में कील लगवाकर 40 फीट ऊंचे लट्ठे से परिक्रमा किया। मौके पर कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सह पश्चिम बंगाल की चुनाव सह प्रभारी पूर्व विधायक अंबा प्रसाद शामिल हुई। मंडा पूजा समिति के सदस्यों ने फूलों का गुलदस्ता सौंपकर और अंगवस्त्र देकर अंबा प्रसाद का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मंडा पूजा हमारी संस्कृति की पहचान है। मंडा पर्व, झारखंड में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो भगवान शिव को समर्पित है इस अवसर पर, भक्त विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं, मंडा पर्व के दौरान, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा नृत्य और गायन प्रस्तुत किया गया। यह पर्व क्षेत्र में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, मुखिया बेबी देवी, पूर्व मुखिया बीगल चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि रामकिशोर शुक्ला, श्याम कुमार भार्गव ,जमुना साव, मुखिया सुबोध सिंह ,कृष्ण कुमार भार्गव, मोहम्मद खालिद, आनंद महतो, दशरथ महतो, रामकृष्ण शुक्ला एवं भारी संख्या में लोग उपस्थित थी ।

झामुमो केन्द्रीय समिति सदस्य गोपाल यादव के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झामुमो केन्द्रीय समिति सदस्य सह झारखण्ड आन्दोलन कारी गोपाल यादव के अंतिम संस्कार में जनसैलाब उमड़ पड़ा इस दौरान नम आंखों से स्व गोपाल यादव को अंतिम विदाई दी। इस दौरान जहाँ झामुमो नेताओं, कोडरमा विधायक, एसडीओ ,डीएसपी, सीओ समेत विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे। इस दौरान इस दौरान लोगों ने जमकर स्वर्गीय गोपाल यादव अमर रहे के नारे भी लगाए.ज्ञात हो कि गोपाल यादव हैदराबाद में इलाज करवा रहे थे जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी इधर झारखंड आंदोलनकारी और झू नेता के पार्थिक शरीर जैसे ही उनके निवास स्थान इंदरवा पहुंचा। लोगों का हुजूम उनके निवास स्थान पहुंच गया.इधर सोमवार को गाजे- बाजे व पूरे सम्मान के साथ निकाला गया। इस दौरान जहाँ जिला प्रशासन के एसडीओ रिया सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी दिवाकर कुमार सीईओ कोडरमा हलदर सेठी व कोडरमा पुलिस के जवानों श्रद्धा सुमन अर्पित किया वहीं इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव कमलनयन सिंह, प्रणव वर्मा, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे, सचिव पवन माइकल कुजूर, केंद्रीय समिति के सदस्य गंगा यादव, संजय पांडे, इश्वाम अंसारी, बैजनाथ मेहता,रामेश्वर मुर्मू, निवर्तमान जिला प्रवक्ता संजय साजन, पूर्व प्रत्याशी रविंद्र शांडिल्य, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, संजय यादव, श्यामदेव यादव, छोटू यादव गुड़िया देवी, मोहम्मद सद्दाम मोहम्मद नौशाद ,जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद खलील समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे वहीं इनके अलावे कोडरमा विधायक पूर्व शिक्षा मंत्री नीरा यादव, जीप अध्यक्ष रामधन यादव,कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान समेत कई दलों के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्रेन फंग्स बीमारी से जूझ बच्चे के परिजनों से विधायक ने की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

इटखोरी : सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार उज्जवल दास रविवार को ग्राम इटखोरी निवासी ब्रेन फंग्स नाम के बीमारी से जूझ रहे ढाई वर्ष के सौरभ कुमार पाण्डेय पिता पप्पू पांडेय से मिलने पहुंचे जंहा विधायक ने सौरभ कुमार पांडेय के पिता को आर्थिक सहयोग किया एवं विधायक के तरफ से विभागीय मदद की प्रक्रिया उनके परिजनों को पूर्ण करने को कहा जिससे की उसकी मदद और अधिक हो सके। क्षेत्र के बुद्धिजीवीयों एवं समाजसेवीयों से भी विधायक अपील किया कि आप अपने अपने स्तर से जो बन सके और जैसे बन सके इनको मदद करे चुकि एक बड़ी धनराशि की आवश्यकता है इस परिवार को। कुमार उज्ववल ने स्थानीय मीडिया की सराहना भी कहा ऐसी खबरों से ही हम जनप्रतिनिधि जरुरतमंदो तक पहुंच पाते है। वंही सौरभ के पिता ने विधायक का आभार प्रगट करते हुए कहा हमें शोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चले खबरों से कुछ आर्थिक सहयोग अभी भी प्राप्त हो रहे है किन्तु हम चाहते है कि यंहा के समाजसेवी व बुद्धिजीवी भी हमारे आर्थिक सहयोग मे अपने अपने तरीके से मदद करे एवं करवायें जैसा कि विधायक ने भी अपनी संवेदना प्रगट करते हुए आमजनों से अपील किया है। सौरभ के पिता पप्पू पांडेय ने भी यंहा के मीडिया की तारीफ की एवं कहा कि इनकी मदद से मुझे बड़ी आस जगी है जो धीरे धीरे पूर्णता की ओर है।

बुढ़िया अहूरी गांव में जान जोखिम में डालकर लकड़ी के पुल से काम चलाते है ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा जिला मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सदर प्रखंड अंतर्गत आरा पंचायत का बुढ़िया अहूरी गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। गांव तक पहुंचने के लिए न सड़क है, न बिजली और न ही पीने के स्वच्छ पानी। गांव में कुरमी व आदिवासी जाति के करीब 100 परिवार रहते है। गांव चारों ओर जंगल और पहाड़ से घिरा है। शाम ढलते ही गांव में जंगली जानवरों की आवाज गूंजने लगती है। गांव मे बुढ़िया अहूरी नाला (नदी) में पुल नहीं बना है। ग्रामीणों ने पुल को पार करने के लिए लकड़ी से कामचलाऊ 15 फीट लंब पुल बनाया है। हर रोज ग्रामीण जान जोखिम में डाल पुल पार करते हैं। सड़क नहीं रहने से बरसात के दिनों में काफी परेशानी होती है। सड़क के अभाव में कोई भी वाहन गांव में तक नहीं पहुंच पाता है। ममता वाहन का लाभ भी यहां की गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल पाता है। गर्भवती महिला को किसी तरह से तिन किलोमीटर की दूरी तय कर अहूरी सड़क तक ले जाना पड़ता है। वहां पहुंचने के बाद ही वाहन की सुविधा मिल पाती है।

बरसात में गांव बन जाता है टापू

बरसात के मौसम में बुढ़िया अहूरी गांव पूरी तरह से टापू बन जाता है। बुढ़िया अहूरी नदी पर पुल नहीं रहने से काफी परेशानी होती है। नदी का जलस्तर बढ़ जाने पर गांव का संपर्क मुख्यालय से कट जाता है। ऐसे में अगर गांव में किसी की तबीयत खराब हो जाये, तो उसे अस्पताल ले जाने के लिए नदी का जलस्तर कम होने का इंतजार करना पड़ता है। ऐसी स्थिति मे जान जाने की डर हमेशा बना रहता है।जबकि इसी गांव मे डीलर है जिसके कारण सैकड़ो लोगो को राशन लेने के लिए जाना पड़ता है। ग्रामीण बंशील बर्वा, महरू उरांव, बीरेंद्र तिर्की, सुदीप तिर्की, मंगू उरांव, किशोर तिर्की, व बीरू महतो ने कहा कि बारिश के मौसम में काफी परेशानी होती है। जान- जोखिम में डाल कर नदी पार कर प्रखंड मुख्यालय आते-जाते हैं। बिफन गंझू, सुरेश महतो व गणेश महतो ने बताया कि नदी पर पुल और सड़क बनाने की मांग लंबे समय से सांसद व विधायक से की जा रही है, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। ग्रामीण लकड़ी का पुल बना कर किसी तरह आवागमन करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिजली को लेकर बड़कागांव के लोगों ने किया धरना प्रदर्शन

बड़कागांव : बिजली समस्या को लेकर हजारीबाग जुलु पार्क स्थित बिजली विभाग के महा प्रबंधक कार्यालय का तालाबंदी एवं धरना प्रदर्शन कार्यक्रम किया गया। जिसमें बड़का गांव विधानसभा विधायक रोशन लाल चौधरी के नेतृत्व में बड़कागांव से भारी संख्या में भाजपा आजसू कार्यकर्ता के अलावा ग्रामीण धरना प्रदर्शन एवं तालाबंदी कार्यक्रम में शामिल हुए। एवं आंदोलन मे अपनी सहभागिता निभाई। लोगों ने कहा कि राज्य सरकार कि गलत नीतियों के कारण बड़कागांव प्रखंड समेत हजारीबाग जिले के तमाम प्रखंडों में बिजली बाधित हो रही है। बिजली की इस लचर व्यवस्था को हम लोग दूर कराकर हीं दम लेंगे। जिसमें मुख्य रूप से आजसू केंद्रीय सचिव कोलेश्वर गंझु, केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि कृष्णा राम बड़कागांव सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, पूर्वी सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, टुकेस्वर प्रसाद, नरेश साव, अशोक महतो, पूर्व मुखिया पारसनाथ महतो, भीखन महतो, शिबू कुमार, उपेंद्र कुमार, गीरेंद्र कुमार, उपेंद्र प्रसाद ,मनीष पांडे , सुमन गिरी, नागेश्वर तूरी, कामेश्वर महतो, दिनेश महतो के अलावा भारी संख्या में लोग शामिल थे।

राष्ट्रीय तेली साहु महासंगठन कमेटी का हुआ पुनर्गठन, जानकी साव बने अध्यक्ष

बड़कागांव : राष्ट्रीय तेली साहु महासंगठन का प्रखंड कमेटी का विस्तार रुकमणी भवन बड़कागांव में जिला अध्यक्ष कैलाश साव की अध्यक्षता व युवा जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार के संचालन में किया गया। कार्यक्रम में बातौर मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरिनाथ साव, विशिष्ट अतिथि प्रमोद साव रांची जिला अध्यक्ष, हजारीबाग जिला अध्यक्ष कैलाश साव, जिला उपाध्यक्ष अशोक साव, युवा अध्यक्ष अरविंद कुमार व अन्य अतिथियों को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्रखंड कमेटी का पुनर्गठन के लिए अध्यक्ष पद के पदूम साव, जानकी साव, दिनेश साव तीन व्यक्ति का नाम आया जिसमें दो लोगों ने स्वेच्छा से नाम वापस लिया और सर्वसम्मति से जानकी साव को अध्यक्ष,डुभन साव महासचिव,सचिव मुकेश कुमार साव,प्रखंड युवा अध्यक्ष मिथलेश कुमार साव, वहीं जिला मंत्री पदूम साव ,युवा जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार साव उर्फ दिपू साव को नियुक्त किया गया । वहीं अतिथियों ने नवनिर्वाचित सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर जिला संरक्षक कौलेश्वर साव,अखिल भारतीय तैलिक साहु समाज के प्रखंड अध्यक्ष जगतनंदन प्रसाद गुप्ता,पुर्व अध्यक्ष धनू प्रसाद निराला, प्रखंड उपाध्यक्ष मोहन साव,कोषाध्यक्ष निरंजन साव, बेचन साव, दिनेश साव, मिथलेश कुमार साव,विनय साव, मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार साव, कोमलचंद साव बाबुलाल साव,व अन्य दर्जनों समाज के बुद्धिजीवी गण मौजूद थे।

जेकेएलएम के कार्यकर्ता मिलन समारोह समारोह 22 को

बड़कागांव : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की बैठक बड़कागांव सोनी धर्मशाला में प्रखंड कमेटी,पंचायत कमेटी की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सबूर महतो, संचालन मिथिलेश कुमार ने किया बैठक में सर्व सहमति से 22 जून को कार्यकर्ता मिलन समारोह एवं सदस्यता ग्रहण बालिका उच्च विद्यालय बड़कागांव में किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी के विधायक टाइगर जयराम महतो होंगे। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक प्रत्याशी बालेश्वर कुमार, केंद्रीय सचिव मिथिलेश कुमार, महिला मोर्चा के अध्यक्ष सुनिता साहू,जिला उपाध्यक्ष दिलेश्वर महतो, बड़कागांव प्रखंड उपाअध्यक्ष पवन कुमार तुरी, प्रखंड सचिव गौतम कुमार, प्रखंड सह सचिव अवधेश कुमार, प्रखंड कोषाध्यक्ष अध्यक्ष रामचंद्र कुमार, प्रखंड संगठन मंत्री बिकास कुमार, चेपाकला पंचायत सचिव शंकर साव, दिलेश्वर महतो, किशोर कुमार, नरेश कुमार, राजकुमार, देव नारायण महतो, सूरज कुमार दांगी, खिरोधर महतो, खुशनारायण प्रसाद दांगी एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

जल मीनार से पानी सप्लाई की पाइप की स्थिति जर्जर, कई जगह हो रहा है पानी बर्बाद

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत चंदौल पंचायत के पुन्दोल गांव में संजय पासवान के घर के पास 2023-24 में लाखों रुपया खर्च से पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल हजारीबाग जल जीवन मिशन के तहत, सोलर आधारित लघुग्रामीण जल पूर्ति योजना हेतु जल मीनार का निर्माण संवेदक लोक इंटरप्राइजेज के द्वारा कराया गया है। जल मीनार में निरंतर पानी तो चढ़ रहा है परंतु महज 2-4 घर को ही पानी सप्लाई हो पा रहा है। जबकि 30 से 35 घरों को पानी सप्लाई करना था। जिसे लेकर घर-घर नल भी लगाया गया है। परंतु अंडरग्राउंड पाइप कई जगह टूट गए हैं जिसके कारण पानी बाहर निकल कर बर्बाद हो जा रहा है। और कई जगह जमीन के अंदर ही पाइप दब गया है जिसके कारण पानी की सप्लाई आगे नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल की घोर समस्या से जूझना पड़ रहा है। मामले को लेकर चंदौल पंचायत के उप मुखिया शमशेर अंसारी ने कहा कि जल निर्माण बने हुए महज 2 वर्ष हुए हैं। और खराब हुए 1 साल हो गए हैं। मात्र दो-चार घर में हीं पानी सप्लाई हो पा रहा है। संवेदक को कई बार बोलने के बाद भी ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि जल मीनार का रख रखाव के लिए 5 वर्षों तक बेहतर ढंग से निरंतर संचालन के लिए संवेदक की जिम्मेवारी होती है। कहीं टूट-फूट हो, पाइप की मरमती हो इन सभी की जिम्मेवारी मरम्मत कराना संवेदक को करना होता है। जल्द मरम्मत नहीं हुआ और घर-घर पानी नहीं पहुंचा तो हम ग्रामीण डीसी से मिलकर शिकायत करेंगे।

एक नजर

भाजपा के टॉर्चर से बांग्ला बोलना सीख गया : इरफान

रांची : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि भाजपा ने झारखंड में बांग्ला बोलने वालों को 'बांग्लादेशी' कहकर झारखंडियों की अस्मिता का अपमान किया। अंसारी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा है कि जिन्हें बांग्ला नहीं आती थी, भाजपा की नफरत ने उन्हें बांग्ला सिखा दिया। और हां, मैं भी अब बांग्ला सीख गया। क्योंकि भाषा अपराध नहीं होती, भाषा हमारी पहचान है, हमारी संस्कृति है। अब बिहार में चुनाव है। वहां भी लाखों लोग बांग्ला बोलते हैं, देखना कहीं उन्हें 'पाकिस्तानी' न कह दे भाजपा वाले। झारखंड जीत चुका हूं, अब बंगाल के बाद बिहार की बारी है। भाजपा की नफरत की राजनीति अब नहीं चलेगी। मैं भाजपा की दाल गलने नहीं दूंगा। भाषा नहीं झुकेगी, झारखंड नहीं रुकेगा।

खुदकुशी को लेकर आजसू ने मानवाधिकार आयोग को लिखा पत्र

रांची : गिरिडीह जिला अंतर्गत डुमरी प्रखंड के बलथरिया पंचायत के पंचायत सेवक सुखलाल महतो के खुदकुशी मामले में आजसू नेता संजय मेहता ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली को पत्र लिखकर न्याय की मांग की है। संजय मेहता ने आयोग के अध्यक्ष के नाम लिखे पत्र में लिखा है कि यह मामला न सिर्फ मानवाधिकारों के उल्लंघन से जुड़ा है, बल्कि कार्यस्थल पर सरकारी पदाधिकारियों की ओर से किए गए मानसिक उत्पीड़न का गंभीर उदाहरण भी है। उन्होंने बताया कि मृतक सुखलाल महतो ने खुदकुशी के पूर्व लिखे पत्र में डुमरी के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सहित तीन अन्य अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना और सार्वजनिक अपमान के गंभीर आरोप लगाया था। संजय मेहता ने आशंका जताई है कि यह मामला सरकार और सरकारी पदाधिकारियों से जुड़ा है, इसलिए तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है और सरकारी मशीनरी सच्चाई को दबाने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने कहा कि यहां तो मुंसिफ ही चोर है, इसलिए मानवाधिकार आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। मानवाधिकार आयोग ने संजय मेहता के पत्र पर संज्ञान लेते हुए केस संख्या 14015/आईएन/2025 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। संजय मेहता ने आयोग से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आजसू के संगठन सचिव अभिषेक हेरेंज ने दिया इस्तीफा

रांची : आजसू पार्टी को आज एक बड़ा झटका लगा जब संगठन सचिव एवं कोकं (पु) के पूर्व मुखिया अभिषेक राज हेरेंज ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने इस्तीफे का कारण 'निजी कारण' बताया है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अभिषेक ने कहा कि वे बीते आठ वर्षों से पार्टी में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे हैं और उन्हें जो जिम्मेदारियाँ दी गई थीं, उनका उन्होंने ईमानदारीपूर्वक निर्वहन किया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि 16 जून 2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी जिम्मेदारियों से औपचारिक रूप से त्यागपत्र दे रहे हैं। अभिषेक वर्तमान में रांची जिला के संगठन सचिव के पद पर कार्यरत थे और खूंटी जिला के सह प्रभारी के साथ-साथ कोकं (पु) के पूर्व मुखिया भी रह चुके हैं। उनके इस्तीफे को लेकर पार्टी के अंदरूनी हलकों में हलचल मच गई है। पार्टी की ओर से इस पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हाई कोर्ट ने डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति और सरकार की नियमावली पर मांगा जवाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में लागू की गई डीजीपी नियुक्ति नियमावली और इस पद पर अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने प्रतिवादी राज्य एवं केंद्र सरकार के अलावा अन्य प्रतिवादियों को जवाब के लिए एक और मौका दिया है, आज मामले में सरकार सहित अन्य प्रतिवादियों की ओर से जवाब दाखिल नहीं हो सका।

प्रार्थी की ओर से कोर्ट को पिछले सुनवाई में बताया गया था कि डीजीपी नियुक्ति नियमावली से राज्य सरकार ने यूपीएससी की भूमिका को हटा दिया है जो असंवैधानिक है, इसे निरस्त

किया जाए। मामले में पूर्व की सुनवाई में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, यूपीएससी, डीजीपी, केंद्रीय गृह मंत्रालय को नोटिस जारी किया था। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने आज मामले की सुनवाई की।

दरअसल, डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने चुनौती दी है। पूर्व की सुनवाई में मरांडी की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने अदालत को बताया था कि 25 जुलाई 2024 को अनुराग गुप्ता को एक्टिंग डीजीपी बनाया गया था।

यह तीन जुलाई 2018 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। फिर विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद 28 नवंबर 2024 को तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह को पद से हटाकर अनुराग गुप्ता को एक्टिंग डीजीपी बना दिया गया। यह भी सुप्रीम कोर्ट के जुलाई 2018 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। फिर विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद 28 नवंबर 2024 को तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह को पद से हटाकर अनुराग गुप्ता को एक्टिंग डीजीपी बना दिया गया। यह भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है।

क्या है याचिका में-

याचिका में कहा गया है कि डीजीपी की नियुक्ति यूपीएससी के अनुशंसित पैनल द्वारा की जाती है। लेकिन हेमंत सरकार ने यूपीएससी को दरकिनार कर अपनी मर्जी से उन्हें डीजीपी बना दिया। जबकि सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्देश है कि जब तक राज्य सरकार कोई नया कानून नहीं बनाती, तब तक यूपीएससी की प्रक्रिया से ही नियुक्ति होगी।

उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार ने अब डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली बनाई है। इसके तहत नॉमिनेशन कमेटी बनाई गई है। इसी समिति ने अनुराग गुप्ता के नाम पर मुहर लगाई। इसके बाद उन्हें स्थाई डीजीपी बनाया गया है।

जंगल में बाघ की सूचना से दहशत तीन मवेशियों को बनाया शिकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के लाली पंचायत अंतर्गत सुदूरवर्ती हेसो जंगल क्षेत्र में बाघ या संभवतः चीता के हमले की आशंका से राजधानी से सटे बुंडू-नामकुम सीमा पर दहशत फैल गई। सोमवार को ग्रामीणों ने बताया कि जंगल में चर रहे तीन मवेशियों को किसी जंगली जानवर ने मार डाला है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि आरती कुजूर समेत वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंची और पूरे मामले का जायजा लिया।

प्रथम दृष्ट्या में घटना बाघ या चीता जैसे हिंसक जानवर के हमले का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल पर जगह-जगह बाघ या चीते के पंजे का निशान मिले है। तीनों मवेशियों के शरीर पर नाखून और पंजे के झपटे देखे जा सकते हैं। इसे देखकर ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। आरती कुजूर ने बताया कि ग्रामीणों ने रात में जानवरों की दहाडने जैसी आवाजें सुनी गई थीं। संभावना है कि उक्त जानवर ने ही इन हमलों को अंजाम दिया है। उन्होंने घटना के बाद ग्रामीणों को समझाने और सतर्कता बरतने की सलाह दी। वन पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। साथ ही क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दी गई।

शाम के बाद जंगल की ओर न जाने और मवेशियों को चराने के दौरान समूह में ले जाने का आग्रह किया गया। घटनास्थल पर आरती कुजूर, लाली पंचायत समिति सदस्य बबिता देवी, सुरेन्द्र महतो, वार्ड बीरबल मुंडा, खिजरी उपमुखिया सुजीत सिन्हा सहित अन्य शामिल थे।

डीसी की रिपोर्ट की जांच कर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड दे अपना जवाब : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में नर्सिंग होम और हॉस्पिटल से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर झारखंड ह्यूमन राइट कनफेडरेशन की जनहित याचिका की सुनवाई सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की व्यवस्था पर राज्य के लगभग सभी जिलों के डीसी की ओर से जवाब दाखिल किया गया। बताया गया कि अस्पतालों से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट का सही तरीके से निस्तारण किया जा रहा है।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने डीसी की ओर से दी गई रिपोर्ट की जांच कर झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई जुलाई माह में निर्धारित की है। दरअसल, फरवरी 2025 को पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट

ने राज्य के सभी जिलों के डीसी से पूछा था कि उनके जिले में स्थित नर्सिंग होम एवं हॉस्पिटल से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की क्या व्यवस्था है, इस पर उनसे शपथ पत्र मांगा था। पूर्व की सुनवाई के दौरान झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि झारखंड में अभी पांच जगहों लोहरदगा, रामगढ़, पाकुड़ धनबाद एवं आदित्यपुर में बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट चल रहे हैं। जबकि देवघर में अभी बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट बन रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को इन वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट को चालू रखने के लिए अनुमति देना था जिसे उसने दे दिया था।

उल्लेखनीय है कि प्रार्थी ने याचिका में झारखंड में एनवायरमेंटल प्रोटक्शन एक्ट के अंतर्गत बायो मेडिकल वेस्ट डिस्पोजल मैनेजमेंट रूल को लागू कराने का आग्रह किया है। साथ ही कहा गया है कि राज्य में अस्पतालों क्लीनिक, नर्सिंग होम आदि जगहों से बायोमेडिकल वेस्ट का निष्पादन के लिए एनवायरमेंटल प्रोटेक्शन एक्ट के तहत बायो वेस्ट मैनेजमेंट हैंडलिंग रूल का प्रावधान झारखंड में लागू होना चाहिए।

डीजीपी अनुराग गुप्ता अब न अखिल भारतीय सेवा में हैं, ना सस्पेंड हो सकते हैं : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता अब न अखिल भारतीय सेवा में हैं, ना सस्पेंड हो सकते हैं।

मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता पर ना कोई विभागीय कार्रवाई लागू होती है। ना तो उन्हें वेतन मिल रहा है कि मुख्यमंत्री आप उनका वेतन रोक सकते हैं। लेकिन पुलिस विभाग के सारे तुगलकी आदेश वही दे रहे हैं। सिपाहियों तक की ट्रांसफर-पोस्टिंग कैसे ले-देकर हो रही है? पता कर लीजिये। कोई नहीं बताये तो हमें कॉल करियेगा, विस्तार से सब बता देंगे। 10 जून को 8 आईपीएस अधिकारियों को डीजीपी पद पर बैठे असंवैधानिक व्यक्ति ने

असंवैधानिक तरीके से अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया तो इसमें हैरान होने वाली क्या बात है? बिना यूपीएससी की सूची में नाम वाले व्यक्ति ने बिना मुख्यमंत्री की स्वीकृति और बिना किसी विधिक अधिकार के ये सब कर दिया तो क्या बुरा किया?

उन्होंने लिखा है कि सुना है अब गृह विभाग ने उसे रद्द कर ह्लस्पष्टीकरण मांगा है। स्पष्टीकरण किससे मांग रहे हैं? उस व्यक्ति से जिसे आप नियमों के दायरे में ला ही नहीं सकते? जब वे अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी रहे ही नहीं तो जाहिर है वो अखिल भारतीय सेवा के नियम को क्यों मानेंगे? ये बात आपको कैसे समझ में नहीं आ रही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आपकी की चुप्पी और बेबसी क्या दशार्ती है। या तो आपको पता नहीं, या आप पूरी तरह अयोग्य हैं। या फिर आपको सब पता है कि इस हालात के लिये आप स्वयं दोषी हैं। यह कौन नहीं जानता है कि झारखंड के कुछ बेलगाम अफसर अब संविधान से नहीं, सत्ता के साथ 'नेटवर्क' से चलते हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने आईपीएस अनुराग गुप्ता को सेवानिवृत्त होने के बाद कोई विस्तार नहीं दिया है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने उन्हें डीजीपी के पद बनाए रखा है।

स्वास्थ्य मंत्री का कांग्रेस भवन में जनता दरबार आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी मंगलवार को रांची के श्रद्धानंद रोड स्थित कांग्रेस भवन में जनता दरबार दरबार लगाएंगे। जनता दरबार में मंत्री आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि पार्टी की ओर जन समस्याओं को प्रमुखता से दूर करने की दिशा में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में जनता दरबार का आयोजन प्रत्येक मंत्री कांग्रेस मुख्यालय में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस कोटे के चारों मंत्रियों ने जनता दरबार का आयोजन किया था। इसमें जनता की कई समस्याओं का समाधान त्वरित गति से हुआ था। विधानसभा में बजट सत्र चलने और उसके बाद पहलगाम की घटना के कारण जनता दरबार का आयोजन रुका हुआ था, लेकिन अब पुनः इसका आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने पांच जून को जनता दरबार का आयोजन किया था। सोनाल ने कहा कि कांग्रेस कि यह पहल आम लोगों को प्रशासनिक परेशानियों से बचाने के लिए है जहां जनता को छोटे-मोटे कार्यों के लिए भी लगातार सरकारी कार्यालय का चक्कर काटना पड़ता है। उन्होंने बताया कि आनेवाले दिनों में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह जनता दरबार का आयोजन करेंगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाए किसान मोर्चा : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान को जन-जन तक किसान मोर्चा पहुंचाए। वर्तमान में चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियानके तहत कृषि वैज्ञानिक गांवों में जाकर किसानों को आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती के लिए प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रगतिशील किसानों को जैविक खेती, प्राकृतिक खेती एवं बाजार से जुड़ने के नए विकल्पों की जानकारी दी जा रही है। वे सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित किसान मोर्चा की संगठनात्मक

बैठक में बोल रहे थे।

विकसित भारत हर भारतीय के सपनों और अधिकारों का है प्रतिबिंब

मरांडी ने कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक विकास का एजेंडा नहीं, बल्कि हर भारतीय के सपनों और अधिकारों का प्रतिबिंब है। विकसित भारत मतलब हर गांव, हर शहर, हर घर में खुशियाली, समृद्धि और समान अवसर प्राप्त हो। यह संकल्प है कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में हो - आत्मनिर्भर, समृद्ध और सक्षम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सामने ऐसा भारत रखने का सपना देखा है, जहां कृषि, उद्योग, विज्ञान, तकनीक सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हो और देश का प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में अवसरों से सशक्त हो।

'पांच प्रण' और '11 संकल्प' को धरातल पर उतारे मोर्चा : कर्मवीर सिंह

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत के लिए प्रस्तुत पांच प्रण देश को प्रगति की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। 11 संकल्प जैसे - कर्तव्य पालन, समावेशी विकास, भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, कानून के शासन का सम्मान, महिला नेतृत्व में विकास, वंशवादी राजनीति का अंत, आरक्षण की सुरक्षा आदि, भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक शक्ति बनाने के दृढ़ संकल्प हैं। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि झारखंड में भाजपा किसान मोर्चा ने घोषणा की किसानों की समस्याओं को लेकर 24 जून को प्रदेश के सभी प्रखंड कार्यालयों पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राजभवन के समक्ष 108 एंबुलेंस के कर्मी 28 को देंगे धरना

रांची : राज्यभर में 108 एंबुलेंस सेवा में कार्यरत कर्मचारियों ने 28 जून को राजभवन (जाकिर हुसैन पार्क) के समक्ष विशाल महाधरना प्रदर्शन की घोषणा की है। एंबुलेंस सेवा में कार्यरत कर्मचारी झारखंड सरकार और सेवा प्रदाता संस्थाओं की ओर से लगातार अनदेखी किए जाने का विरोध कर रहे हैं। कर्मचारी संघ का आरोप है कि उन्हें न तो ऑफर लेटर और न ही ज्वॉइनिंग लेटर दिया गया है। इसके कारण भविष्य में उनके सेवा समाप्त होने की स्थिति में किसी प्रकार की गारंटी नहीं है। संघ का कहना है कि नियमित पत्राचार और मांगों के बावजूद अब तक सरकार और संस्था की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। संघ के अनुसार कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन, स्थायी नियुक्ति, पुरानी सेवाओं का बकाया भुगतान, एनएचएम से स्थायित्व जैसी बुनियादी मांगों को लेकर लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को 28 जून से पहले नहीं माना गया, तो वे कार्य बहिष्कार सहित अन्य आंदोलन को बाध्य होंगे। यह जानकारी बृजेश कुमार ने सोमवार को दी।

समर्पण शाखा के स्वास्थ्य शिविर में 62 लोगों की हुई जांच

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा अध्यक्ष की ओर से सोमवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। संस्था की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन एस्ट्रो ग्रीन सोसाइटी में किया गया। इसमें ब्लड शुगर, थायराइड, बीपी, बॉडी वेट, हिमोग्लोबिन सहित अन्य तरह की जांच की गई। शिविर से 62 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इस शिविर का आयोजन बायोपैथ लैब के सौजन्य से हुआ। शिविर के आयोजन में स्वास्थ्य प्रभारी आशा संथालिया, सोनल शर्मा, संयोजिका राधा ड्रोलिया की महती भूमिका रही। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष कंचन सोमानी,आशा संथालिया, सोनल शर्मा, कोमल पोद्दार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

राजद नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष बनने पर संजय यादव को दी बधाई

रांची : प्रदेश राजद के नेताओं ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रदेश राजद के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव से मिलकर बधाई दी। बधाई देनेवालों में पार्टी के वरीय नेता गौतम सागर राणा, प्रदेश महासचिव कैलाश यादव, डॉ मनोज कुमार, मदन यादव सहित अन्य नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष बनने पर संजय सिंह यादव को मिठाई खिलाकर बधाई दी। मौके पर कैलाश यादव ने बताया कि मौके पर गौतम राणा ने राज्य में संगठन को पंचायत स्तर पर मजबूत करने का सुझाव दिया। राणा ने कहा कि राज्य में राजद का कई स्थानों पर मजबूत जनाधार है। इस पर संजय सिंह यादव ने गौतम सागर राणा से कहा कि आपके मार्गदर्शन में पार्टी को पंचायत स्तर पर मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पांच जुलाई को पटना में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद राज्य में पार्टी के विस्तार को लेकर रोड मैप तैयार किया जाएगा। राणा को बधाई देने वाले नेताओं में सुनीता चौधरी, मो इरफान अंसारी, मनोज पांडेय, आबिद अली सहित अन्य का नाम शामिल है।

बहाली की मांग लेकर महाविद्यालय के नॉन टीचिंग स्टाफ ने राजभवन के समक्ष किया भिक्षाटन

रांची : झारखंड अंगीभूत महाविद्यालय अनुबंध शिक्षकेतर कर्मचारी मोर्चा के सदस्य सोमवार को रांची के कचहरी रोड पर कटोरा लेकर भिक्षाटन करते नजर आए। दरअसल, मोर्चा के सैकड़ों कर्मचारी अपने समायोजन की मांग को लेकर बीते ढाई महीने से राजभवन के समीप धरने पर डटे हुए हैं। आंदोलनकारी कर्मचारियों का कहना है कि वे सरकार का ध्यान खींचने के लिए कई तरह के कार्यक्रम कर चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। कभी जिन हाथों में कंप्यूटर और लैपटॉप हुआ करते थे, आज वही कर्मचारी शहर की सड़कों पर कटोरा लेकर भिक्षाटन करते दिखे। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन देने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं हैं। इसलिए आज मोर्चा के सदस्यों ने भिक्षाटन कार्यक्रम का आयोजन किया और लोगों से प्राप्त धनराशि को राज्य कोष में जमा कराने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि जब तक इनके समायोजन के लिए सरकार पूरी तरह आश्वासन नहीं देती है तब तक इनका आंदोलन जारी रहेगा।

फिलिस्तीन के समर्थन में वामदल बनाएंगे मानव श्रृंखला

रांची : फिलिस्तीनी जनता के समर्थन में वामदलों की ओर से मंगलवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर मानव श्रृंखला और सभा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पार्टी के नेता और कार्यकर्ता युद्ध नहीं शांति चाहिए नामक मार्च का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी भाकपा नेता अजय सिंह ने सोमवार को अल्बर्ट एक्का चौक स्थित पार्टी कार्यालय प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन की जनता शांति चाहती है। लेकिन इसरायली सैनिकों की ओर से वहां की महिलाओं-बच्चों पर लगातार हमला किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमले का दौर अब भी बदस्तूर जारी है। यह युद्ध अविलंब बंद होना चाहिए। मौके पर माकपा के प्रफुल्ल लिंडा ने कहा कि मानव श्रृंखला सैनिक बाजार से अल्बर्ट एक्का चौक तक बनाई जाएगी। मार्च के बाद अल्बर्ट एक्का चौक पर ही सभा का आयोजन होगा। मौके पर भाकपा माले के मोहन दत्ता, माकपा के प्रफुल्ल लिंडा और फॉरवर्ड ब्लॉक के राजीव कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

एक नजर

हेल्पिंग कॉर्प्स के जिला सचिव के अपील पर चापाकल की हुई मरम्मती

बोकारो : सोमवार को मानवाधिकार संगठन हेल्पिंग कॉर्प्स फाउंडेशन के बोकारो जिला सचिव अफजल खान के ट्वीट (७) पर अपील की थी कि चंद्रपुरा प्रखंड के तेलों मध्य पंचायत में कन्या मध्य विद्यालय के सामने का चापानल पिछले लगभग चार माह से खराब पड़ा था। जिससे स्कूली बच्चों सहित आस पास व आने जाने वाले राहगीरों लगातार इसकी कड़कड़ाती धूप गर्मी में परेशानी हो रही थी । जिला सचिव अफजल खान की पहल पर विधायक डुमरी जयराम महतो के संज्ञान के बाद उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा तत्काल उसे ठीक करवा दिया है।

अस्वासन नही क्रियान्वयन चाहिए नही तो होगा हड़ताल : एनके सिंह

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के दिशा-निर्देशन मे आज एफ एस एन एल प्राईबेट लिमिटेड एरिया के मदन केन्टीन मे बिभागीय कर्मचारीयों एवं ठेकाकमीर्यों की मिटिंग हुई जिसका अध्यक्षता बिभाग के युनियन अध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने किया जिसमे सेकडो मजदूरों ने भाग लिया ।सभा को सम्बोधित करते हुए जय झारखंड मजदूर समाज के संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने कहा कि एफ एस एन मे 2018 से कोई भी युनियन चुनाव नही होने के कारण रिकोनाईज्ड नही है जिसके चलते कम्पनी मे काम करने बाले मजदूरों के समस्याओं एवं कम्पनी का प्रोडक्शन प्रोडिक्टीविटी का निर्णायक फैसला हेतु गठित जे एफ सी की बैठक मे बोकारो युनिट से मजदूरों का प्रतिनिधित्व नही हो रहा है जो लेवर एक्ट का सरासर उल्लंघन है और इसी मांग को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज 2018 मे दो दिवसीय हड़ताल नोटिस दिया था जिसपर सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे त्रिपक्षीय बार्ता मे प्रबंधन से लिखित समझोता हुआ था कि कम्पनी युनियन का चूनाव करबायगी लेकिन आज 2025 जाने को तैयार है लेकिन अभी भी कम्पनी टाल-मटोल कर रही है । जिसके बिरोध मे हमारी युनियन ने पुनः 27-28 जून को दो दिवसीय हड़ताल का नोटिस दे चूका है तो निश्चित रूप से हड़ताल होगा और इसबार अस्वासन नही क्रियान्वयन चाहिए। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से आई अहमद, सुभाष चंद्र बाउरी, हरेंद्र पासवान,नेमचन्द महतो, धनेस्वर दास, पी के साह,नासिर अहमद खान, हिरू कालन्दी, सुनिल कुमार, बकार,लालचंद, अभय कुमार, सोनू, यादब, अजय कुमार, इत्यादि ने हड़ताल सफल करने पर बल दिया।

तनिषा कुमारी ने समाज का मान बढाया, लोगों ने बधाई दी

बोकारो : बोकारो धनबाद क्षेत्रीय राजपूत समाज के जोन पांच बोकारो के सदस्य बिनोद कुमार सिंह व माता रानी सिंह के पुत्री तनिषा कुमारी ने नीट यूजी की परिक्षा में जिला टापर व भारतीय स्तर पर 128 वां (एआईआर 3106)रैंक प्राप्त कर गाँव परिवार व समाज का मान बढाया है।इनकी सफलता पर गांव परिवार व समाज में उल्लास है। तनिषा कुमारी को बधाई के साथ शुभकामनाएं दिया है। तनिषा कुमारी पुर्व जोनल अध्यक्ष रामशरण सिहका पोती है। केन्द्रीय अध्यक्ष जनमेजय सिंह, महामंत्री शिरीष कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ सिंह, संगठन मंत्री रघुनाथ सिह, प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, कोषाध्यक्ष रामचरित सिंह,अंकेक्षक रामविलास सिंह, जोनल अध्यक्ष निपु सिंह, प्रभाष कुमार सिंह, सच चीन सिंह, मानिक कुमार सिंह, अतुल प्रसाद सिंह, सदस्यों व केन्द्रीय सलाहकार सदस्यों ने वधाई दिया है।

गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की पहचान कर विशेष ध्यान दें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को स्वास्थ्य विभाग की पूर्व में हुई समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि से मरीजो को रेफर किए जाने संबंधित मामलों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बिना किसी वैध कारण के किसी भी मरीज को रेफर नहीं करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मातृत्व स्वास्थ्य व प्रसव संबंधित सुविधाओं की जानकारी लेते हुए मरीज को लाभ पहुंचाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को मिल रहे लाभ की समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देने एवं प्रभावी तरीके से आयुष्मान भारत योजना का संचालन करते हुए प्रत्येक योग्य मरीज को योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। मातृत्व स्वास्थ्य अंतर्गत विभिन्न कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व जांच ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संस्थागत प्रसव संबंधित मामलों की समीक्षा में क्रम में उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में हो रहे प्रसव आदि की जानकारी लेते हुए उपलब्ध सुविधाओं को और भी प्रभावी तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं अथवा बच्चों की मृत्यु से संबंधित मामलों की गंभीरता पूर्वक जांच सुनिश्चित करने एवं संबंधित मामलों में ऑटोप्सी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की पहचान प्रसव पूर्व जांच के दौरान विशेष ध्यान देते हुए सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में 247 आकस्मिक सेवाएं, प्रसव आदि हेतु चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कुपोषित बच्चों के इलाज हेतु उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने वर्तमान में एमटीसी केंद्र के माध्यम से कुपोषित बच्चों के इलाज की केंद्रवार जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने तथा समाज कल्याण विभाग से समन्वय करते हुए कुपोषित बच्चों का इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, स्वास्थ्य केंद्रों आदि में मरीजों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने, ब्लड बैंक के सफल संचालन को लेकर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जमीन विवाद में हिंसक झड़प एक की मौत, कई लोग घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुकरपुर पीपल चौक के पास रविवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में भुवनेश्वर महतो नामक व्यक्ति की गंभीर चोट लगने से मौत हो गई, वहीं दोनों पक्षों के करीब दर्जन भर लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। मृतक भुवनेश्वर महतो को घायल अवस्था में कसमार सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। कसमार थाना में दोनों पक्षों की ओर से परस्पर विरोधी एफआईआर दर्ज की गई है। निर्मल स्वर्णकार ने गणपत महतो, सुरेन्द्र महतो, ठाकुर दास महतो, रंजीत महतो समेत कई महिलाओं पर हमला करने का आरोप लगाया है। वहीं गणपति महतो ने निर्मल स्वर्णकार, हीरालाल, राहुल, सिद्धेश्वर और महेश स्वर्णकार समेत अन्य पर हत्या और जमीन हड़पने की कोशिश का मामला दर्ज कराया है। गणपति महतो का दावा है कि विवादित जमीन खाता संख्या 113, प्लॉट संख्या 3822, रकबा 54 डिसमिल, उनके पूर्वज रेंगटु कुर्मी के नाम खतियानी भूमि है, जिस पर वे वर्षों से राजस्व रसीद कटवा रहे हैं। वे आरोप लगाते हैं कि निर्मल स्वर्णकार के पूर्वजों ने फजीर्वाड़ा कर जमीन पर अवैध दावा किया है और धारा 144 के बावजूद चहारदीवारी का निर्माण करा रहे थे। वहीं निर्मल स्वर्णकार का कहना है कि जमीन उनके पूर्वज मोती सोनार द्वारा खरीदी गई थी, लेकिन अब तक कोई वैध पट्टा या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है।

विस्थापित परिवार का सामूहिक आत्मदाह प्रयास वार्ता के बाद टला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सोमवार को बोकारो के एक विस्थापित परिवार की ओर से उपायुक्त बोकारो कार्यालय के समक्ष समस्त परिवार द्वारा सामूहिक आत्मदाह किया जाना था। लेकिन जिला उपायुक्त कार्यालय के प्रभारी दंडाधिकारी के मानिक चंद्र प्रजापति परियोजना पदाधिकारी से सकारात्मक वार्ता के बाद आत्मदाह प्रोग्राम को स्थगित किया गया। वार्ता में आत्मदाह करने वाले सदस्य को समझा बुझाकर मामला को शांत कराया गया और आश्वस्त किया कि आपको न्याय मिलेगा और जो भी परेशान कर रहा है उस पर जांच कमिटी बनाकर जांच की जाएगी। जो भी दोषी होंगे उसपर कार्यवाही होगी। आप लोग इस तरह से अपने को आत्मदाह मत कीजिए अगर आपको कोई भी परेशान करेगा उसके बारे में जिला के मालिक को लिखित शिकायत करे। अधिकारियों

ने आत्मदाह का फैसला कर चुके परिवार को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया और आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों की जांच के लिए कमिटी बनाई जाएगी तथा दोषियों पर कार्रवाई होगी। अपलोग को जरूर न्याय मिलेगा। परिवार के लोगों ने वार्ता में ने कहा कि हमारी जमीन को लेकर कई वर्षों से हमलोगों को प्रशासन और भू - माफियाओं की मिलीभगत से बराबर घर तोड़ने को लेकर अतिक्रमण का लेटर जारी कर हमलोगों को परेशान कर रहा है। जिसके कारण हमलोग इन सभी से प्रताड़ित होकर आज उपायुक्त महोदय बोकारो के कार्यालय के मेन गेट पर समस्त परिवार के लोग मजबूत होकर पेट्रोल छिड़कर आत्मदाह करने का निर्णय लिया था। मामला पुनर्वास जमीन को लेकर है और जिस जमीन पर हमलोग अपना घर बनाकर रह रहे है वह जमीन मेरी मां अलकी देवी पति भाकुर महतो के नाम से वर्ष 1965 में ही पर्चा आवंटन हुआ है। लेकिन हमलोग गरीब परिवार होने के चलते अधिकारी एवं भू-माफियाओं द्वारा लगातार हमलोगों को साजिश के तहत उजाड़ने में लगे हुए है।

आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से दो पंचायतों में आयोजित हुई सेंगेल जनसभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से धनबाद जिला एक कलियासोल प्रखंड में दो पंचायत में सेंगेल जनसभा हुई। पहला पूर्व बांदा पंचायत के खरोईडीह गांव में और दूसरा पिंडराहाट पंचायत के भुरसा गांव में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता रूपेश मरांडी एवं संचालन धनबाद जिला सेंगेल अध्यक्ष बबुलाल टुडू ने किया। वहीं पिंडराहाट पंचायत में भुरसा गांव में दिनेश किस्कू भुरसा माझी हाड़म ने अध्यक्षता किया। जनसभा को संबोधित करते हुए आदिवासी सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश सेंगेल संयोजक करमचंद हंसदा ने कहा कि आज आदिवासी समाज का अस्तित्व खतरे में है। आदिवासियों का हासा(सीएनटी एसपीटी) भाषा(संताली), जाति सरना

धर्म(मरांग बुरू), रोजगार, चासबास, ईज्जत, आबाद्दी सब लुट मिट रहा है। आदिवासी रिजर्व सीट से चुनाव जीते एमपी, एम एल ए,मुखिया सरपंच जिला परिषद आदि जनप्रतिनिधि एवं आदिवासी गांव समाज में मौजूद आदिवासी समाज के अगुआ मांझी बाबा भी इसे बचाने में अक्षम है। उनमें भी आदिवासी आवाज नहीं है। ऐसे में एक मात्र नेता आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व संसाद सालखन मुर्मू और उनके साथ आदिवासी सेंगेल अभियान के कार्यकर्ता खड़ा है।आज इन्हीं के नेतृत्व में सीएनटी एसपीटी एक्ट को सख्ती से लागू करने, आदिवासी बहुल प्रदेश झारखंड में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त संताली भाषा को प्रथम राजभाषा बनाने, भारत में लगभग 15 करोड़ प्रकृति पूजक आदिवासियों को सरना धर्म कोड के लिए आन्दोलन, गिरिडीह जिले में स्थित आदिवासियों के मरांग बुरू पारसनाथ पहाड़ को जैनों के काब्जे से मुक्त करना आदि का संघर्ष जारी है।

ट्रकों की आवाजाही से प्रदूषण के खिलाफ ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र के जोशी कॉलोनी गेट नंबर तीन पर सोमवार को ग्रामीणों ने भारी हंगामा करते हुए सड़क जाम कर दी। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने कई ट्रकों को रोक दिया और आवाजाही पूरी तरह ठप कर दी। ग्रामीणों का आरोप है कि ऐस पोंड से हाईवा और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण इलाके में धूल और प्रदूषण बढ़ गया है। इसके चलते स्थानीय लोगों को सांस, त्वचा समेत कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोग पहले ही बीमार हो चुके हैं, वहीं सड़क पर भारी वाहनों के चलते हादसों का खतरा भी बना रहता है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं करता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर ट्रैफिक पूरी तरह बाधित रहा और लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हुई। प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने की कोशिश में जुटे हैं।

पासवा के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखण्ड राज्य को मिला 2025 बेस्ट स्टेट अवार्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा पश्चिम बंगाल के होटल कोर्टयार्ड मैरियट्ट सिलीगुड़ी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर में संचालित निजी स्कूलों के संचालक व संगठन के 500 से भी अधिक पदाधिकारी शामिल हुए और संगठन द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में स्किल इंडिया, नर्सरी शिक्षक प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ,निजी स्कूलों की जमीनी बाध्यता एवं नई शिक्षा नीति के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए रणनीति तय की गई। इस कार्यक्रम में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी राज्य शामिल हुए! सम्मेलन की

अध्यक्षता एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने तथा संचालन फरजाना शकील और फौजिया खान ने मुख्य रूप से किया। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चर्चित आईपीएस अधिकारी विकास वैभव और पूर्व केंद्रीय मंत्री व कटिहार सांसद तारिक अनवर, यूके से आए विशिष्ट अतिथि क्रिस्ट, राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद सचिव मेर्व्यल कोवेल,उपाध्यक्ष फादर पीटर डॉ धीरज मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। एसोसिएशन ने देश के सभी राज्यों में झारखंड को बेहतर कार्य करने के लिए बेस्ट स्टेट के अवार्ड से नवाजा गया और राज्य के प्रदेश सचिव सीपीएस विद्यालय झुमरीतिलैया असनाबाद निदेशक तौफीक हुसैन को उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रचारक, जनसंपर्क पुरस्कार व बेहतर कार्य के लिए नेशनल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। और कोडरमा जिला अध्यक्ष डॉ बीएनपी बर्णवाल बेस्ट लीडर के अवार्ड से सम्मानित हुए। वही कोडरमा जिला के संरक्षक नेशनल पब्लिक स्कूल निदेशक मुस्ताक खान, महासचिव केपीएस स्कूल निदेशक आरिफ अंसारी, कोषाध्यक्ष प्रेरणा पब्लिक स्कूल निदेशक दिलीप कुमार यादव प्रखंड अध्यक्ष रंजीत पांडे राष्ट्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। तथा संगठन के सदस्य कैसर बानो, शाइस्ता आफरीन, गीता कुमारी, चंदन शर्मा, सदफ खान, सुरुचि कुमारी, शबनम खातून, जैनब खान, आयत तौफीक, फरदीन खान, मलीहा को विशेष पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। सम्मेलन के पैनल डिस्कशन में सभी राज्यों के पदाधिकारी शामिल हुए। जिसमें नीड एंड साइनीफिकेंस ऑफ स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर ईयरली चाइल्डहुड फैसिलिटेटर एंड केयरगिवर्स,ए-आई वर्सिज ई-आई रेटिंग, अनइंप्लॉयमेंट एंड क्वालिफाइड बट अनएम्प्लोयीबल यूथ अंडरस्टैंडिंग थे। प्रोबलम एंड रिफ्लेक्टिंग ऑन द रोल ऑफ पेरेंट्स आधारिक विषय पर चर्चा किया। जिसमें झारखंड का नेतृत्व करते हुए प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन ने अपने संबोधन में बेरोजगारी और योग्य लेकिन बेरोजगार युवा की समस्या और माता-पिता की भूमिका पर बेहतरीन संबोधन दिया और राज्य मे आर टी ई मान्यता से संबंधित उत्पन्न हो रही समस्याओं को रखा।

संक्षिप्त खबरें

अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रामगढ़ : अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम में कार्यक्रम में केंद्रीय अध्यक्ष विनोद किस्कु का गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। साथ ही सामूहिक रूप से द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई, कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पिछड रहे आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक के साथ शैक्षणिक मुद्दे से आदिवासियों को जोड़कर बढ़ाना है आगे। रामगढ़ जिले के सिद्धू कान्हू जिला मैदान में आज अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम के पहले स्थापना दिवस पर 26 राज्यों झारखण्ड के अलावे आसाम, बंगाल, नेपाल, बिहार उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश महाराष्ट्र के आदिवासियों ने शिरकत किया। संथाल समाज अब एक होकर अपने इस कार्यक्रम में बिहार राज्य संथाल समाज के अध्यक्ष मनोज मुर्मू ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे समाज में पिछड़ रहे आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक के साथ शैक्षणिक मुद्दे से लोगों को जोड़कर आगे बढ़ाना है, मौके पर इस कार्यक्रम में पहुंचे असम प्रदेश के अध्यक्ष ने बताया कि हमारे संथाल समाज के लोग देश के सभी जगहों में अलग-अलग तरीके से रह रहे हैं यह मंच उन सब को एक जगह लाना है। कार्यक्रम की शुरूआत आदिवासियों के विभिन्न राज्यों से संथाली स्वतंत्रता सेनानियों के लगे तस्वीरों पर माल्यार्पण के साथ संथाली सांस्कृतिक लोक नृत्य एवं संगीत के साथ शुरू हुआ।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और कार्यशाला के लिए चयनित हुए राम वर्णवाल

कोडरमा : झारखंड सरकार के झारखंड राज्य एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा रांची के नामकुम में स्थापित एन आई एम एवं स्वास्थ्य निर्देशक परिसर में आई पी एच कान्फ्रेंस हॉल में दिनांक 17 जून को आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के लिए कार्यशाला हेतु कोडरमा से रक्तवीर सेवा संघ कोडरमा के निर्देशक एवं संस्थापक राम वर्णवाल का नाम पर सरकार द्वारा मुहर लगाई गई है। उक्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राम वर्णवाल को भी बुलाया गया है। उक्त कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से वैसे समाज सेवी शामिल होंगे जो रक्तदान के प्रति निस्वार्थ भाव से लोगों में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं एवं समय -समय पर रक्तदान शिविर के लिए अलग अलग संस्थानों को मार्गदर्शन एवं जागरूक करते रहते हैं। उक्त कार्यशाला के लिए कोडरमा जिले के राम वर्णवाल जो कि स्वयं भी एक वालंटियर रक्तदाता हैं। जो अब तक कुल 9 बार रक्तदान कर चुके हैं। एवं अब तक अपने संस्था द्वारा झारखंड कई ब्लड बैंक को कुल 2511 यूनिट रक्तदान करवा चुके हैं एवं अपने संस्था के माध्यम से कुल 20 थैलीसीमिया से ग्रसित बच्चों को हर महीने या जरूरत अनुसार रक्तमुहैया करवाने के लिए गोद ले चुके हैं। बता दें कि राम वर्णवाल पहले भी इंटरनेशनल अवॉर्ड से राजस्थान के बीकानेर कई राज्य जैसे कोलकाता, बिहार ,धनबाद एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने सामाजिक कार्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं।

क्षत्रिय महासंघ युवा मोर्चा के अध्यक्ष बनें रणजीत सिंह व महासचिव दिनेश सिंह

कोडरमा : उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ की केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष, महामंत्री सहित सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से उतरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ युवा मोर्चा का अध्यक्ष कोडरमा निवासी रणजीत सिंह और महासचिव पथलडीहा (सलैया) निवासी दिनेश सिंह को मनोनीत किया है। साथ ही पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई की दोनों नव मनोनीत पदाधिकारी के नेतृत्व में ज्यादा से ज्यादा युवा महासंघ से जुड़ेंगे और जल्द ही सभी जोन में उतरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ युवा मोर्चा का भी गठन करेंगे। मनोनीत दोनों पदाधिकारियों ने बैठक में कहा कि संघ ने उनके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है। इस पर वह खरा उतरने का भरपूर प्रयास करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि संघ की मजबूती के लिए वे सभी अभिभावकगण के मार्गदर्शन में क्षेत्र का भ्रमण कर युवाओं को जोड़ने का प्रयास करेंगे। इनके मनोनयन पर उपस्थित सैकड़ो क्षत्रिय बंधुओ ने हर्ष जताया है।

सत्यम कुमार ने नीट की परीक्षा मे 98.2 प्रतिशत अंक लाकर किया नाम रोशन

मरकच्चो : नवलशाही निवासी भूत पूर्व मुखिया अर्जुन साव का पोता मनोज साव के पुत्र सत्यम कुमार ने नीट 2025 की परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। सत्यम कुमार ने उक्त परीक्षा में 564 अंक के साथ 98. 2 प्रतिशत प्राप्त किया है। उनका एआर-37537 है। सत्यम की सफलता पर परिवार के साथ साथ पूरे गांव व प्रखण्ड में खुशी का माहौल है। सत्यम ने अपने प्रारंभिक शिक्षा स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल एवं दसवीं तक का शिक्षा दीपक पब्लिक स्कूल नवलशाही से किया। सत्यम के पिता मनोज साव ने जानकारी देते हुवे बताया कि सत्यम ने आकाश इंस्टिट्यूट रांची में रहकर नीट की परीक्षा की तैयारी की थी। उसकी सफलता से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। वही समाजसेवी एवं सत्यम का चाचा शंकर साव माता ममता देवी, चाचा राजेश साव, धर्मेन्द्र साव, बैजनाथ साव, अनिल साव रवि साव, जयदेव यादव, समेत कई प्रबुद्ध लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

कौणिडनिया पब्लिक स्कूल में फादर्स डे का हुआ आयोजन

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौंडिण्निया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के परिसर में आज 16 जून 2025 को फादर्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के चेयरमैन श्री राजीव रंजन सिंह, आईपीएस रिटायर्ड ने शिरकत की। उन्होंने बच्चों को जीवन में पिता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और उनके साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने स्पीच प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। फादर्स डे के अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सुंदर-सुंदर कविताएं और प्रस्तुतियां दीं। इन प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। छोटी कक्षाओं में बच्चों ने अपने हाथों से कार्ड बनाकर अपने पिता के लिए फादर्स डे का उपहार तैयार किया। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए मनोरंजक रहा, बल्कि उन्हें अपने पिता के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त करने का अवसर भी मिला। विद्यालय के चेयरमैन ने सभी बच्चों और उनके पिताओं को फादर्स डे की शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी और प्रेम की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सानिया इमाम, द्वितीय पुरस्कार प्रगति सोनी तथा तृतीय पुरस्कार शौर्य लाल साहा ने अपने नाम किया।

पुलिस ने चर्च में डकैती कांड का किया उदभेदन, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : बोलबा थाना क्षेत्र के समसेरा चर्च में हुई डकैती की घटना का सिमडेगा पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है। इस कांड में शामिल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य 05-06 अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। डीएसपी हेड क्वार्टर रणवीर सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस अधीक्षक सिमडेगा के निर्देशन में गठित एसआईटी टीम ने इस कांड का उद्भेदन किया है। टीम ने तकनिकी सहायता और प्राप्त सूचना के आधार पर अनुसंधान करते हुए पाया कि इस कांड में

अन्तरराज्यीय गिरोह की संलिप्ता है, जिसमें कुछ अपराधकर्मी झारखंड के और कुछ उड़ीसा राज्य के शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में आदिल केरकेट्टा, रिंकु सोनी उर्फ मूशा और सुभाष नाईक उर्फ रामबोला नाईक शामिल हैं। इनके पास से बरामद कैश रुपये 21 हजार 500 सौ रुपया, टीवीएस रेडान रजिस्ट्रेशन नंबर ओडी-15Y-2487, काले रंग का मास्क, दो जोड़ा काले रंग का हैंड ग्लव्स, एक काला रंग का टोपी, एक लोहे की छड़ और एक सब्बल शामिल है। पुलिस ने बताया कि दोनो राज्यों में चर्च में हुई घटनाओं में पैसा प्राप्त करने के लिए मारपीट और डकैती की गई थी। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के बाद अन्य अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस कांड के उदभेदन में सिमडेगा पुलिस और उड़ीसा पुलिस की संयुक्त टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक नजर

पिपरवार में मुहर्रम को लेकर हुई बैठक

खलारी : सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा गांव मे कांग्रेस पार्टी के चतरा जिला उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के पिपरवार क्षेत्रीय अध्यक्ष कासिम उर्फ मुन्ना के आवास मे स्थानीय ग्रामीणों की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक मे भीएमएन क्लब एंव नौजवान कमेटी बहेरा के लोग शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता कासिम उर्फ मुन्ना और संचालन फहीम रजा उर्फ डायमंड ने किया। बैठक मे प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहेरा गांव मे मुहर्रम के अवसर पर मुहर्रम मेला सह लाठी खेल प्रतियोगिता कराने का निर्णय लिया गया। बैठक मे कासिम उर्फ मुन्ना, फहीम राजा, जाहिद अली, मोहम्मद अली, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद नौशाद, वसीम रजा उर्फ गोल्डन, मोहम्मद गुड्डे, मोहम्मद सहजहां, मोहम्मद असगर, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद जसीम, मोहम्मद इम्तियाज सहित कई लोग उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया वाटर कूलिंग मशीन

सरिया : मारवाड़ी युवा मंच सरिया नगर शाखा द्वारा राष्ट्र के अमृतधारा योजना के अंतर्गत सफल स्थाई अमृतधारा को स्थापित कर उसका उद्घाटन किया गया(इस संबंध में मंच के सदस्यों ने बताया कि सरिया बाजार स्थित शिव मंदिर स्थापित इस वाटर कूलिंग मशीन की 200 लीटर कूलिंग कैपेसिटी है। जिससे 24*7 आम राहगीरों को ठंडा पेय जल की सुविधा मिलेगी। बताया कि इस प्रकार के समाजोपयोगी कार्य में मारवाड़ी समाज का हमेशा अहम योगदान रहा है। जो हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है। बताया कि मारवाड़ी युवा मंच सरिया नगर शाखा समाज सेवा के पथ पर पूर्व से ही अग्रसर है और भविष्य में भी रहेगा।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आदिवासी होटल रामपुर रिंग रोड में संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत नामकुम प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी के द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर जी एवं रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी की उपस्थिति में प्रखण्ड अध्यक्ष विजय टोप्पो की अध्यक्षता में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम रखी गई। कार्यक्रम में नवनियुक्त प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी के दो उपाध्यक्ष एवं नौ महासचिव को नियुक्ति पत्र दिया गया एवं विधानसभा में संविधान बचाव रैली के आयोजन पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में निम्नलिखित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गयाः- उपाध्यक्ष- अंजू लकड़ा, उपाध्यक्ष- जीता कच्छप, महासचिव- तेलस्फोर मिंज, महासचिव- राम लखन नायक, महासचिव- जितेंद्र सिंह,

महासचिव- तेवफिल सांगा, महासचिव- विजय तिर्की, महासचिव- करण मुण्डा, महासचिव- विकास मुण्डा, महासचिव- अब्दुल सतार खान, महासचिव- अरविंद महतो। कार्यक्रम मुख्या रूप रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी के वरीय उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी यशस्वीनी सहाय, विधायक प्रतिनिधि एतवा सांडिल, माधो कच्छप, सिलास टुटी, कल्याण लिण्डा, राम पाहन, अर्चना मिश्रा, सुन्दरी तिर्की, महादेव मुण्डा, मदन मोहन मिश्रा, मंगरा कच्छप, अरविंद लोहरा, पुनीत तिग्गा, रेमिश तिर्की, सोमरा मुण्डा, बिजो लकड़ा, कुलदीप मिंज, कुलदीप लकड़ा, खुदिया कच्छप, सुशील रूण्डा, विशाल टोप्पो, मुरलीधर, रोज लकड़ा, विनीत एक्का, अनिल टोप्पो,समीर, विनोद, अल्बर्ट बिहान, रंजय टोप्पो उपस्थित थे।

सिल्ली मंडल ने संकल्प सभा का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार के दिन सिल्ली भाजपा मंडल के द्वारा कुतरु गांव मे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सफलता पूर्वक ग्यारह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संकल्प सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम प्रभारी पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि भारत को 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध हो कर शिक्षा पर्यावरण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण करना, भ्रष्टाचार समाप्त कर स्वच्छ समाज का निर्माण, वंशवाद की राजनीति को खत्म करना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक एवं संचालन सुधीर कुमार साहू ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्यक्रम प्रभारी जैलेंद्र कुमार, जिला मीडिया प्रभारी रामसाय मुंडा, पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ महतो, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्नेहलता, महामंत्री अमिता देवी, चंदन गोस्वामी, गुणाधर बेदिया, रविन्द्र साहू, सुभाष मंडल, सुलोचना देवी, सुषमा समेत दर्जनों कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में एक घर से नगदी समेत दो लाख की संपत्ति की हुई चोरी

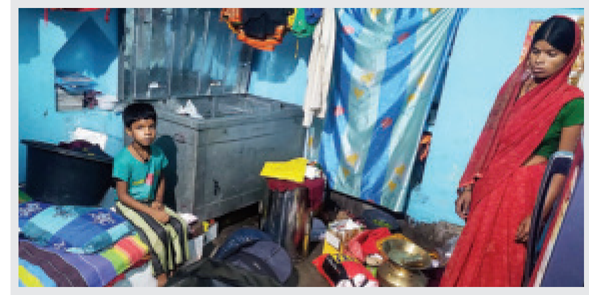

सरिया : बड़की सरिया नगर पंचायत क्षेत्र के बलीडीह मोहल्ले में रविवार की रात चोरी की घटना हुई। जिसमें उक्त मोहल्ले के पीड़ित व्यक्ति महावीर ठाकुर ने बताया कि चोरों ने उसके घर से डेढ़ लाख रुपए नगद कांसा के 25 थाल, तथा सोने चांदी के जेवर की चोरी कर ली। जिसकी कीमत दो लाख से अधिक बताई जाती है। घटना की जानकारी लोगों को सुबह हुई। मिली जानकारी के अनुसार परिवार के लोग बेतहाशा गर्मी से परेशान होकर रात में छत पर सोए थे। इस बीच चोरों ने मौका पाकर स्लाइड सिस्टम खिड़की खोलकर घर के अंदर घुसे तथा घटना को अंजाम दिया। चोरी की इस घटना की सूचना सरिया पुलिस को दे दी गई है।

खिजरी विधायक ने अपने विधानसभा स्तरीय तीन प्रभारी किये नियुक्त

अनगड़ा : खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सुचारू रूप से कार्य संचालन, आम जनों के समस्या के समाधान एवं विकास कार्यों का धरातल में प्रभावी रूप से संचालन हेतु विधानसभा स्तरीय विधायक प्रतिनिधि के रूप तीन प्रभारी नियुक्त किया है। जिसमें तुपुदाना निवासी सतीश कुमार पण्डा को प्रभारी, अनगड़ा निवासी राजेंद्र मुण्डा को सह प्रभारी एवं ओरमांझी निवासी रशीद अंसारी को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। सभी प्रभारी सरकारी एवं गैर सरकारी पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए विकास कार्यों को धरातल पर उतारा में सहयोग करेंगे तथा आम जनों का समस्याओं का समाधान करने में सहयोग करेंगे। बधाई देने में अनवर अहमद अंसारी, नामकुम प्रखण्ड अध्यक्ष विजय टोप्पो, अनगड़ा प्रखण्ड अध्यक्ष एतवा उरांव, ओरमांझी प्रखण्ड अध्यक्ष तुलसी खरवार, एतवा मुण्डा, श्रवण मुण्डा, हरिमोहन महतो, मुबारक अंसारी, कमिश्नर मुण्डा, नितीन तिर्की, रमेश चंद्र उरांव, रिजवान अंसारी, शफिउल्लाह अंसारी, मुखिया दशमी मिंज, इसराफिल अंसारी।

कार्यालय अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग

–:आम सूचनाः–

एतत् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि खास महाल लीज भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु झारखण्ड सरकार के विभागीय परिपत्रांक 5727/रा0, दिनांक 30.11.2017 के आलोक में वंशावली प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। उक्त परिपत्रांक के आलोक में निम्न लीजधारियों का वंशावली प्रमाण पत्र अंचल अधिकारी, सदर के कार्यालय से प्राप्त है।

अंचल अधिकारी, सदर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त वंशावली प्रमाण पत्र विहित प्रक्रिया का पालन करते हुए निर्गत किया गया है, लेकिन खासमहाल की लीज भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु उक्त वंशावली प्रमाण पत्र का सत्यापन अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग के स्तर से कराना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः उक्त के आलोक में खास महाल भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु प्रेस–विज्ञप्ति के माध्यम से वंशावली की आम सूचना प्रकाशित की जा रही है। यदि उक्त वंशावली के संबंध में किसी भी आम एवं खास को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सूचना प्रकाशन के पन्द्रह दिनों के अन्दर साक्ष्यों के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में समर्पित करना सुनिश्चित करें। सूचना प्रकाशन के पंद्रह दिनों बाद कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगा।

असरीता नाग
↓
- स्व0 फलोरंस भाइलेट नाग (अविवाहित मृत)
- रेणुबाला नाग (अविवाहित मृत)
- कुमुद नाग (विवाहित नावल्द मृत)
- अनुप नाग (आवेदक)

अनुमण्डल पदाधिकारी,
सदर, हजारीबाग

PR 355188 District(25-26).D

पिपरवार महांप्रबंधक कार्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा की हुई शुरूआत

प्रत्यूष नविबहार संवाददाता

खलारी : पिपरवार क्षेत्र में सोमवार से स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पिपरवार महाप्रबधंक कार्यालय मे जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह मे पिपरवार क्षेत्र के जीएम संजीव कुमार ने उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलायी। इस संबधं मे जीएम संजीव कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष पिपरवार में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है। इसके तहत सीसीएल प्रबधंन के द्वारा आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को लेकर कई प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य शरीर के लिए स्वच्छता सभी के लिए जरूरी है। उन्होंने कोयलांचल क्षेत्र के सभी लोगों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए अपने आसपास के इलाकों को स्वच्छ रखने की अपील की। इस मौके पर अशोक परियोजना पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह, स्टाफ ऑफिसर पीएंडपी डीके शर्मा, स्टाफ ऑफिसर सेल्स सुनील कुमार सिंह, स्टॉफ ऑफिसर ईएंडटी आरएन गौतम, स्टॉफ ऑफिसर सेफ्टी पंकज कुमार चौधरी, स्टॉफ ऑफिसर फाईनेश अनिमेश ठाकुर, सीएसआर पदाधिकारी उज्जवल कुमार, कार्मिक प्रबंधक अरुण कुमार महतो, जगदीश मंड़ल, धीर प्रताप सिंह, रवि कुजुर, सन्नी कुमार,सुमांतो कुमार, समरजीत सरकार, राकेश पाण्डेय, पप्पू सिंह सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

21वीं जूनियर स्टेट चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में कोयलांचल के बच्चो ने लहराया परचम

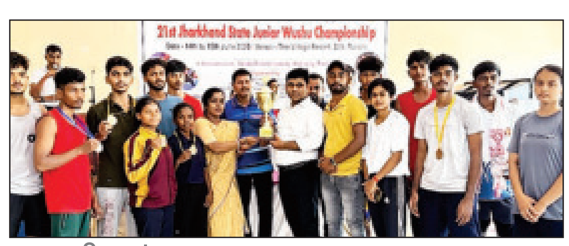

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के वुशु खिलाड़ियो ने 21वी जुनियर स्टेट चैम्पियनशिप वुशु प्रतियोगिता मे शानदार प्रदर्शन कर पिपरवार कोयलांचल सहित चतरा जिला का नाम रौशन किया है। जानकारी के अनुसार रांची के द विलेज रिजोर्ट सिल्ली के सभागार मे संपन्न हुए 21वी जुनियर स्टेट चैम्पियनशिप वुशु प्रतियोगिता मे पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के 16 वुशु खिलाड़ी चतरा जिला वुशू संघ के की ओर से शामिल हुए। जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और दो कास्य पदक प्राप्त कर पिपरवार कोयलांचल सहित चतरा जिला का नाम पूरा झारखंड में रोशन करते हुए चतरा जिला को दूसरा स्थान दिलाया है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियो मे सुमो कुमारी, नैयर शान अहमद, अनिशा कुमारी, विकाश महतो, राजकुमार, अमन अंसारी, कशिश राज का नाम शामिल है। वही राज कौशिक रजत पदक और पवन मुण्डा, राज कुमार सिंह ने कास्य पदक प्राप्त किया है।

कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, राँची
शिक्षा विभाग परिसर, पो0–कोर्ट कम्पाउण्ड, राँची–834001, फोन– 2215544,
ईमेल न0–rmsaranchi0651@gmail.com

आवश्यक सूचना

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, रांची द्वारा संचालित राज्य स्तरीय आकांक्षा कार्यक्रम (मेडिकल/इंजीनियरिंग/क्लैट) सत्र– 2025–27 में छात्र–छात्राओं के नामांकन हेतु झारखण्ड अधिविद्य परिषद, रांची द्वारा दिनांक 11.06.2025 को परीक्षाफल प्रकाशित किया जा चुका है।

झारखण्ड अधिविद्य परिषद, रांची द्वारा प्रकाशित सूची में चयनित छात्रों का निर्धारित सीट के अनुरूप नामांकन हेतु द्वितीय चयन परीक्षा 2025 का आयोजन कराया जाना है, जिसके तहत् द्वितीय चयन परीक्षा दिनांक 29.06.2025 को रांची जिले के 02(दो) परीक्षा केन्द्रों में समय 10:00 बजे पूर्वा0 से 01:00 बजे अपराह्न तक आयोजित की जायेगी। जिसका विवरण निम्नवत् है :–

परीक्षा तिथि :– 29.06.2025 (दिन– रविवार)
समय :– समय 10:00 बजे पूर्वा0 से 01:00 बजे अपराह्न तक

क्र0	संकाय	परीक्षार्थियों की संख्या	परीक्षा केन्द्र का नाम	समय
1	इंजीनियरिंग	227	एल0 ई0 बी0 बी0 उच्च विद्यालय, रांची	10:00 बजे पूर्वा0 से 01:00 बजे अपराह्न तक
2	मेडिकल	150	बालकृष्ण +2 उच्च विद्यालय, रांची	
3	क्लैट	149		

अतः उक्त के आलोक में संबंधित छात्रों को सूचित किया जाता है कि उक्त द्वितीय चयन परीक्षा में सम्मिलित होना सुनिश्चित करेंगें। (चयनित छात्रों की सूची JAC की वेबसाईट पर उपलब्ध है।)
परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु आवश्यक अभिलेखः–
1. आकांक्षा परीक्षा का प्रवेश पत्र (JAC से निर्गत)
2. पहचान पत्र– (आधार/पैन)

जिला शिक्षा पदाधिकारी, राँची
–सह– नोडल पदाधिकारी,
राज्य स्तरीय आकांक्षा कार्यक्रम

PR 355174 Human Resource Developement(25-26)#D

सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन ने की क्रिकेट स्टेडियम और एकेडमी के लिए जमीन की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा जिला में क्रिकेट को एक नया आयाम देने के लिए सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा रविवार को जिला परिषद डाक बंगला में आयोजित एजीएम में एक विस्तृत खाका तैयार किया गया। जेएससीए से अनुबंधित सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन का एजीएम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस एजीएम में नई कमेटी की घोषणा हुई। एजीएम के दौरान बताया गया कि सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्कालीन सचिव श्रीराम पुरी ने एसोसिएशन से अनुमति लेकर जेएससीए बोर्ड का चुनाव लड़ा और सिमडेगा जिला

प्रतिनिधि के रूप में जीत दर्ज कराई। जिसके बाद सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन में सचिव पद रिक्त हो गया और यहां एसोशिएशन के चुनाव कराने की आवश्यकता महसूस हुई। तब एसोसिएशन के तत्कालीन पदेन अध्यक्ष एसपी सौरभ ने सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन का चुनाव भारत सरकार के खेल नीति के तहत करने की अनुमति दी। तत्कालीन पदेन अध्यक्ष के निर्देश पर 20 मई को शहर के अलबर्ट एक्का स्टेडियम में एसोशिएशन के वरीय आजीवन सदस्य सुनील सहाय की अध्यक्षता में बैठक करते हुए। नई कमिटी का चुनाव सम्पन्न कराया गया। बताया गया कि इसमें अध्यक्ष के रूप में बिजय कुमार पुरी, उपाध्यक्ष सुनील सहाय, सुहैब शाहिद, दिलीप तिर्की, सुनील कुमार और अनूप श्रीवास्तव, सचिव के रूप में तौकीर उस्मानी, उप सचिव दीपक अग्रवाल, तस्लीम आरिफ खान और कोषाध्यक्ष शशिभूषण मिश्रा को चुना गया। इनके अलावे 09 कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए हैं। एजीएम की शुरूआत में 2024-25 का ऑडिट रिपोर्ट पेश करते हुए सदस्यों को दिया गया। जिसे सदस्यों ने ध्वनि मत से पारित किया। बैठक के दौरान नव चयनित कमिटी के अध्यक्ष बिजय कुमार पुरी ने बताया कि एसोसिएशन में 30 आजीवन सदस्य है। इसके अलावा 14 नए सदस्यों को भी इस वर्ष सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन से जोड़ा गया है। सभी सदस्यों को 500 रुपए वार्षिक शुल्क एसोसिएशन के खाते में जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि कमिटी ने निर्णय लिया है कि इनके अलावा अब जो भी सदस्य के रूप में एसोसिएशन से जुड़ेंगे उन्हें कमिटी द्वारा सदस्य बनने की योग्यता के निर्णय पर 05 हजार रुपए का शुल्क लेकर सदस्यता दी जाएगी। इसके अलावा एजीएम में निर्णय लिया गया है कि जिले में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय स्तरीय क्रिकेट टूनार्मेंट होगा जो एसोसिएशन के पूर्व सम्मानित सदस्य स्व ओम प्रकाश अग्रवाल के नाम पर संचालित होगी।

कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, गुमला
अनुमण्डल परिसर गुमला पिन : 835207
Email ID :- rmsagumla@gmail.com

आम सूचना

गुमला जिला अंतर्गत सरकारी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक/प्रधानाध्यापक के अंतर जिला स्थानान्तरण के संबंध में :–

सरकार के संयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 844 दिनांक 13.06.2025 द्वारा राज्य के सरकारी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक/प्रधानाध्यापक के अंतर जिला स्थानान्तरण हेतु निम्न रूपेण तिथि विस्तारित की गयी है:–

पूर्व में निर्धारित समय सीमाः–

शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन आवेदन समर्पित करने की तिथि	दिनांक 19.05.2025 से 14.06.2025 तक
जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा ऑनलाईन आवेदनों का सत्यापन	दिनांक 20.06.2025 तक
जिला शिक्षा स्थापना समिति का अनुमोदन एवं राज्य स्तरीय समिति के लॉगिन पर ऑनलाईन अग्रसारण	दिनांक 21.06.2025 से 05.07.2025 तक

संशोधित/विस्तारित समय सीमाः–

शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन आवेदन समर्पित करने की तिथि	दिनांक 19.05.2025 से 21.06.2025 तक
जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा ऑनलाईन आवेदनों का सत्यापन	दिनांक 26.06.2025 तक
जिला शिक्षा स्थापना समिति का अनुमोदन एवं राज्य स्तरीय समिति के लॉगिन पर ऑनलाईन अग्रसारण	दिनांक 27.06.2025 से 11.07.2025 तक

ऑनलाईन आवेदन का लिंक https://teachertransfer.jharkhand.gov.in/ में आवेदन करने संबंधी विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक दिशा–निदेश उपलब्ध है।

अतएव उपरोक्त के आलोक में गुमला जिला अंतर्गत सरकारी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक/प्रधानाध्यापक के अंतर जिला स्थानान्तरण के लिए Teacher Transfer Portal के माध्यम से निर्धारित समय–सीमा के अंदर ऑनलाईन आवेदन समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी
गुमला

PR 355117 Jharkhand Education Project Council(25-26)#D

पवन ऊर्जा क्षेत्र और तीन प्रमुख चुनौतियां

देश में बिना बाधा के बिजली आपूर्ति में पवन ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इस दिशा में मोदी सरकार पूरी ईमानदारी से प्रयासरत है। सरकार मानती है कि इस क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। इनसे पार पाने के बाद ही स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जामंत्री प्रह्लाद जोशी ने 15 जून को बेंगलुरु में वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पवन ऊर्जा क्षेत्र के लिए तीन चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, हमें 24 घंटे बिजली और ग्रिड स्थिरता प्रदान करने के लिए पवन को सौर और भंडारण (बीईएसएस) के साथ जोड़ना होगा। दूसरा, शुल्क प्रतिस्पर्धी होना चाहिए। 3.90 रुपये प्रति यूनिट की दर बहुत अधिक है। हमें लागत कम करने के लिए मिलकर काम करना होगा। तीसरा, घरेलू विनिर्माण को और अधिक कुशल बनना होगा। साथ ही अपने लक्ष्यों को पूरा करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहन भी देना होगा। वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस पर आयोजित सम्मेलन के संदर्भ में भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार के निरंतर नीतिगत समर्थन से पवन ऊर्जा क्षेत्र ने पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तत्वावधान में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के प्राधिकरणों, डिस्कॉम, सीपीएसयू, पवन उद्योग, शिक्षाविदों, प्रमुख विचारकों, प्रमुख हितधारकों आदि की भागीदारी से देश में पवन ऊर्जा विकास की प्रगति सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में पवन स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए), भारतीय पवन टरबाइन निमार्ता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) और भारतीय पवन ऊर्जा संघ (आईडब्ल्यूपीए) का भी सहयोग रहा। केंद्रीयमंत्री जोशी ने कार्यक्रम में मौजूद हितधारकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि पवन ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत की रणनीति के केंद्र में है। जोशी ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए भारत को ऊर्जा की अधिक आवश्यकता है, चाहे वह सौर ऊर्जा हो, पवन ऊर्जा हो या ऊर्जा का कोई अन्य स्वरूप हो। कार्यक्रम में जोशी ने यह कहकर चिंता कम की कि भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य महत्वाकांक्षी और स्पष्ट हैं। वर्ष 2030 तक हमारी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा। वर्ष 2070 तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बन जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के में पवन ऊर्जा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। पवन ऊर्जा अक्षय ऊर्जा रणनीति का घटक नहीं है, लेकिन यह इसके दिल में है और आत्मनिर्भर भारत के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें 'विनिर्माण के लिए अक्षय ऊर्जा और घरेलू खपत के लिए पारंपरिक ऊर्जा' का एक दृष्टिकोण दिया है। हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण अक्षय ऊर्जा उत्पादन, भंडारण और उपयोग के महत्व पर बल देता है, ताकि जब भारत निकट भविष्य में वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन जाए, तो वह अक्षय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में सक्षम हो सके। जोशी ने कहा कि भारत में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इसकी विश्व स्तर पर चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्जा स्थापित क्षमता है और यह तीसरा सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा उत्पादक है। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि भारत 10 वर्ष में अक्षय ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन जाएगा, लेकिन आज यह एक वास्तविकता है। सरकार इस क्षेत्र को पूरी गंभीरता से सहायता प्रदान कर रही है। इस वर्ष अक्षय ऊर्जा बजट में 53 प्रतिशत यानी 26,549 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा पवन ऊर्जा को दिया गया है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग की ओर संक्रमण अपरिहार्य है। राज्यों को इस संक्रमण का नेतृत्व करना चाहिए। भूमि की उपलब्धता और पारेषण में देरी को दूर करना होगा। यह संकोच का समय नहीं है, यह कार्यान्वयन का समय है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत 225 किलोवाट से लेकर 5.2 मेगावाट तक की क्षमता वाले पवन टर्बाइनों का निर्माण कर रहा है। इसमें 14 कंपनियां 33 मॉडल तैयार कर रही हैं। यह टर्बाइन हमारी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करते हैं और वैश्विक स्तर पर लागत-प्रतिस्पर्धी भी हैं।

सूडोकु नवताल- 7463

✱✱✱✱✲ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7462 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में है 'भविष्य के भारत की सोच'

लोकेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में संघ को लेकर गहरी रुचि और जिज्ञासा सामान्य लोगों से लेकर बौद्धिक जगत में दिखाई दे रही है। संघ के संबंध में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिन्हें विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखा है। इस श्रृंखला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' ने प्रकाशन जगत और बुद्धिजीवी वर्ग का ध्यान खींचा है। यह पुस्तक अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जब संघ की सृष्टि में रचा-बसा लेखक कुछ लिखता है, तब उसे पढ़कर संघ को ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यह ऐसी पुस्तक है, जो लेखक की प्रत्यक्ष अनुभूति के साथ विकसित हुई है। संघ की यात्रा और विभिन्न मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण बताते हुए सुनील आंबेकर अपनी संघ यात्रा को भी रेखांकित करते हैं। यह प्रयोग संघ को व्यवहारिक ढंग से समझने में हमारी सहायता करता है। मनोगत में स्वयं लेखक सुनील जी लिखते हैं कि यह पुस्तक उनके लिए है जो व्यवहार रूप में संघ को समझना चाहते हैं, उसके माध्यम से जिसने संघ को जिया है। सुनील आंबेकर का लंबा समय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को गढ़ने में भी बीता है। सुनील जी बाल्यकाल से स्वयंसेवक हैं। संघ के साथ उनके संबंध नैसर्गिक रूप से विकसित हुए हैं। नागपुर में उनका घर संघ मुख्यालय के पड़ोस में ही है। उनके घर का द्वार संघ कार्यालय के प्रांगण में ही खुलता था।

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' पाठकों को न केवल संघ की बुनियादी जानकारी देती है अपितु 'भविष्य के भारत' को लेकर संघ की क्या सोच है, उस पर भी यह पुस्तक बात करती है। पुस्तक के प्रारंभिक अध्यायों में संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि पर चर्चा है। संघ की स्थापना के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता और उसकी कार्यप्रणाली को ठीक प्रकार से समझना है, तब हमें संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन चरित्र अवश्य पढ़ना और जानना चाहिए। इस पुस्तक में यह उल्लेख एक से अधिक स्थानों पर आया है। डॉक्टर साहब क्रांतिकारी संगठनों में रहे, कांग्रेस में भी सक्रिय रहे। वे नागपुर में कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। डॉक्टर साहब के पास सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र का समृद्ध अनुभव था, उसी में से उनके हृदय में संघ बीज का प्रस्फुटन हुआ। सुनील जी लिखते हैं, "डॉक्टर साहब का मानना था कि भारत की गुलामी का कारण केवल विदेशी ताकतें नहीं हैं, जिन्होंने आक्रमण किए अपितु आंतरिक कलह और मतभेद भी इसके कारण रहे हैं। एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी, जहां सब बड़े-छोटे या अन्य लोग किसी भी प्रकार के भेदभाव को भूलकर संवाद कर सकें। इसी विचार ने आगे चलकर शाखा की संकल्पना को जन्म दिया।" समर्थ गुरु रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र से समाज को संगठित करने का पाठ सीखकर डॉक्टर हेडगेवार ने एक ऐसे संगठन का निर्माण किया, जो व्यक्ति केंद्रित नहीं अपितु तत्व उसके मूल में है।

'संघ की मूल अवधारणाएं' बताते हुए लेखक सुनील जी लिखते हैं, "जिन मूल केंद्रीय अवधारणाओं से संघ के विचार का जन्म हुआ, ये हैं- राष्ट्रीयता, एकात्मता और सामूहिकता।' वे आगे लिखते हैं, "संघ के साथ जितना मेरा अनुभव रहा है, मुझे लगता है कि यह सामंजस्य, विश्वास एवं पारस्परिक आदर का भाव स्थापित करनेवाली और एकत्व स्थापित करनेवाली एक शक्ति है।" पुस्तक में अन्य स्थानों पर भी संघ की मूल अवधारणाओं की व्याख्या की गई है, उन्हें अलग-अलग ढंग से समझाने का प्रयास किया गया है। संघ के बारे में एक बात सबको समझनी चाहिए कि यह कोई जड़ संगठन नहीं है। समाज के साथ बहनेवाला जीवंत संगठन है, जो देश-काल-परिस्थिति के अनुसार समाज हित में अपने दृष्टिकोण को विस्तार देता है। लेकिन संघ की मूल अवधारणाएं स्थायी हैं, उनमें परिवर्तन स्वीकार्य नहीं है। जैसे- राष्ट्रीयता को लेकर संघ का स्पष्ट मत है कि यह देश 'हिन्दूराष्ट्र' है, संघ इसी अवधारणा के साथ जन्मा और उसी को लेकर आजतक चल रहा है। इस संबंध में पूर्व सरसंघचालक बालासाहब देवरस को उल्लेखित करते हुए वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी कहते हैं, "जब हमसे पूछा जाता है कि यह कैसे हुआ, वह कैसे हुआ? हमने पहले वैसा कहा था, अब ऐसा क्यों कह रहे हैं? इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बालासाहब ने कहा था कि देखो भाई, हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है, इस एक बात को छोड़कर बाकी सब बदल सकता है, क्योंकि हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है यह किसी के दिमाग की उपजी हुई बात नहीं है। श्री आंबेकर पुस्तक में एक स्थान पर लिखते हैं कि संघ का विचार स्पष्ट और सरल है बेशक कई विद्वानों ने संघ पर कई गहन एवं जटिल ग्रंथ लिखे हैं किंतु केंद्रीय अथवा मूल विचार एक ही है-अच्छे बनो और उस अच्छाई को दूसरों की भलाई के कार्य करते हुए समाज में प्रकट करो।"

संघ की शाखा क्या है, संघ किस प्रकार काम करता है, संगठन की रचना किस प्रकार की है? ये ऐसे प्रश्न हैं, जो उन सबके मन में रहते हैं जो संघ को समझना चाहते हैं। इस सबका उत्तर पुस्तक में मिलता है। वहीं, आजकल बहुत से नेता एवं तथाकथित बुद्धिजीवी भ्रम का वातावरण बनाने के लिए और संघ के प्रति लोगों के मन में संदेह पैदा करने के कपटपूर्ण उद्देश्य से एक प्रश्न उछालते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ का क्या योगदान रहा है? इसका भी तथ्यापूर्ण उत्तर इस पुस्तक में मिलता है। बहुत कम लोग हैं जो यह जानते हैं कि संघ का स्वयंसेवक बनने के बाद स्वयंसेवक एक प्रतीज्ञा करते हैं और उसे बार-बार स्मरण करते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व उस प्रतिज्ञा में एक पंक्ति आती थी- मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए संघ का स्वयंसेवक बना हूं। अब चूंकि स्वतंत्रता मिल गई तो 'हिन्दूराष्ट्र की स्वाधीनता' का स्थान 'हिन्दूराष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति' ने ले लिया। यह एक पंक्ति-एक तथ्य ही, एक अदने से प्रश्न का विराट उत्तर है। इसके बाद भी अन्य तथ्य हमारे सामने पुस्तक में आते हैं, जो बताते हैं कि संघ के स्वयंसेवक न केवल आंदोलन में शामिल रहे अपितु उन्होंने बलिदान भी दिया। जेल की सजा भी काटी। जब पहली बार कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित किया, तब संघ ने अपनी सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाने और प्रभात फेरी निकालने का निर्णय लिया।

कुछ मूढ़मति हिन्दू धर्म और हिन्दुत्व की मनमानी व्याख्याएं करते हैं। यह लोग हिन्दुत्व को संघ की उपज मानकार, संघ को खारिज करने के साथ-साथ एक नैसर्गिक चिंतन 'हिन्दुत्व' को भी खारिज करने की कोशिशें करते हैं। पांचवे अध्याय 'हिन्दुत्व का पुनरोदय' में लेखक श्री आंबेकर जी ने इस पर विस्तार से चर्चा की है। वह लिखते हैं कि हिन्दुत्व शब्द का सर्वप्रथम उपयोग 1880 में चंद्रनाथ बसु ने किया, जो एक उप-न्यायाधिकारी एवं लेखक थे। 'हिन्दुत्व' नाम से 1892 में लिखी अपनी पुस्तक में बसु ने हिन्दू धर्म के अंतर्गत समाहित विभिन्न दर्शनों एवं राजनीतिक चिंतन का वर्णन किया है। यहां वह स्पष्ट करते हैं कि हिन्दुत्व शब्द संघ के चिंतन से नहीं जन्मा बल्कि वह तो जीवन जीने की आदर्श पद्धति की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है। वे लिखते हैं कि "संघ का विश्वास है कि हिन्दुत्व ज्ञान का ऐसा भंडार है, जिसमें विश्व के सामने मुंह बाए खड़ी सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान के मंत्र हैं तथा भारत में व्याप्त अनेक कुरीतियों के उपचार विद्यमान हैं।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हिन्दुत्व राजनीति के लिए नहीं है, यह तो समूची मानवता के कल्याण के लिए है। इसके बाद भी यदि कोई हिन्दुत्व की गलत व्याख्याएं करता है, तब यही मानना चाहिए कि हिन्दू धर्म के प्रति उसके मन में मैल है।

कला-संस्कृति, इतिहास, राजनीति, हिन्दुत्व, जातिगत भेदभाव, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, वैश्विक मुद्दे-आंदोलन, पर्यावरण और परिवार जैसे ज्वलंत विषयों पर भी संघ के दृष्टिकोण को लेकर अपनी पुस्तक में लेखक ने पर्याप्त चर्चा की है। हम जानते हैं कि संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक भारत को परम-वैभव पर देखना चाहता है। वह प्रतिदिन संघ स्थान पर भगवा ध्वज के सामने खड़े होकर प्रार्थना को मंत्र रूप में गाता है और अपने इस संकल्प का घोष करता है। इस संकल्प का विस्तार ही सुनील आंबेकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' है। यह पुस्तक मूल रूप में अंग्रेजी में 'द आरएसएस : रोडमैप फॉर द 21 सेंचुरी' नाम से प्रकाशित हुई थी, जिसके विमोचन अवसर पर बहुत ही सारगर्वित उद्बोधन सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का हुआ था। उनका यह उद्बोधन हिन्दी अनुवाद में 'प्रस्तावना' के रूप में शामिल किया गया है। पुस्तक का अनुवाद डॉ. जितेन्द्र वीर कालरा ने किया है। अनुवाद इतना सहज-सरल है कि कहीं भी विषय का प्रवाह बाधित नहीं होता है। 272 पृष्ठों की इस पुस्तक का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ने किया है। संघ की संरचना और उसकी चिंतन प्रक्रिया को समझने में यह पुस्तक बहुत उपयोगी है।

(समीक्षक, माखनलाल चतुवेर्दी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

चारधाम यात्रा में मौत के उड़नखटोले!

एडवोकेट डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में 15 जून को तड़के एक हेलीकॉप्टर (उड़नखटोला) फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस हेलीकॉप्टर में पायलट समेत 7 लोग सवार थे, जिनमें एक 2 वर्ष का बच्चा भी था। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई है। खराब मौसम के कारण यह हादसा गौरीकुंड और त्रिजुगीनारायण के मध्य गौरीकुंड के जंगलों के ऊपर हुआ। सुबह लगभग साढ़े पांच बजे हेलीकॉप्टर ने केदारनाथ से गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी और अचानक यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। खराब मौसम के कारण दृश्यता कम होने की वजह से इस हादसे का होना माना जा रहा है। तत्काल राहत और बचाव दल भेजे गए। रास्ते में मौसम खराब होने के कारण अन्य स्थान पर हार्ड लैंडिंग करने से हेलीकाप्टर क्षतिग्रस्त हुआ है। इसी जून के पहले सप्ताह में भी एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी के कारण उसकी बीच सड़क पर इमरजेंसी लैंड कराना पड़ा था। यह हेलीकॉप्टर केदारनाथ धाम यात्रियों को लेकर जा रहा था। हेलीकॉप्टर में पांच यात्री, पायलट और सह-पायलट सवार थे।

इस दौरान सह-पायलट को मामूली चोटें आई थीं। यह हेलिकॉप्टर बड़ासु हेलीपैड से उड़ान भरने के तुरंत बाद आपातकालीन लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था। इस साल मई में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद से छह सप्ताह में यह पांचवां हेलिकॉप्टर हादसा है। उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवा से केदारनाथ धाम में यात्रा करने वालों की संख्या हर साल लगभग 90 हजार से एक लाख श्रद्धालुओं की है। प्रतिदिन लगभग 1500 श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से केदारनाथ दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मौजूदा समय में हेलीकॉप्टर की उड़ान कम होने और कुछ एजेंसियों को सस्पेंड किए जाने के बाद टिकट रद्द भी किए जा रहे हैं। टिकट रद्द के बाद श्रद्धालुओं को उनके पैसे वापस करने होंगे। अपनी व्यवस्थाओं से चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर मायूसी है।

उत्तराखंड सरकार ने 15 जून के इस हादसे के बाद उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवाओं को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मुख्य सचिव इन दुर्घटनाओं को लेकर बैठक भी कर रहे है।उत्तराखंड में 7 जून को 253 हेलीकॉप्टर शटल सेवा चली, जिसमें 1404 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया। 8 जून को 208 हेलीकॉप्टर शटल सेवा चली, जिसमें 1161 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया। 9 जून को हेलीकॉप्टर 186 शटल सेवा चली जिसमें 1043 भक्तों ने बैठकर केदारनाथ के दर्शन किए। 10 जून को मात्र 143 उड़ान केदारनाथ के लिए भरी गई। इसमें 741 श्रद्धालुओं ने सफर किया। 11 जून व 12 जून को केदारनाथ धाम में मौसम खराब होने के कारण कुछ ही हेलीकॉप्टर सुबह उड़ पाए। वास्तविकता यह है कि हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान अब इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा कि कहीं अत्यधिक वजन ढोने, कम निचाई पर हेलीकॉप्टर की उड़ान और एक के बाद एक उड़ान भरने के साथ-साथ दूसरी कोई लापरवाही तो नहीं बरती जा रही है।

हेलीकॉप्टर के इंजन को आराम मिल सके, साथ ही पायलट को भी बीच में अच्छा खासा ब्रेक मिले, इस बात को भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दौरान पिछले दिनों हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद डीजीसीए ने हेली संचालन से संबंधित कुछ पाबंदी लगाई हैं। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हर साल बढ़ रही है। चारधाम यात्रा में खासकर केदारनाथ धाम में हेली सर्विस के माध्यम से लगातार श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर का सबसे ज्यादा संचालन केदारनाथ धाम के लिए ही हो रहा है। लेकिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में इजाफा होने से सरकार और श्रद्धालु दोनों चिंतित है।

बीती 8 मई 2025 को उत्तरकाशी के गंगनानी के पास हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोगों की मौत हुई। इस साल की इस यात्रा के दौरान 30 दिनों के भीतर चार हेलीकॉप्टर हादसों में 13 लोगों की जान और करोड़ों रुपये के हेलीकॉप्टर क्षतिग्रस्त हो गए है। पर्यटन नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने भी इस बात की पुष्टि की है कि डीजीसीए हेली सर्विस पर रिव्यू कर रहा है। इस रिव्यू के तहत कई तरह की रोक व पाबंदियां भी चारधाम यात्रा पर चल रही हैं। केदारनाथ के लिए उड़ने वाली हेलीकॉप्टर सेवा को रेग्युलेट भी किया गया है। हादसे से पहले एक घंटे में यात्रियों को लेकर हेलीकॉप्टर 25 से 30 बार उड़ा करते थे, यह उड़ान तीन अलग-अलग जगह से होती थी। लेकिन अब अब मात्र 1 घंटे में 9 से 10 उड़ान भरी जा रही हैं। डीजीसीए ने यह भी साफ किया है कि जिस हेलीकॉप्टर में छह सवारियां यात्रा कर रही थी, उन हेलीकॉप्टर में अब सिर्फ 3 से 4 सवारियां ही यात्रा कर पाएंगी। इसके साथ ही वजन और मौसम का भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही मौसम जरा भी खराब होता है तो कोई भी हेली एजेंसी हेली के संचालन को लेकर दबाव नहीं बनाएगी। डीजीसीए हर एक उड़ान और एविएशन की सारी एक्टिविटी पर नजर रख रहा है। ताकि इस रिव्यू को बेहतर तरीके से किया जा सके और आगे का फैसला लिया जा सके। लेकिन इन पाबंदियों के बावजूद खराब मौसम में हेलीकॉप्टर ने 15 जून की सुबह उड़ान भरी जो दुर्घटना का कारण बन गई और 7 जिंदगियां खत्म हो गईं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संघ प्रमुख ने किया स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल का आह्वान

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने विगत दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि संघ के कार्यकर्ता बिना किसी पहचान अथवा प्रशंसा की इच्छा के समाज सेवा के कार्य में जुटे रहते हैं। वे सामान्य जीवन जीते हैं और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हुए असाधारण ऊंचाई तक पहुंचते हैं। अब संघ प्रमुख ने कानपुर के नवाबगंज क्षेत्र में स्थित दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में दिए गए अपने व्याख्यान में संघ के कार्यकर्ता को एक साधक के रूप में परिभाषित किया है। भागवत ने कहा कि संघ का कार्यकर्ता जो भी कार्य करता है उसमें उसकी भूमिका एक साधक की होती है। इसी कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि अगर आप विद्यार्थी हैं तो ऐसे विद्यार्थी बनें जो दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत हो। अगर आप एक व्यवसायी हैं तो ऐसे व्यवसायी बनें जिसकी अपनी एक अलग पहचान हो। संघ प्रमुख के उक्त कथन का आशय समझना कठिन नहीं है। वे कहते हैं कि व्यक्ति का जो भी कार्य क्षेत्र है उसमें उसे समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि संघ व्यक्तित्व विकास का कार्य करता है। उक्त शिक्षा वर्ग में स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भी कानपुर पहुंचे थे।

संघ प्रमुख के अनुसार हमारी यह सोच होना चाहिए कि हम जहां जिस स्थिति में हैं वहां देशहित के लिए क्या कर सकते हैं। हमें यह भी देखना होगा कि देश में निर्मित या स्वदेशी वस्तुओं का अपने जीवन में प्रयोग करने के लिए संकल्प ले सकते हैं। संघ प्रमुख ने ऐसे कार्य करने पर विशेष जोर दिया जिससे देश का पैसा देश में ही रहे। हमारे पैसों से देश का विकास होना चाहिए। उन्होंने इसी

तरह का विचार बना कर अपना जीवन संचालित करने का आह्वान किया। मोहन भागवत ने देश की सर्वांगीण उन्नति के लिए राष्ट्रभक्ति की भावना को अपरिहार्य बताया। संघ प्रमुख ने कार्यकताओं से शाखा क्षेत्र के प्रत्येक परिवार तक पहुंचने और हिंदुओं को एक जुट करने का आह्वान किया। भागवत ने कहा कि हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जो जातिवाद जैसी सामाजिक असमानताओं से मुक्त हो और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी से अवगत हो।हर घर में सद्भाव और संस्कार होना चाहिए ताकि हर घर में सनातन परंपरा को फिर से कायम किया जा सके। मोहन भागवत ने समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानव जाति के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास को ही व्यक्तिगत विकास निरूपित किया। मोहन भागवत ने कहा कि जैसे जैसे संघ का विस्तार हुआ इसने अपना दायरा बढ़ाया। अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्य का विस्तार किया। आज हम संघ के शताब्दी वर्ष में हैं। पंच परिवर्तन के आधार पर पूरे समाज में एक बड़े परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास हो रहा है। संघ प्रमुख ने राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व से परिचित समाज के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें पर्यावरण के अनुकूल अपनी जीवन शैली अपनाने वाला समाज चाहिए जो जातिवाद की असमानताओं से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि मंदिरों, जलाशयों और श्मशानों पर पूरे समाज का अधिकार होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत का दो माह के अंदर यह दूसरा कानपुर प्रवास था। इसके पूर्व वे कानपुर में संघ के नवनिर्मित कार्यालय केशव भवन के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए थे। बहुमंजिला केशव भवन उत्तर प्रदेश में संघ का सबसे कार्यालय बन गया है ।इस अवसर पर अपने उद्बोधन में संघ प्रमुख ने कहा था कि भारत आज दुनिया के प्रतिष्ठित और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। आज जो अपने आप को हिन्दू कहता है उसकी जवाबदेही बनती है। उससे यह पूछा जाएगा कि उसने भारत के लिए क्या किया। भारत में हिन्दू समाज को संगठित करने का काम संघ कर रहा है। संघ का काम उसके स्वयंसेवकों के बलबूते पर चलता है। संघ का स्वयं सेवक समाज से कुछ नहीं लेता। वह समाज के काम के लिए समाज से सहयोग लेता है। उक्त अवसर पर संघ प्रमुख ने प्रचारकों के साथ बैठक में कहा था कि संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है। इसमें खेत खलिहान बस्ती और शहर के हर पार्क में संघ की शाखा लगना चाहिए ताकि संघ की विचारधारा जन जन तक पहुंच सके।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

दैनिक पंचांग

17 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, मंगल केतु, चंद्र राहु; भाव ४, ५, ३, १२, २, १, ६, ७, ८, १०, ११)

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	सिंह में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.06 बजे से
कर्क	07.24 बजे से
सिंह	09.40 बजे से
कन्या	11.52 बजे से
तुला	14.03 बजे से
वृश्चिक	16.17 ब.से
धनु	18.33 बजे से
मकर	20.38 बजे से
कुंभ	22.25 बजे से
मीन	23.58 बजे से
मेष	01.28 बजे से
वृष	03.08 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 168 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 14.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 01.02 बजे रात्र को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 09.34 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.47 बजे तदनन्तर विष्टि 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872378
जूलियन दिन 2460843.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया		
काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अज्ञात ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत

साहिबगंज: साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन के चार नंबर लाइन पर सोमवार को एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है। रेल थाना पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं रेल पुलिस के अनुसार किसी मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत होने की आशंका जताया है।वहीं रेल पुलिस को शव की शिनाख्त के लिए कूछ भी बरामद नहीं हुआ है। इधर रेल थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह ने बताया कि यूडी केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही शव की शिनाख्त के लिए पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित 72 घण्टा रखा गया है।

आपसी विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट में आठ लोग घायल

राजमहल: थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के वार्ड नंबर एक महाजन टोली मोहल्ले में बीते रविवार को देर रात्रि दो पक्षों में आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो पक्षों से चार-चार लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार महाजन टोली निवासी पिंटू घोष 40 वर्षीय, छोटू घोष 40 वर्षीय, दीप कुमार घोष 9 वर्षीय, मालती घोष 61 वर्षीया, और दूसरे पक्ष के सुमिता घोष 60 वर्षीया, श्रीराम घोष 40 वर्षीय, राकेश यादव 35 वर्षीय, कालू घोष 18 वर्षीय, के बीच पुराने आपसी विवाद में कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया। जिसमें दोनों पक्षों से कुल आठ लोग घायल हो गया। सभी को अपने-अपने परिजनों के द्वारा रात्रि में ही अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल पिंटू घोष को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

रेलवे के लोहे चोरी के आरोप में दो को जेल

साहिबगंज: साहिबगंज आरपीएफ ने सोमवार को लोहा चोरी के आरोप में दो युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सर्वर ने बताया कि दोनो युवक राजमहल के सैय्यद बाजार के रहने वाला गोविंद मंडल(26) व जितेंद्र मंडल है। आरपीएफ के अनुसार नौ मई को रेलवे पटरी में लगे पेन्ड्रॉल क्लिप चोरी होने पर आरपीएफ में मामला दर्ज किया गया। इसी आधार पर आरपीएफ ने एक छापामारी दल गठित कर युवक की गिरफ्तारी के लिए जगह जगह छापामारी की है। गुप्त सूचना मिली तालझारी रेलवे साइडिंग में दोनो युवक घूम रहा है। वही दोनो युवक को रेलवे पुलिस पड़कर आगे की कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गर्मियों की छुट्टियों के बाद स्कूलों में लौटी रौनक

पूर्वी सिंहभूम : गर्मी छुट्टी के बाद शहर के सभी स्कूलों के खुलते ही रौनक लौट आई है। गर्मी की लम्बी छुट्टियों के बाद बच्चे नई ऊर्जा और उमंग के साथ स्कूल पहुंचे। पहले ही दिन स्कूल परिसरों में चहचहाहट और उत्साह का माहौल देखने को मिला। जमशेदपुर के तमाम शैक्षिक संस्थानों में आज फिर से चहल-पहल दिखाई दी। कड़ी धूप और गर्मी से राहत मिलने के बाद स्कूलों का दोबारा खुलना न सिर्फ छात्रों बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी उत्साहजनक रहा। बच्चे नए शैक्षिक सत्र की शुरूआत को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। उनके चेहरों पर नए दोस्तों से मिलने, नई किताबें पाने और कुछ नया सीखने की खुशी साफ झलक रही थी।

10 दिवसीय मेगा मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का हुआ शुभारंभ, डीसी ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहेट प्रखंड स्थित प्लस टू राज्य संपोषित दामिन उच्च विद्यालय परिसर आज दस दिवसीय मेगा मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का शुभारंभ किया गया। इस विशेष शिविर का उद्घाटन जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती एवं एसपी अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस शिविर का आयोजन जिला प्रशासन साहिबगंज, स्वास्थ्य विभाग एवं चेन्नई स्थित शंकर नेत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें निःशुल्क नेत्र जाँच और मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा दी जा रही है। इस अवसर पर डीसी हेमंत सती ने कहा कि यह विशेष शिविर जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले उन लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो आंखों की समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन संसाधनों के अभाव में उपचार नहीं करवा पा रहे हैं। नेत्र स्वास्थ्य हमारे जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा हुआ विषय है और प्रशासन का प्रयास है कि जरूरतमंदों तक यह सेवा निःशुल्क और सुलभ रूप में पहुँचे। उन्होंने लोगों से अपील की इस अवसर से न चूकें और अनिवार्य रूप से आंखों की जांच कराएं। एसपी अमित कुमार सिंह ने कहा कि अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग यह जान ही नहीं पाते कि उनकी आंखों में समस्या है। यह शिविर ऐसे लोगों के लिए वरदान साबित हो सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इस शिविर की जानकारी अपने आसपास के लोगों को देनी चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें। शिविर की विस्तृत जानकारी देते हुए सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया ने बताया कि देश के अग्रणी नेत्र चिकित्सा संस्थानों में से एक शंकर नेत्रालय, चेन्नई की विशेषज्ञ टीम इस शिविर में मौजूद है। उन्होंने बताया कि नेत्र जांच की प्रक्रिया 16 जून से 22 जून,2025 तक प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चलेगी। इसके पश्चात 20 जून से 24 जून,2025 के बीच मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जाएंगे। समस्त प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है, जिसमें ऑपरेशन, दवाएं एवं देखभाल की सुविधाएं शामिल हैं। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अरविंद चोपड़ा, सामाजिक संस्था बॉक्सा ट्रस्ट के संस्थापक सहित अनेक स्वास्थ्यकर्मी, स्वयंसेवी और आमजन उपस्थित थे। बॉक्सा ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे गांव-गांव जाकर प्रचार कर रहे हैं और लोगों को शिविर तक लाने में सहायता कर रहे हैं। शिविर के पहले ही दिन 200 लोगों ने अपनी नेत्र जांच करवाई और कई लाभार्थियों ने भविष्य में ऑपरेशन के लिए पंजीकरण भी करवाया। स्थानीय निवासी जो पिछले एक वर्ष से आंखों की समस्या से परेशान थे, ने बताया, हमें लगा था कि ऑपरेशन के लिए शहर जाना पड़ेगा, यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत है।

धरती आभा जनभागीदारी अभियान के तहत आधार कैम्प का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के धरती आभा जनभागीदारी अभियान तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले में व्यापक स्तर पर आधार कैम्प का आयोजन प्रारंभ किया गया है। यह अभियान जिले के 08 प्रखंडों के 39 पंचायतों में आरंभ हो चुका है, जिसका विस्तार आगामी 16 जून 2025 से 11 अगस्त 2025 तक जिले के कुल 162 पंचायतों में किया जाएगा।प्रत्येक पंचायत में पाँच दिनों तक चलने वाला यह कैम्प समाज के अंतिम व्यक्ति तक आधार पंजीकरण, सुधार एवं अपडेट की सुविधाएँ पहुँचाने हेतु समर्पित है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से जनजातीय एवं हाशिए पर रह रहे समुदायों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। इस अभियान को सफल बनाने हेतु जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पोस्टल बैंक मैनेजर एवं जिला परियोजना पदाधिकारी की उपस्थिति में सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका एवं पंचायत सचिव समन्वय कर रहे हैं। कैम्प में नागरिकों को आधार सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। जिला प्रशासन का यह प्रयास सबका साथ, सबका विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है।

तालाब में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

राजमहल : राधानगर थाना क्षेत्र के रजक टोला उधवा में सोमवार को नहाने के दौरान तालाब में डूबने से एक युवक का मौत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार तूफान प्रमाणिक 25 वर्षीय सुबह लगभग 8:00 बजे घर से कुछ दूरी पर तालाब में नहाने गया था, तभी कुछ देर के बाद किसी तरह वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। तभी घाट पर नहा रहे अन्य लोगों की नजर उस पर पड़ी जिसकी सूचना परिजनों को दिया तभी परिजनों एवं ग्रामीणों के द्वारा काफी खोजबीन के बाद उक्त युवक को तालाब से निकाला गया। जिसे इलाज के लिए आनन फानन में अनुमंडल अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच करने के उपरांत उक्त युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि तूफान को तैरना नहीं आता था। घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना के एएसआई दीवान कुमार निर्मल दलबल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। मृतक तूफान प्रमाणिक बिहार का रहने वाला था बचपन में ही माता-पिता गुजर जाने के बाद नानी के पास ही रहता था। नहाने से जाने के पूर्व नानी को बोलकर गया था कि चाय बनाओ नहा कर तुरंत आकर पीते हैं,लेकिन दोबारा तूफान चाय पीने के लिए वापस घर नहीं आया। यही कहकर उसकी नानी सावित्री देव बार-बार रो-रो कर बेहोश हो रही थी।

वन विभाग ने 17 बोटा सखुआ लकड़ी के साथ पिकअप वैन किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : वन विभाग साहिबगंज द्वारा अवैध लकड़ी तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गुप्त सूचना के आधार पर रविवार रात्रि गश्ती के दौरान वन विभाग की टीम ने एक पिकअप वैन को 17 बोटा सखुआ लकड़ी के साथ जब्त कीया। वाहन को साहिबगंज आईटीआई कॉलेज के पास रोका गया, जहाँ पर उक्त लकड़ियाँ बिना वैध दस्तावेज के साथ लदी हुई पाई गई। यह कार्रवाई उपवन परिसर पदाधिकारी अंकित झा के नेतृत्व में की गई। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने कहा, ₹वन विभाग प्राकृतिक संपदा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। लकड़ी की अवैध तस्करी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में उपवन परिसर पदाधिकारी अंकित झा के साथ गृह रक्षक चंदन कुमार, एवं अन्य वनकर्मी भी मौजूद रहे।

डाक बंगला परिसर में भाजपा की विकसित भारत संकल्प सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा डाक बंगला परिसर में सोमवार को भाजपा पटमदा मंडल की ओर से मंडल अध्यक्ष बासुदेव मंडल की अध्यक्षता में पीएम नरेंद्र मोदी की 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारत संकल्प सभा का आयोजन किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विद्युत वरन महतो शामिल हुए। सभा का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। संबोधित में सांसद विद्युत वरन महतो ने कहा कि देश में कांग्रेस सरकार ने जो में लंबे कार्यकाल में नहीं किया । पीएम नरेंद्र मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने पूरे देश में 81 करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ दे रहे हैं। जिसमें 2 करोड़ 60 लाख झारखंड के लोगों को मिल रहा है। देश में 4 करोड़ पक्का मकान बनाए गए हैं। जिसमें 18 लाख 50 हजार झारखंड के गरीबों को लाभ मिला है। इसी तरह हर घर नल योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम किसान निधि, पीएम फसल बीमा योजना आदि शामिल हैं। इस दौरान सभी कार्यकताओं ने विकसित भारत का संकल्प भी लिया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रदीप बेसरा, संदीप मिश्रा, पटमदा मंडल अध्यक्ष बासुदेव मंडल,निरंजन रजक, विमल मंडल, अजय प्रमाणिक, बंकिम महतो, रेवती महतो, राजेंद्र कुंभकार, देवेंद्र कुंभकार, शरद सिंह, सोना रतन सिंह, आकुल दत्त आदि उपस्थित थे।

मतदान केंद्रों के जिओ फेंसिंग को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मतदान केंद्रों के जिओ फेंसिंग को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग झारखंड रांची से प्राप्त निर्देश के आलोक में मतदान केंद्रों का जिओ फेंसिंग किया जाना है। इसे लेकर निर्धारित प्रक्रिया की विस्तार से सभी को उप निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा सभी को जानकारी दी गयी। बैठक के दौरान पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी को जिओ फेंसिंग के तहत किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के द्वारा सभी को बैठक के दौरान बताई जाने वाली बातों को ध्यानपूर्वक सुनने एवं किए जाने वाले कार्यों को अच्छी तरह समझ लेने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने किसी प्रकार की कोई दुविधा होने पर त्वरित उसे अधिकारियों से समन्वय कर दूर कर लेने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी रामगढ़, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी बड़कागांव, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर्स, कंप्यूटर ऑपरेटरों सहित अन्य उपस्थित थे।

डीसी की अध्यक्षता में तंबाकू नियंत्रण को लेकर हुई बैठक

रामगढ़ : उपायुक्त-सह अध्यक्ष जिला तंबाकू नियंत्रण समन्वय समिति फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता मे सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में त्रिस्तरीय छापेमार दस्ता के बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरूवात जिला नोडल पदाधिकारी डॉ तूलिका रानी ने किया और बताया की तंबाकू नियंत्रण हेतु जिले मे जागरूकता कार्यक्रम स्कूल, कॉलेज एवं पंचायत के स्तर पर किए जा रहे है क्यों की स्कूल के बच्चों को ही तंबाकू कंपनियां अपना शिकार बना रही है। जिसके उपरांत जिला परामर्शी बिनय शर्मा ने जिले मे गठित छापेमार दस्ता के बारे मे बताया। उपायुक्त ने त्रिस्तरीय छापेमार दस्ता को उडळढअ,2003 के उलँघन अर्थात सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान, किसी भी सरकारी कार्यालय मे तंबाकू के उपयोग पर कारवाई, तंबाकू के प्रचार प्रसार, तम्बाकू पदार्थ दुकान के सामने रखकर बेचने के विरुद्ध कारवाई करने का निदेश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला नोडल पदाधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, उपाधीक्षक सदर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अस्पताल, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, औषधि निरीक्षक सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पॉलिटेक्निक कॉलेज में नशा मुक्ति व सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

पाकुड़ : जिले में सदर प्रखंड स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज पाकुड़ में सोमवार को जिला प्रशासन के द्वारा नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज को गहरी चोट पहुंचाता है। उपायुक्त ने छात्र -छात्राओं से अपील किया कि नशीली चीजों से दूर रहते हुए अपने घर से ही नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत करें। अपने अभिभावकों तथा आसपास के समाज के लोगों को नशा से दूर रहने की सलाह दें। इसके अलावा उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। हेलमेट पहनने, शराब पीकर वाहन न चलाने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने हेतु प्रेरित किया।

श्री परशुराम अखाड़ा ने शहीद कुंदन ओझा की पुण्यतिथि मनाई

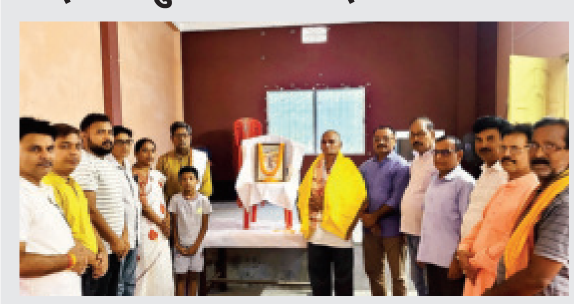

साहिबगंज: बांझी रोड़ स्थित एनआरपी सेंटर विद्यायल में सोमवार को गलवान घाटी में 16 जून 2020 को चीनी सैनिकों के साथ हुए हिंसक झड़प में वीरगति को प्राप्त होने वाले साहिबगंज के वीर सपूत कुंदन ओझा का शहादत दिवस व पांचवीं पुण्यतिथि मनाई गई। श्री परशुराम अखाड़ा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सबसे पहले शहिद कुंदन ओझा की चित्र पर माल्यार्पण एवं उन्हें पुष्प अर्पित कर सभी उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि सुमन अर्पित कर नमन किया। इस कार्यक्रम में आए हुए शहीद कुंदन ओझा के पिता रवि शंकर ओझा को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। भगवती रंजन पांडे, सुबोध झा एवं ज्योति मिश्रा ने शहिद की वीरगाथा को अपने काव्य के रूप में लोगों के बीच व्यक्त किया। अखाड़ा युवा संयोजक अंकित पांडे ने कहा कि शहीद कुंदन ओझा को किसी कार्यक्रम तक सीमित नहीं करना है इनके बारे में विद्यालय के पाठ्यक्रमों में जोड़ा जाए। अखाड़ा प्रमुख राजीव ओझा ने कहा कि जल्द ही शहिद कुंदन ओझा के घर के सामने शहिद कुंदन द्वार बनाया जाएगा। उपस्थित सभी लोगों ने अपनी बातों से शहिद की वीर गाथा सुनाई। इस मौके पर राजीव ओझा, सच्चिदानंद मिश्रा, अंकित पाण्डेय, मनोज झा, बचन कुमार पाठक, श्रीकांत ओझा, मनोज दुबे, परमानंद उपाध्याय, संजीत, वेद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कोल्ड ड्रिंक लोड पिकअप वाहन पलटा, धक्का लगने से मोटरसाइकिल हुआ क्षतिग्रस्त

बरहेट: सोमवार के अपराह्न बरहेट- बोरियो मुख्य सड़क में बाबूपुर गाँव के पास कोल्ड ड्रिंक से लदा एक पिकअप वाहन असंतुलित होकर पलट गया इस दौरान एक मोटरसाइकिल को क्षति पहुँची है। घटना में पिकअप वाहन पर लदा कोल्ड ड्रिंक नीचे गिर पड़ा जिससे आसपास के कुछ लोग कोल्ड ड्रिंक लेकर भागते नजर आए। वहीं जानकारी मिलने के बाद बरहेट थाना के सहायक अवर निरीक्षक अशोक सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे तथा आवश्यक कार्रवाई में जुट गए। घटना के संबंध में बताया गया कि बरहेट से बोरियो की ओर आ रहा बोलोरो पिकअप वाहन जेएच 01 सीएन 6618 और जितेंद्र कुमार दत्ता का एक होंडा साइन मोटरसाइकिल जेएच 18 डी 4507 जो पंचकठिया से बरहेट की ओर आ रहा था, जहां बाबूपुर गाँव के पास पिकअप वाहन का संतुलन बिगड़ जाने पर वाहन मोटरसाइकिल से टकरा गया जिसमें मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन पलट गई। घटना के बाद पिकअप वाहन का चालक और उपचालक मौके से फरार हो गया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है।

एस एन शर्मा मेमोरियल प्रीमियर लीग में लक्ष्मण लाइन्स ने चार विकेट से जीत दर्ज की

कोडरमा : कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले जा रहे हैं एस एन शर्मा मेमोरियल कोडरमा प्रीमियर लीग में सोमवार को झुमरी तिलैया स्थित सी एच हाई स्कूल मैदान में दो मैच खेले गए। पहला मैच लक्ष्मण लाइंस और कोडरमा स्पोर्टिंग के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोडरमा स्पोर्टिंग की टीम ने आठ विकेट के नुकसान पर 144 रन बनाये, जिसमें आनंद यादव ने 72 रन प्रथम ने 21 रन और नवनीत ने 17 का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए लक्ष्मण लाइंस की ओर से बासुकीनाथ और विकास ने दो-दो विकेट और आकाश तथा कुमार हेमंत ने एक-एक विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी लक्ष्मण लाइंस की टीम ने 19.4 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली। जिसमें विकास यादव ने 49 रन और अमन ने 47 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए कोडरमा स्पोर्टिंग की ओर से निरंजन ने तीन विकेट तथा नवनीत सौरव और आनंद ने एक-एक विकेट लिए। वहीं दूसरा मैच एक्सीलेंट किंग्स इलेवन और जेनिज ग्लेडिएटर्स के बीच खेला गया एक्सीलेंट किंग्स11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए।

सोलर सेक्टर में काम करेगी कंपनी, कल रहेगी निवेशकों की नजर, 45 पैसे का है शेयर

मुंबई। पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2 प्रतिशत से अधिक टूट गए और 0.45 रुपये पर पहुंच गए थे। दरअसल, कंपनी ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी सोलर एनर्जी और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करेगी, जिससे इस क्षेत्र में कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी।

क्या है डिटेल

नासिक स्थित इंफ्रास्ट्रक्चर और ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) सेवा फर्म ने 14 जून को घोषणा की कि उसने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया है। केबीसी ग्लोबल ने कहा,बोर्ड मेंबर ने 13 जून, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में इस कदम को मंजूरी दे दी। नई कंपनी सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो स्थिरता और हरित प्रौद्योगिकी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप होगी। कंपनी ने आगे बताया कि धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड रिन्यूएबल एनर्जी मॉड्यूल, सेल और सहायक उपकरण के निर्माण, डिजाइन, विकास और सुधार सहित कई तरह की गतिविधियों में शामिल होगी। इसमें अनुसंधान, व्यापार, खरीद, बिक्री, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, वितरण, आयात, निर्यात, संयोजन, निर्माण, मरम्मत, रखरखाव, परिवर्तन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं और हाइब्रिड सिस्टम का संचालन शामिल है जो सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी को अक्षय ऊर्जा के अन्य रूपों के साथ जोड़ते हैं - जिसका उद्देश्य सोलर एनर्जी परियोजनाओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करना है। कंपनी बुनियादी ढांचे और ईपीसी परियोजनाओं पर फोकस करने और बाजार में अपने ब्रांड को फिर से स्थापित करने के लिए रणनीतिक बदलाव के हिस्से के रूप में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड से धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड में रीब्रांडिंग कर रही है। फरवरी 2024 में, निदेशक मंडल ने 260 करोड़ के ऑर्डर बुक साइज के साथ शेयरधारकों को 1=1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी।

केबीसी ग्लोबल शेयर

जून में अब तक पेनी स्टॉक में लगभग 22 प्रतिशत की उछाल आई है और ऐसा लगता है कि यह सात महीने की गिरावट के अपने सिलसिले को तोड़ने वाला है। पिछले साल भर में, स्टॉक में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है, पिछले साल 7 नवंबर को 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1.28 और इस साल 13 मई को 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर 0.34 पर पहुंच गया।

निवेशकों को तगड़ा झटका!

एसबीआई ने इस एफडी की ब्याज दर पर चलाई कैंची

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत वृष्टि स्पेशल एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में कटौती कर दी है, जिससे फिक्स्ड डिपॉजिट करने वाले निवेशकों को झटका लगा है। नई ब्याज दरें 15 जून 2025 से लागू होंगी। हालांकि, अन्य सामान्य एफडी योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कितना घटा ब्याज

अमृत वृष्टि योजना में 444 दिनों की अवधि के लिए अब ब्याज दर 6.85 प्रतिशत से घटाकर 6.60 प्रतिशत कर दी गई है। यह कटौती 25 बेसिस प्वाइंट की गई है।

सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजन के लिए क्या है नई दर- सीनियर सिटीजन (60 वर्ष या उससे अधिक) को अब 7.10 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष या उससे अधिक) को 7.20 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जिसमें 10 बीपीएस का अतिरिक्त लाभ शामिल है।

समय से पहले एफडी तोड़ने पर पेनल्टी- 5 लाख रुपए तक की एफडी- समय से पहले तोड़ने पर 0.50 प्रतिशत जुर्माना। 5 लाख से 3 करोड़ रुपए तक की एफडी- तोड़ने पर 1 प्रतिशत जुर्माना।

ब्याज दरों में कटौती का कारण

हाल ही में आरबीआई की जून नीति बैठक में रेपो रेट में 50 बीपीएस की कटौती की गई थी।

कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर, नेट प्रॉफिट में 316 प्रतिशत उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट मीटरिंग कंपनी जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने शेयर बाजार में बीते कुछ सालों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। इस कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत का वर्क ऑर्डर है। अगले 3 से 4 महीने में तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और वेस्ट बंगाल में 27,300 करोड़ रुपये का टेंडर खुलने जा रहा है। बता दें, इस कंपनी के प्रदर्शन को लेकर 2-2 एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों पर नजर रखने वाले 2 एक्सपर्ट्स ने रेटिंग दी है। दोनों ब्रोकर ने इस स्टॉक को ब्रुक्ष टैग दिया है। बता दें, इस कंपनी की वित्तीय स्थिति भी काफी मजबूत है।

कंपनी का रेवन्यू कितना रहा है- जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का रेवन्यू मार्च तिमाही के दौरान 937 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 420 करोड़ रुपये रहा था। यानी रेवन्यू के मोर्चे पर 123.10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 316.13 प्रतिशत बढ़ा है। जोकि एक वित्त वर्ष पहले इसी तिमाही में यह 31 करोड़ रुपये रहा है। बता दें, जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 129 करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन बीते एक साल में कैसा रहा

शुक्रवार को जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर 3.88 प्रतिशत की गिरावट के बाद 370.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। महज एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। वहीं, 2 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 256 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 5 साल में इस कंपनी ने 1833 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

स्पाइसजेट का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में तीन गुना होकर 325 करोड़ रुपए पर

मुंबई, एजेंसी। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात एकल मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 119 करोड़ रुपए था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपए रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपए से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपए हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपए रह गया।

अमेजन के जेफ बेजोस की जगह इस बिजनेसमैन ने ली

बने दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, 1 दिन में 26 बिलियन जोड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति नहीं रह गए। लैरी एलिसन ने गुरुवार को अपने नेटवर्थ में 26 बिलियन डॉलर जोड़े हैं। जोकि किसी भी अरबपति के द्वारा एक दिन में जोड़ा गया सबसे अधिक पैसा है। जिसके बाद 12 जून को उनकी नेट वर्थ 243 बिलियन डॉलर हो गई है। वही, अमेजन के चेयरमैन जेफ बेजोस की नेटवर्थ 227 बिलियन डॉलर है। बता दें, जेफ बेजोस ने 8 साल के बाद अरबपतियों की लिस्ट में दूसरे स्थान को गंवाया है। जेफ बेजोस इस समय मेटा के चेयरमैन मार्क जुकरबर्ग (239 बिलियन) से भी पिछड़ गए हैं। बता दें, अरबपतियों की लिस्ट में नंबर एक स्थान पर इस समय भी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क काबिज हैं। उनकी नेटवर्थ 407 बिलियन डॉलर है। एलिसन की संपति में इजाफा ओरेकल के शानदार प्रदर्शन की वजह से हुआ है। मई में समाप्त हुए तिमाही में ओरेकल का नेट प्रॉफिट और रेवन्यू मार्केट के अनुमान के मुताबिक रहा है। जिसकी वजह कंपनी के शेयरों का भाव पहली बार 200 डॉलर को क्रॉस कर गया। जिसका फायदा एलिसन को भी मिला है। फॉर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार ओरेकल के शेयरों की कीमतों में बुधवार को 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। कंपनी की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार अर्निंग पर शेयर 1.70 डॉलर पहुंच गया है। वही, सेल्स 15.9 बिलियन डॉलर रहा है।

जेफ बेजोस कब बने थे दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति- अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस 2017 में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। तब उनका नेटवर्थ 75.6 बिलियन डॉलर पहुंच गया था।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड (कंपनी), जो विभिन्न क्षेत्रों के निर्माताओं के लिए पूरी तरह से स्वचालित रोबोटिक लाइनों और कस्टम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का डिज़ाइन और निर्माण करती है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश सोमवार, 16 जून 2025 को लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इस इश्यू के माध्यम से 69.61 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इस इश्यू के तहत कंपनी 58,00,800 इक्विटी शेयर 10 के फेस वैल्यू पर, प्राइस बैंड 114 से 120 प्रति शेयर के बीच जारी करेगी।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा- नई विनिर्माण सुविधा की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ ऋणों का पुनर्भुगतान, और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताएं।

इस इश्यू के लिए एंकर निवेश की प्रक्रिया 13 जून 2025 को खुलेगी और इश्यू 18 जून 2025 को बंद होगा।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज पाटिल ने कहा, इस पब्लिक ऑफरिंग के साथ हम अपनी विकास यात्रा में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य पटिल ऑटोमेशन को कस्टमाइज्ड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स के अग्रणी प्रदाता के रूप में और मजबूत करना है। हमने उच्च गुणवत्ता वाले, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए ऑटोमेशन सिस्टम लगातार डिलीवर कर देश के प्रमुख आइएमएस और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स के साथ मजबूत साझेदारियाँ विकसित की हैं। आज हम 10 राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति और लगातार मिल रहे रिपीट ऑर्डर्स के माध्यम से अपने समाधान की विश्वसनीयता और ग्राहक प्रतिबद्धता को सिद्ध कर चुके हैं। यह आगामी आईपीओ हमारे दीर्घकालिक विज़न का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे प्राप्त पूंजी का उपयोग हम एक नई मैन्युफैक्चरिंग सुविधा की स्थापना के लिए करेंगे, जिससे हम विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन और डिफेंस सेगमेंट में बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे। साथ ही, यह हमारे भविष्य के विकास को वित्तीय मजबूती प्रदान करेगा।

श्री गौतम लाठ, निदेशक, सीरीन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, हमें पाटील ऑटोमेशन लिमिटेड के आईपीओ में लीड मैनेजर के रूप में जुड़कर खुशी हो रही है। कंपनी ने औद्योगिक ऑटोमेशन क्षेत्र में ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए व्यावहारिक और कस्टमाइज्ड समाधान प्रदान करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है।

उद्योगों में बढ़ती दक्षता और तकनीक अपनाने पर जोर के साथ ऑटोमेशन की मांग लगातार बढ़ रही है। पाटील ऑटोमेशन अपनी वर्तमान क्षमताओं और अनुभव के साथ इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमें विश्वास है कि इस आईपीओ से मिलने वाली राशि कंपनी को अपने विनिर्माण ढांचे के विस्तार और नए उभरते क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने में सहायता करेगी।

5 टुकड़ों में बंट जाएगा स्मॉल कैप स्टॉक, रिकॉर्ड डेट इसी महीने, कीमत 50 रुपये से कम

नईदिल्ली, एजेंसी। लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक का भाव 50 रुपये से कम का है। आइए विस्तार से जानते हैं इस स्टॉक के विषय में -

10 टुकड़ों में बांटा जाएगा- लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया गया है। 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर की फेस वैल्यू 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने 24 जून 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों में बंटवारा हो जाएगा।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा- शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 21.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 29 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों का भाव 12.22 नीचे गिरा है। सेंसेक्स इंडेक्स में इस दौरान 5.61 प्रतिशत की उछाल देखन को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 26.72 रुपये और 52 वीक लो लेवल 11.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 57.69 करोड़ रुपये का है। 2 साल

आकाश भोपाल के ठाकुर आर्यमन सिंह की नीट यूजी 2025 में ऑल इंडिया रैंक 568

भोपाल। देशभर में परीक्षा की तैयारी कराने वाली अग्रणी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्वपूर्वक घोषणा की है कि भोपाल शाखा के 5 छात्रों ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष रैंक प्राप्त की है।

यह उत्कृष्ट उपलब्धि छात्रों की निष्ठा, शैक्षणिक अनुशासन और एइएसएल द्वारा प्रदान किए गए विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा परिणाम कल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए। भोपाल शाखा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हैं- ठाकुर आर्यमन सिंह - ऑल इंडिया रैंक 568 विशिष्ठ यादव एआइआर 1709, आस्था चौधरी एआइआर 2519, अनुष्ठा सिंह एआइआर 2629, मनमीत कौर मोंगा एआइआर 2900, ये छात्र एइएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एइएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, स्पष्ट वैचारिक समझ और नियमित एवं अनुशासित अध्ययन पद्धति को दिया। छात्रों ने कहा-हम आकाश के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हमारी इस यात्रा में हर कदम पर मार्गदर्शन किया। संगठित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम और व्यक्तिगत मेंटरशिप ने जटिल विषयों को समझना आसान बना दिया।

एइएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। एइएसएल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच.आर. राव ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा- नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की उत्कृष्ट सफलता पर हमें अत्यधिक गर्व है। इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना कोई साधारण बात नहीं है, विशेष रूप से तब जब इसमें देशभर से लाखों छात्र भाग लेते हैं। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत और दृढ़ संकल्प का, बल्कि उनके अभिभावकों के सहयोग और हमारी अकादमिक टीम की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण हैं। हम इन सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल चिकित्सा करियर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

800 प्रतिशत रिटर्न देने वाले स्टॉक को 5 हिस्सों में हो रहा बंटवारा

69.30 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जाएगा। कंपनी वारंट्स के जरिए 69.30 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। कंपनी ने ईजीएम आज 11 जुलाई 2025 को होगी। इसी में अप्रूवल किया जाएगा। आइए डीटेल्स में जानते हैं -

5 हिस्सों में बंट रहा है स्टॉक - केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। जल्द ही कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया जाएगा।

2018 में कंपनी ने दिया था बोनस शेयर- केलटॉन टेक सॉल्यूशंस ने 2018 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। 2021 में इस कंपनी ने बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 पैसे का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में बीता एक साल कैसा रहा है- शुक्रवार को केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का भाव 2.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 130.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था बीते एक हफ्ते में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.96 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 28 प्रतिशत का फायदा हुआ है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 5.61 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 184.30 रुपये और 52 वीक लो लेवल 95.05 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1274.51 करोड़ रुपये का है।

5 साल में केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों की कीमतों में 800 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 206 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

भूपतिपुर से पुनपुन एलिवेटेड सड़क का सी.एम ने किया उदघाट्न

सिपारा से पुनपुन आना-जाना आसान, जाम से मिलेगी मुक्ति, 1400 करोड़ रुपए में हुआ निर्माण

पटना। के सिपारा से पुनपुन जाना अब आसान हो गया है। मीठापुर-महुली-पुनपुन परियोजना के तहत भूपतिपुर से पुनपुन तक एलिवेटेड सह-एटग्रेड सड़क का लोकार्पण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है। इसके निर्माण पर 1400 करोड़ की लागत आई है। इस सड़क से राजधानी के दक्षिणी इलाके में रहने वाले लाखों लोगों को यातायात में काफी सहूलियत होगी। साथ ही दक्षिण बिहार के जिलों जहानाबाद, अरवल, बिहारशरीफ और गया आना-जाना भी आसान हो जाएगा।

तय समय में पूरा हुआ काम : पथ निर्माण मंत्री पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह बिहारवासियों को सी.एम की सौगात है। पहले यहां से पुनपुन जाने में 50 मिनट लगता था। अब 10 मिनट में पहुंच जाएंगे। जहानाबाद, गया और रांची जाने में भी आसानी होगी। पटना से आने-जाने में भी आसानी होगी। जाम में नहीं फंसना होगा। तय समय में काम भी पुरा हुआ है। जाम से मुक्ति मिलेगी : डिप्टी डिप्टी सी.एम विजय सिन्हा ने कहा कि यह राजधानी के लिए वरदान है। गया जाने में आसानी होगी। राजधानी में भी आने-जाने में आसानी होगी। जाम से मुक्ति मिलेगी। सी.एम और PM के इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में किया जाने वाला यह काम आने वाले दिनों में बिहार के प्रगति के लिए एक मजबूत नींव के ईंट के रूप में याद किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहा है कि इससे आने-जाने में आसानी होगी। जाम से राहत मिलेगी। पहले यहां सड़क पर कीचड़ भी जमा हो जाता था।अब सिपारा से महुली की दूरी 6 मिनट में पूरी होगी। सिपारा-महुली एलिवेटेड रोड पर लोग भूपतिपुर के पास बने रैंप से जा सकेंगे। सोमवार को उद्घाटन समरोह में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा मौजूद रहें। अध्यक्षता पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने किया। मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य दो फेज में चल रहा है। पहला फेज सिपारा से महुली तक है। फेज-1 का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसका उद्घाटन हो गया है। मीठापुर से सिपारा तक संरचना में काफी बदलाव होने के कारण मीठापुर-सिपारा महुली-पुनपुन पथ परियोजना (फेज-2) का भी प्रावधान किया गया है। फेज-2 में मीठापुर से सिपारा तक की दूरी जो करीब 2.10 किलोमीटर है, इस पर एलिवेटेड सड़क का निर्माण किया गया है। हीं महुली से पुनपुन तक कुल 2.20 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए फोरलेन सड़क का भी प्रावधान किया गया है। पथ निर्माण विभाग के अनुसार मीठापुर से सिपारा तक एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

टायर फटने के बाद पिकअप पलटी, 5 की मौत

सारण। में सोमवार की सुबह सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और एक बच्चा है। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। दोनों को पटना रेफर किया गया है। हादसा छपरा-हाजीपुर NH-19 पर हुआ। नयागांव थाना क्षेत्र के बाजितपुर फोरलेन पर पिकअप वैन पलट गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की स्पीड ज्यादा थी। बाजितपुर के पास अचानक पिकअप का एक चक्का ब्लास्ट कर गया, जिससे गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। सभी लोग दिघवारा से मक्का लोड कर हाजीपुर उसे भुनवाने जा रहे थे। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को सोनपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। घटनास्थल पर मक्के के बोरे बिखरे पड़े थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। प्रशासन घायलों के

इलाज की व्यवस्था कर रहा है। मृतकों की पहचान सारण जिले के दिघवारा निवासी राज कुमार पंडित की पत्नी अंजू देवी (48), राजू बैठा की पत्नी राधिका देवी (50), श्रवण राम के बेटे सोनू कुमार (23), पंचूराम की बेटी राजलक्ष्मी कुमारी (15), रामबाबू राम का 7 साल का बेटा शिवम कुमार शामिल हैं। गोपालगंज में बेकाबू ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में सुप्रीम कोर्ट के वकील की मौत हो गई। घटना जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास की है। मृतक की पहचान पुणे निवासी पवन प्रकाश पाठक(32) के रूप में हुई है।उनकी पत्नी ऋचा शांडिल्य और कार चालक अखिलेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

रोहतास में जमीन विवाद में महिला से मारपीट

रोहतास। के अगरेर थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में जमीन विवाद को लेकर एक महिला के साथ रविवार की रात मारपीट हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अब इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जिला पार्षद सदस्य मेलू मिश्रा समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना प्रमिला देवी नामक महिला के साथ हुई थी, जिसमें उसे लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा गया। वायरल वीडियो के आधार पर महिला के आवेदन पर पुलिस ने गोलीबारी और मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई की।

मामले में पीड़ित युवक शिवकुमार ने बताया कि साल 2014 से ही जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। विरोधी बार-बार जमीन पर आकर दावा कर रहे थे। रविवार को भी कुछ लोग आए और अचानक मेरी मां को मारने लगे, जिसका मैंने वीडियो भी बना लिया। इस दौरान उन लोगों ने मेरी मां और मुझे लाठी डंडों से जमकर पिटाई की। घटना को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर हमला सूत्रों के अनुसार, जब पुलिस की टीम धर्मपुरा थाना क्षेत्र के सिसरिता गांव में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पहुंची, तो कुछ ग्रामीणों ने पुलिस का विरोध किया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी दिलीप तिवारी घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। हालांकि, विरोध के बावजूद पुलिस ने आठ आरोपियों को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वीडियो में दिखे सभी आरोपी गिरफ्ताररोहतास के एसपी रौशन कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वायरल वीडियो अगरेर थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव का है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि जमीन विवाद को लेकर महिला की संगठित रूप से पिटाई की गई थी। उन्होंने बताया कि पीड़िता प्रमिला देवी के आवेदन पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और नामजद आठों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जिला पार्षद बोले- फंसाया जा रहा है उधर, गिरफ्तार जिला पार्षद मेलू मिश्रा ने कोर्ट में पेशी के दौरान खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें जानबूझकर इस मामले में फंसा रही है।मेलू मिश्रा ने कहा, ₹इस घटना से मेरा कोई संबंध नहीं है। मुख्य आरोपी रामजी मिश्रा से भी मेरा वर्षों से कोई संपर्क नहीं है। यह सब मेरी राजनीतिक छवि खराब करने की साजिश है। पुलिस ने बताया कि जब हमलोग मेलु मिश्रा के घर पर छापेमारी करने पहुंचे तो उसके घर से पत्थरबाजी होने लगा था। इसमें एक पुलिसकर्मी दिलीप तिवारी घायल भी हो गए थे। पुलिस की सख्ती से गांव में तनाव घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ने कहा है कि वीडियो फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर आगे और की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

पीएचसी में मरीज की मौत के बाद नहीं मिली एंबुलें

पूर्णिया। के जलालगढ़ पीएचसी में लापरवाही का मामला सामने आया है। मरीज की मौत के बाद अस्पताल से घर शव लेने जाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं मिला। जिसके बाद परिजन 10 किलोमीटर दूर घर तक डेड बॉडी बाइक से ले गए।

परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर से शव वाहन मांगा था, लेकिन उन्होंने देने से साफ इनकार कर दिया। इस मामले को सीएस डॉ. प्रमोद कुमार कनौजिया ने गंभीर बताया है। जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।दरअसल, पिपरपति नया टोला वार्ड-14 के विकास कुमार साह(24) रविवार को मवेशी लाने के लिए प्राण नदी के किनारे गया था। इस दौरान पैर फिसलने से वो गहरे पानी में चला गया। स्थानीय गोताखोरों ने घंटों मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। परिजन आनन-फानन में पीएचसी लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मजबूरी में बाइक से जाना पड़ा मृतक की मां शोभा देवी ने बताया कि जवान बेटा की मौत से पूरा परिवार सदमें में था। बेटे की लाश ले जाने के लिए सरकारी एंबुलेंस का इंतजार कर रहे थे। काफी समय बीतने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद परिवार के सदस्य डॉक्टर के पास गए, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। अस्पताल कैंपस में गाड़ी थी, फिर भी नहीं दिया। मजबूरी में 10 किलोमीटर तक बाइक से लेकर गए।

परिजनों ने वाहन नहीं मांगा

इस मामले में पीएचसी प्रभारी डॉ. तनवीर हैदर का कहना है कि परिजनों की ओर से एंबुलेंस मांगे जाने की जानकारी नहीं है। अगर ड्राइवर से एंबुलेंस की मांग की गई थी तो उसे जाना चाहिए था। शव ले जाने के लिए पूर्णिया से शव वाहन मंगवाना पड़ता है। अगर जानकारी होती तो जरूर वाहन उपलब्ध करवाता। सीएस ने जांच की बात कही डसीएस डॉ. प्रमोद कुमार कनौजिया ने कहा कि अस्पताल से लाश ले जाने के लिए शव वाहन का प्रयोग किया जाता है। जिले में दो शव वाहन उपलब्ध है, दोनों ऋटउल्ह में है। पोस्टमार्टम तक नहीं कराया गया है। वाहन क्यों नहीं उपलब्ध कराई गई, ये जांच का विषय है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से गृहिणी की गई जान

सहरसा। -सुपौल मुख्य मार्ग पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में उषा देवी(35) की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग को 2 घंटे तक जाम कर दिया। इस कारण करीब 2 घंटे के लिए यातायात पूरी तरह ठप रही। मृतका की पहचान बिहरा थाना क्षेत्र के तुलसीयाही गांव वार्ड नंबर 3 निवासी रंजीत राम की पत्नी के रूप में हुई है। उषा देवी सड़क पार कर रही थीं, तभी सुपौल की ओर से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई।टक्कर के बाद तेज रफ्तार में चल रही स्कॉर्पियो सड़क किनारे पलट गई। गाड़ी में सवार सभी लोग मौके से फरार हो गए, लेकिन चालक को स्थानीय लोगों ने

पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। परिवार में पांच बच्चे मृतका उषा देवी अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियों को छोड़ गई हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर स्पीड कंट्रोल के उपाय और ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

पुलिस कर रही समझाने की कोशिश घटना की जानकारी मिलते ही बिहरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क जाम हटाने की कोशिशें शुरू की।

91 साल बाद भी बावड़ी को नहीं बनाया गया

पटना। राजधानी पटना से 15 किलोमीटर की दूरी पर सबलपुर गांव है। यहां स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना बावड़ी (कुआं) है। राजस्थान की भव्य बावड़ियों की याद दिलाने वाला यह सात मंजिला अजूबा है। विष्णु मंदिर के ठीक सामने स्थित है। थानीय लोगों और इतिहासकारों के अनुसार यह कुआं कभी शाही शानो-शौकत का प्रतीक था। इसकी सात मंजिलें हैं। नीचे के तल तक जाने के लिए सीढ़ियां बनी हुई हैं, जो इसे एक सामान्य कुएं से कहीं अधिक भव्य बनाती हैं। बावली के ठीक बगल में एक कमरे जैसी संरचना है, जहां से इस विशाल कुएं के अंदर प्रवेश करने का रास्ता है। बताया जाता है कि कभी लोग इसकी सातों मंजिल तक नीचे उतर सकते थे, लेकिन वर्ष 1934 के विनाशकारी भूकंप ने इसके स्वरूप को काफी हद तक बदल दिया।भूकंप के कारण कुएं के बगल की जमीन धंस जाने से नीचे की चार मंजिलों का रास्ता बंद हो गया है। भूकंप के बाद तीसरी मंजिल तक लोग पहुंच पाते थे। लेकिन, अब इसे मिट्टी भरकर बंद कर दिया गया है। नतीजतन, अब लोग केवल दूसरी मंजिल तक ही पहुंच पाते हैं। हालांकि, इसके बाद भी बावली का आंतरिक सौंदर्य और भव्यता आज भी देखने लायक है। कुएं के हर मंजिल के दीवार पर चारों ओर खूबसूरती से डिजाइन किए गए झरोखे बने हैं, जो इसकी शाही विरासत को दर्शाते हैं। कुएं के अंदर और बाहर भी फूल की आकृति की तरह डिजाइन बने हुए हैं। यह बावली ऐतिहासिक विष्णु मंदिर के ठीक सामने, सड़क के उस पार स्थित है, जिससे इसके आसपास का क्षेत्र भी एक प्राचीन धार्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व रखता है। लोक कथाओं की माने तो नवनीत महाराज और गोकुल महाराज ने भीषण गर्मी से बचने और अपने लोगों को पानी

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस बावली का निर्माण कराया था। राजस्थानी शैली में निर्मित यह बावली अपनी अनूठी संरचना और जल प्रबंधन प्रणाली के कारण अद्भुत और रहस्यमयी है। कुएं के गैलरी में बने पिलर के साथ-साथ अंदर के नक्काशी में पत्थर का उपयोग किया गया है। नीचे की ओर तीसरी मंजिल तक आते-आते पानी की सतह नजदीक जाती है। कबूतर, चमगादड़ और सांप-बिच्छू से भरे कुएं का यह रास्ता भी एक दिन बंद होने का खतरा झेल रहा है। कुएं के बाहर, तीन फीट लंबाई-चौड़ाई का एक वगार्कार शिलाखंड जमीन पर उपेक्षित पड़ा है। इस शिलाखंड पर ज्यामितीय आकार में एक रहस्यमयी नक्शा भी बना है। इस रहस्यमयी नक्शे के बारे में स्थानीय लोगों के बीच कई कहानियां हैं। बुजुर्गों के अनुसार, यह नक्शा उस गुप्त खजाने का है, जो इस कुएं में छिपा हुआ है। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह विष्णु का श्रीयंत्र या मांगलिक यंत्र भी हो सकता है, क्योंकि बगल में ही ऐतिहासिक प्राचीन विष्णु मंदिर है, जिसे बिहार का एकमात्र विष्णु मंदिर भी कहा जाता है। बावली कुआं और मंदिर के बीच पत्थर से निर्मित एक और प्राचीन कुआं भी है। यह 'बावली कुआं' एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। इसकी भव्यता को देखते हुए इसे पर्यटन के मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान मिल सकता है। कई स्थानीय लोग इसके जीर्णोद्धार के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। कई बार सरकार को इस संबंध में पत्र भी लिख चुके हैं, लेकिन दुख की बात है कि अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है इसके जीर्णोद्धार से न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि बिहार और देश भर के पर्यटकों को भी एक नई और अनूठी विरासत को देखने का अवसर मिलेगा। यह प्राचीन बावली, अपनी कहानियों और गौरवशाली अतीत को समेटे हुए, पटना के अनदेखे चमत्कारों में से एक है। यदि सरकार इस अनमोल धरोहर के संरक्षण और विकास की दिशा में गंभीरता से विचार करें, तो यह न केवल इतिहास के इस टुकड़े को विलुप्त होने से बचाएगा, बल्कि पटना के पर्यटन को भी एक नया आयाम देगा।मैंने कई बार मीडिया के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करने का प्रयास किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस कुएं का वास्तविक रहस्य क्या है, यह आर्कियोलॉजिकल शोध से पता लगाया जा सकता है। जब मैं छोटा था, तो हम इसकी तीसरी मंजिल तक अंदर जाया करते थे, लेकिन धीरे-धीरे तीसरी मंजिल भी खत्म हो गई। अब लोग केवल दो मंजिल तक ही जा पाते हैं।

संक्षिप्त डायरी

बरातियों की स्कार्पियो बच्चे को 20 मीटर घसीटती गई, मौत

सुपौल। के बसंतपुर प्रखंड अंतर्गत वीरपुर-बसमतिया रोड पर बनैलीपट्टी पंचायत के वार्ड संख्या 6 के समीप रविवार रात एक सड़क हादसे में मासूम की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ जब एक बारात जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे खड़े बच्चे को बेकाबू होकर रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि बच्चा गाड़ी के नीचे आ गया और करीब 20-30 मीटर तक घसीटता चला गया। हादसे के बाद परिजन आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल बच्चे को वीरपुर अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां चिकित्सक डॉ. सौरभ सुमन ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉ. सौरभ के अनुसार, बच्चे के सिर में गंभीर चोट थी और शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर जख्म थे, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। बच्चे का पिता आंध्र प्रदेश में करता है मजदुरी मृतक बच्चे की पहचान बनैलीपट्टी पंचायत वार्ड संख्या 6 निवासी सिकंदर पासवान का बेटा सुंदरतम कुमार (5) के रूप में हुई है। हादसे के बाद मां प्रमिला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार बेहोश हो रही हैं। बच्चे का पिता सिकंदर पासवान आंध्र प्रदेश में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर फैल गई है। पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया शव, मामले की जांच जारी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वीरपुर थानाध्यक्ष राजकिशोर मंडल ने बताया कि अस्पताल से सूचना प्राप्त हुई है, घटनास्थल पर थाने की पुलिस गई हुई थी। स्कॉर्पियो को थाना लाया जाएगा, फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस जांच और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है।

तालाब में तैरता मिला किसान का शव

बगहा। में सोमवार सुबह एक युवक का शव तालाब में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना रामनगर थाना क्षेत्र के सिगड़ी बहुअरी गांव से सामने आई है। मृतक की पहचान सिगड़ी बहुअरी गांव के ही निवासी पिंटू पटेल (30) के रूप में हुई है, जो अनूप पटेल का बेटा था

था।तालाब में तैरता मिला शव ग्रामीणों ने सुबह तालाब में शव को तैरते हुए देखा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची रामनगर पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। रामनगर के अपर थाना अध्यक्ष सतीश कुमार ने बताया कि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल मामला संदिग्ध माना जा रहा है। परिजनों ने जताई हत्या की आशंका परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के मुताबिक, पिंटू रविवार देर शाम को घर से निकला था और रात तक नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह उसका शव तालाब में मिलने से परिजन हैरान रह गए। परिजन इसे पूर्व नियोजित साजिश के तहत हत्या बता रहे हैं।सभी एंगल से जांच कर रही पुलिसहालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, अभी तक उन्हें कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर हत्या के एंगल से जांच की जाएगी।इंसाफ की मांग कर रहे परिजन घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। परिजन बदहवास हैं और पिंटू की मौत को लेकर इंसाफ की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिंटू पटेल एक सीधा-सादा युवक था। गांव में उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। बावजूद इसके, इस तरह की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

नगर निगम के 4 पार्कों में लगेंगे ओपन जिम

बेतिया। नगर निगम ने शहरवासियों की फिटनेस के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। नगर निगम के 4 प्रमुख स्थलों पर ओपन जिम स्थापित किए जाएंगे। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने रविवार शाम बताया कि इसके लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। जेम पोर्टल पर पंजीकृत संवेदक 21 जून रात 9 बजे तक ऑनलाइन दावेदारी कर सकते हैं। ओपन जिम के लिए चयनित स्थलों में नजर बाग पार्क, उत्तरवारी पोखरा पार्क, ऑफिसर्स कॉलोनी पार्क और पुलिस लाइन मैदान शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर आधुनिक आउटडोर फिटनेस उपकरण लगाए जाएंगे। नगर निगम बोर्ड ने इन स्थलों को फिटनेस केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।महापौर के अनुसार ओपन जिम स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। ये मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। तनाव कम करने में मदद करते हैं। वजन नियंत्रण और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। प्राकृतिक वातावरण में व्यायाम से लोगों को ताजगी और सुकून मिलता है।जेम पोर्टल पर निविदा जारी उन्होंने कहा कि जेम पोर्टल पर निविदा जारी कर दी गई है और सभी मान्यता प्राप्त संवेदकों से अपील है कि वे इसमें अधिक से अधिक भाग लें ताकि शहरवासियों को शीघ्र ही इस सुविधा का लाभ मिल सके। नगर निगम का यह प्रयास लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और बेहतर जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय कदम माना जा रहा है।

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोजाना लगाने वाली चीज नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करों। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉडर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है।

इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

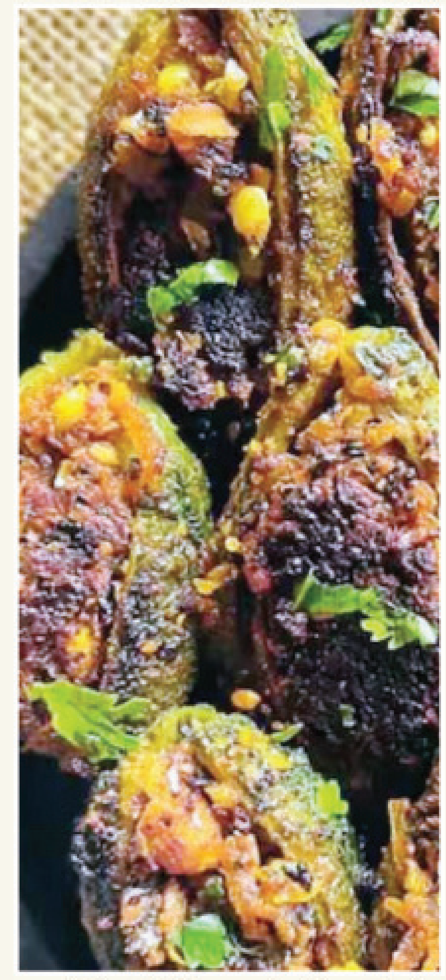

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी , विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका, द्रविड़-वीरेंद्र का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा।

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्द्धशतक बनाया। जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने देश की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

आईसीसी ने घोषित किया महिला एकदिवसीय विश्वकप का कार्यक्रम, भारत पाक मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल 30 सितंबर से शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये टूर्नामेंट इस साल 30 सितंबर से भारत में शुरुह होगा हालांकि इसमें पाकिस्तान के मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही हाईब्रिड मॉडल रखा गया है। इसमें मेजबान भारतीय टीम श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 30 सितंबर को खेलेगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं फाइनल 2 नवंबर को होगा। ऑस्ट्रेलिया इसमें पहला मुकाबला 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड से खेलेगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान के सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाक के बीच मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में खेला जाएगा। इस टूर्नामें में भारत में होने वाले मैच बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर और विशाखापत्तनम जबकि श्रीलंका में होने वाले मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। ये सभी मैच दोपहर 3 बजे से होंगे।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अनुभवी साझा करना रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था,'

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे.'

उनकी वापसी तक भारतीय टीम को टीम लक्ष्मण के अनुभवों से सीखने को मिलेगा।

सरफराज को लेकर टीम प्रबंधन पर बरसे आकाश चोपड़ा

–तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

मुम्बई (एजेंसी)। भारत ए की ओर से बल्लेबाज सरफराज खान के अच्छे प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एक बार फिर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। चोपड़ा ने कहा है कि अगर प्रबंधन को सरफराज पर भरोसा ही नहीं था तो उसे क्यों इंग्लैंड दौरे पर ले जाया गया था। चोपड़ा ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि सरफराज को इस दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए और भारतीय टेस्ट टीम के बीच इंट्रा स्क्वॉड मैच में सरफराज ने जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने कहा है कि जब आपको सरफराज की तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

15 चौके और 2 छक्कों की मदद से इस इंट्रा स्क्वॉड मैच में शतक लगाने से पहले सरफराज ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी 92 रनों की पारी खेली थी। पिछली सीरीज के दौरान ये बल्लेबाज भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा था पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उसको अवसर नहीं मिला था। इस पर चोपड़ा ने कहा है कि इस खिलाड़ी ने ऐसा कुछ गलत नहीं किया है कि उनको टेस्ट टीम में न रखा जाए।

चोपड़ा ने कहा, सरफराज ने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। वास्तव में, उन्होंने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने जो एक मैच खेला, उसमें उन्होंने 90 से ज्यादा रन बनाए। वे शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने रन बनाए। उसके बाद, आपने उन्हें अगले मैच में नहीं खिलाया और वे टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह अब तक इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में विफल नहीं हुए हैं, लेकिन आपने उन्हें मौका ही नहीं दिया। यह अच्छी कहानी नहीं है। मैं समझ सकता हूं कि अगर आपको उसकी तकनीक या खेलने के तरीके पर भरोसा नहीं है, तो शायद वह वहां रन नहीं बना पाएगा, तो आपको फैसला लेना होगा। फिर उसे इंडिया ए के साथ भी मत भेजिए, क्योंकि आपके

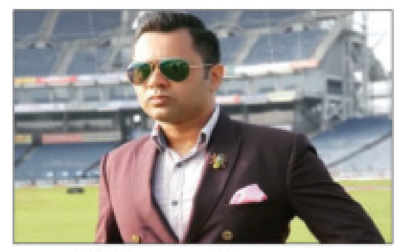

पास पहले से ही एक धारणा है।

आकाश ने कहा, अगर आपको लगता है कि वह रन बना सकता है और इसीलिए उसे इंडिया ए टीम में चुना गया है, तो उसे इंडिया टेस्ट टीम में भी खिलाइए। उसने क्या गलत किया है? उसने बेंगलुरु में शतक बनाया। फिर वह दो मैचों में विफल रहा, लेकिन उन मैचों में किसी और ने भी तो रन नहीं बनाए। उसने ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच नहीं खेला। वहीं सरफराज को टेस्ट टीम से बाहर करने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने तर्क दिया था, कभी-कभी आपको सिर्फ अच्छे फैसले लेने होते हैं।

डब्लयूटीसी जीतने के बाद भी दक्षिण अफीका रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफीकी टीम की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल खिताब जीतने के बाद भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी है। वहीं डब्लयूटीसी फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम अब ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफीकी टीम 114 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि 123 रेटिंग अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बरकरार है। इंग्लैंड की टीम 113 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंची है। वहीं भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के कारण चौथे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम 20 जून से शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड टीम से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी ,इसमें जीत से वह अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहेगी। न्यूजीलैंड आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। वहीं श्रीलंका की टीम छठे और पाकिस्तान की टीम सातवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज की टीम इस समय 8वें नंबर पर बनी हुई है जबकि बांग्लादेश 9वें स्थान पर है। आयरलैंड की टीम 10वें पायदान पर है ।

बीसीसीआई ने यात्रा नीति में किया बदलाव, अब हर दिन दिये जाएंगे 10 हजार रुपये

मुम्बई (ईएमएस) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी यात्रा नीति को सरल बनाया है। बीसीसीआई की मौजूदा यात्रा नीति के अनुसार कर्मचारियों को छोटी अवधि की यात्रा (चार दिन तक) के लिए प्रतिदिन 15,000 रुपये और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं से संबंधित लंबी अवधि की यात्रा के लिए प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाता रहा है। हालांकि, अब इसमें बदलाव किया गया है। यात्रा के दौरान एकमुश्त आकस्मिक भत्ता 7500 रुपये था पर अब आकस्मिक भत्ते को हटा दिया गया है और कर्मचारियों को अब यात्रा के दौरान प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। आईपीएल का आयोजन दो महीने से कुछ अधिक समय तक होता है, जबकि आईसीसी प्रतियोगिता भी कम से कम एक महीने तक चलती है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि कटौती यानी टीडीएस के बाद प्रतिदिन भत्ता 6500 रुपये होता है। नीति में संशोधन किया जा रहा था इसलिए वित्त, संचालन और मीडिया विभाग सहित बीसीसीआई के कर्मचारियों को आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के लिए उनके दैनिक भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है, लेकिन अब जब नीति तैयार हो गई है तो उनके बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाना चाहिए। सूत्र ने कहा, ''भत्तों के संदर्भ में एक स्पष्ट नीति की आवश्यकता थी, क्योंकि कुछ कर्मचारी टूर्नामेंट के दौरान मुंबई मुख्यालय से संचालन करते हुए भी भत्ते का दावा कर रहे थे। अब जब यह तैयार हो गई है तो बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाएगा।'' अधिक स्पष्टता के लिए एक कर्मचारी जो पूरे 70 दिवसीय आईपीएल के लिए यात्रा कर रहा है वह 10,000 रुपये के दैनिक भत्ते के लिए पात्र होगा, जिसमें कुल दावा राशि सात लाख रुपये होगी।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे।, जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज पर माइकल क्लार्क की बड़ी भविष्यवाणी, यह टीम 3-2 से जीतेगी

लंदन (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल क्लार्क ने इंग्लैंड-भारत टेस्ट सीरीज से पहले बड़ी भविष्यवाणी की हैं। क्लार्क के मुताबिक 20 जून से शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को भारत 3-2 से अपने नाम करेगा।

क्लार्क ने एक इंटरव्यू में कहा, 'यह 3-2 से होने जा रही है। मैं भारत के साथ जाऊंगा। मैं लॉर्ड्स टेस्ट देखने जा रहा हूं। मैं भारत को खेलते हुए देखने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वे 3-2 से जीतें।' उन्होंने आगे कहा, 'खैर, हां, मैं उन्हें एक मौका देता हूं, लेकिन यह उस टीम (इंग्लैंड) से कहीं ज्यादा अनुभवहीन है जिसकी मुझे इंग्लैंड जाने वाली फ्लाइट में होने की

उम्मीद थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। तो इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए सबसे बुरी बात है। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं। कोई रिटायर होता है, और इससे किसी और को मौका मिलता है।'

इंग्लैंड और भारत हेडिंग्ले (लीड्स), एजबेस्टन (बर्मिंघम), लॉर्ड्स (लंदन), ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) और द ओवल (लंदन) में टेस्ट सीरीज खेलेंगे। टेस्ट प्रारूप में भारत के लिए एक नया युग शुरू हो रहा है क्योंकि आधुनिक समय की दिग्गज टीम रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के बिना अपने पहले दौरे और सीरीज के लिए तैयार है। भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने देश को सफलता की ओर ले जाने और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा के लिए चुनौती देने के लिए रोहित से कमान संभाली है।

5वां केयर्न्स कप शतरंज : फिर जीती हंपी और हरिका सयुंक्त बढ़त बनाई

सेंट लुइस। यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप के चौथे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली ने एक बार फिर से जीत दर्ज करते हुए खुद को पुनः सयुंक्त बढ़त में शामिल कर लिया है । हम्पी ने सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कजकिसतान की बीबीसारा के खिलाफ सेमी स्लाव ओपनिंग में शुरुआत से दबाव बनाया और मात्र 35 चालों में अपनी जीत सुनिश्चित की । इस जीत के साथ हम्पी लाइव रैंकिंग में एक बार फिर 2550 के पार पहुँच गयी है । हरिका द्रोणावल्ली की दूसरी जीत जॉर्जिया की नंबर एक खिलाड़ी नाना दगनिडजे के खिलाफ आई और उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए कुईं पान ओपनिंग में हाथी और ऊंट के एंडगेम में 47 चालों में जीत दर्ज की । वही उक्रेन की मारिया मुजयचूक ने आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज की , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उन्होने यूएसए की यिप करिसा को पराजित किया , अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड की अलिना कश्लिंस्कया ने जॉर्जिया की नीनों बत्स्थिली से और लगातार दो जीत से शुरुआत करने वाली यूएसए की ली एलिस ने चीन की तान ज्होंगाई से ड्रॉ खेला । चार राउंड के बाद हम्पी , हरिका और एलिस 3 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है ।

लुईस की आक्रामक पारी से वेस्टइंडीज ने आयरलैंउ को हराया

जमैका । वेस्टइंडीज ने एक रोमांचक टी20 मुकाबले में आयरलैंड को हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की जीत के हीरो एविन लुईस रहे जिन्होंने 44 गेंद में 91 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की हार का कारण लियाम मैकार्थी का ओवर रहा जिसमें मैकार्थी ने 4 ओवर में 81 रन दे दिये। इस प्रकार मैकार्थी अपने डेब्यू मैच में ही सबसे महंगे गेंदबाजी बने हैं। वेस्टइंडीज ने इस मैच में आयरलैंड को 62 रन के बड़े अंतर से हराया। इस मैच में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी शुरु की। उसका ये फैसला गलत रहा। वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 256 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। लुईस ने सबसे अधिक 91 रन की पारी खेली। इस बल्लेबाज ने इस पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 206.81 रहा। कप्तान शेई होप ने 27 गेंद में 51 रन बनाए। पहला मैच खेल रहे कैसी कार्टी ने भी 49 रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड ने 6 गेंद में 3 छक्कों की मदद से 19 रन बनाए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज मैकार्थी ने चार ओवर में ही 81 रन दे दिये। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में मूसा जोबार्टे गाम्बिया के बाद दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बन गए हैं। मूसा ने पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 ओवर में 93 रन लुटा दिये थे। वेस्टइंडीज से मिले कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम लड़खड़ा गयी। रॉस अडायर ने 48, हैरी टेक्टर ने 38 और मार्क अडायर ने 31 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। पूरी आयरिश टीम निर्धारित 20 ओवर में 194 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने सबसे अधिक 3 विकेट जबकि जेसन होल्डर ने दो विकेट लिए।

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम, तीन नये खिलाड़ी शामिल

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज से दोनो ही टीमों के नए टेस्ट चैंपियनशिप सर्किल 2025 से 2027 सत्र की शुरुआत होगी। दो मैचों की ये टेस्ट सीरीज 17 जून से शुरु होगी और इसका पहला मुकाबला गाले में खेला जाएगा। इसमें श्रीलंकाई टीम की कप्तानी धनंजय डी सिल्वा टीम करेंगे। वहीं अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज अंतिम बार श्रीलंका की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। इसके अलावा पसिंदु सूरियाबंडारा, पवन रत्नायके और इसिथा विजेसुंदरा नए चेहरे हैं, जो टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले लाहिरु उदारा और सोनल दिनुषा को भी टीम में जगह मिली है। वहीं अनुभवी खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा को चुना गया है हालांकि वह चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। पहले टेस्ट मैच में सबकी नजरें पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज पर रहेगी। यह उनके टेस्ट करियर का अंतिम मुकाबला होगा। मैथ्यूज ने 2009 में गाले में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी और वह श्रीलंका की सफेद जर्सी में उसी स्थान पर संन्यास लेंगे। वहीं बांग्लादेश ने इस महीने की शुरुआत में अपनी टीम की घोषणा की थी जिसमें नजमुल हुसैन शांतो नए डब्ल्यूटीसी चक्र में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। बांग्लादेश की टीम श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच गाले में 17 जून से 21 जून के बीच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमें दूसरा टेस्ट के लिए कोलंबो में आमने सामने होंगी। यह मुकाबला 25 जून से 29 जून के बीच खेला जाना है।

श्रीलंका टीम- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, ओशादा फर्नांडो, लाहिरु उदारा, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, कमिंदु मेंडिस, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, पवन रत्नायके, प्रभात जयसूर्या, थारिंदु रत्नायके, अकिला धनंजय, मिलन रत्नायके, असिथा फर्नांडो, कसुन रजिता, इसिथा विजेसुंदरा।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज से पहले करुण नायर का खुलासा, बड़े खिलाड़ी ने संन्यास लेने की सलाह दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। नायर को घरेलू क्रिकेट में रन बनाने का इनाम मिला है। लेकिन 33 वर्षीय खिलाड़ी के लिए वापसी का रास्ता बहुत कठिन और भावनात्मक था और एक समय तो भारत के एक बड़े खिलाड़ी ने उन्हें संन्यास लेकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलने की सलाह तक दे डाली थी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व नायर ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय को याद किया।

नायर ने कहा, 'मेरी पत्नी ने कहा कि तुम क्या कर रहे हो, लेकिन मैंने उससे कहा कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। वह शायद मेरे जीवन का सबसे कठिन क्षण था। ऐसा लगा कि मेरी दुनिया खत्म हो गई है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या करना है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए? मेरा एक परिवार है और मेरे बेटे का हाल ही में जन्म हुआ है। नायर भावुक हो गए।'

करुण ने एक रिपोर्ट में कहा, 'मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन किया और कहा कि आपको संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीगों में मिलने वाला पैसा मुझे सुरक्षित बनाएगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे के बावजूद मैं इतनी आसानी से संन्यास लेने के लिए खुद को कोसता।'

इसके बाद नायर ने ट्वीट करते हुए एक और मौका मिलने की बात कही थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दो।' यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फिर नायर को विदर्भ में शामिल किया गया जहां उन्होंने अपने करियर को बदल दिया।

वास्तविकता से निपटने के लिए संघर्ष करते हुए नायर अपनी पत्नी के जन्मदिन पर रो पड़े। उन्होंने कहा, 'मैं भारत के लिए दोबारा खेलना कभी नहीं छोड़ने वाला था। यह दो साल पहले की बात है और देखिए कि हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी अच्छा हूं।'

करुण नायर ने आगे कहा कि वह मैचों की संख्या या दीर्घकालिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जो मायने रखता है वह यह है कि मैं फिर से भारतीय टीम की कैप पहनने का आनंद उठा पाऊं। इससे पहले मैं अपने मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा पाया था। इस बार मैं एक बार में एक मैच में अपना पूरा योगदान देना चाहता हूं।'

मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश किया, यूपी में आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश कर लिया है। एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगौन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। बीते साल यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून का प्रवेश 27-28 मई को हो गई थी, मध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है। वहीं यूपी के जौनपुर में आकाशीय बिजली से 3 लोगों की जान गई। गोरखपुर और ललितपुर में 2-2 लोगों की मौत हुई है। बरेली में तेज बारिश और बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं ने लोगों के साथ-साथ प्रशासन को भी सतर्क किया है। वहीं 17 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी, विदर्भ, पूर्वी मध्यप्रदेश, गुजरात सौराष्ट्र, बिहार, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। ओडिशा, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जून को गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

अमरोहा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, चार महिलाओं की मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा के गांव अतरासी कलां में खेतों के बीच संचालित पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर तेज धमाका हुआ। पूरी फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह ढह गई। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई। दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस-प्रशासनिक और दमकल टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को करीब 11:45 बजे अतरासी कलां में संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि पूरी पटाखा फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। धमाके की आवाज सुन ग्रामीणों के बीच भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव का कार्य शुरू किया। अब तक हादसे में चार महिलाओं की मौत की सूचना मिली है। वहीं हादसे में दर्जनों लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। यहां उनका इलाज शुरू हो गया है। अमरोहा पुलिस के मुताबिक, पटाखा फैक्ट्री लाइसेंसी थी। लाइसेंस धारक सैफउर्रहमान पुत्र कैसर अहमद निवासी हापुड़ चला रहा था। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से चार महिलाओं की मौत हुई है। जबकि छह महिलाएं जख्मी हो गई है। उन्होंने बताया कि हादसे के कारणों की पड़ताल की पड़ताल की जा रही है।

सास, ससुर और सालों से परेशान युवक पहुंचा थाने, पत्नी नहीं सुनती

देवबंद, (एजेंसी)। ससुराल पक्ष द्वारा चार लाख रुपये की मांग करने और पैसे न देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी से परेशान दामाद ने पुलिस से मदद मांगी है। गांव बबीटी निवासी ग्रामीण ने सास, ससुर और अपने दो सालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बबीटी निवासी मोहतशिम पुत्र अलीजान ने कहा है कि करीब पांच वर्ष पूर्व उसका निकाह कुटेसरा गाव निवासी मुस्कान पुत्री यासीन से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल के लोग प्रताड़ित करते चले आ रहे हैं और उसकी पत्नी भी अपने स्वजन के कह अनुसार काम करती है। बीती पांच जून को उसका ससुर यासीन, सास महकारा और उसके साले फरमान व नोमान ने घर आकर उसके परिजनों के साथ मारपीट की थी। आरोप है कि अब उसका ससुर यासीन उससे चार लाख रुपये मांग रहा है और न देने पर झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे रहा है। जिससे वह और उसका परिवार डरा हुआ है।

बिहार के बेतिया में चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

बेतिया (एजेंसी)। नगर के वार्ड चार स्थित हनुमंतनगर से अतिक्रमण हटाया गया। सोमवार को नगर निगम की टीम पूरी तैयारी के साथ जेसीबी लेकर हनुमंतनगर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई। बुलडोजर एक्शन से देखते ही देखते अतिक्रमण कर बनाए गए दुकान और घरों को जमींदोज किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे। हालांकि अतिक्रमण हटाने के दौरान एक दो महिलाओं ने हल्का विरोध किया, लेकिन टीम पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। महिला पुलिस ने विरोध कर रही महिलाओं को नियंत्रित कर लिया। अतिक्रमण हटाने गए टीम के सदस्यों ने बताया कि 15 घरों को तोड़ा गया है। निगम के कड़ा तेवर को देखकर लोगों ने एक दिन पहले ही अतिक्रमण का बड़ा हिस्सा हटा लिया था। बताया जाता है कि हनुमंतनगर में नगर निगम द्वारा सड़क का निर्माण होना है। इस पथ पर अतिक्रमण के कारण कार्य शुरू नहीं हो सका है। करीब दो माह पूर्व नगर निगम की ओर से 15 अतिक्रमणकारियों को चिह्नित किया गया था। अतिक्रमण हटाने के लिए उन्हें नोटिस दिया गया है, लेकिन नोटिस के बाद भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला जत्था सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल बाद सिक्किम में नाथुला दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हुई है, जो हिंदू श्रद्धालुओं और भारत-चीन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला समूह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा है और सोमवार को मौसमी अनुकूलन के लिए '17 माइल' क्षेत्र चला गया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री सिक्किम में नाथु ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होकर कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने वाले है।

एलओसी पर बाड़बंदी को लेकर एडीईओ ने कर्नल पर किया हमला, वीडियो वायरल

– यूजर ने लिखा– यह न केवल एक अधिकारी पर हमला बल्कि सेना का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर बाड़बंदी के प्रोजेक्ट को लेकर हुआ विवाद अब बढ़ गया है। इस विवाद में सहायक रक्षा संपदा अधिकारी (एडीईओ) त्रियाम सिंह ने भारतीय सेना के कर्नल अंकुश चौधरी पर हमला कर दिया। यह घटना 12 जून की बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक त्रियाम सिंह ने बाड़बंदी प्रोजेक्ट के लिए जरूरी बोर्ड प्रोसीडिंग्स पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसने न केवल रक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों को भी हवा दे दी।

जवाब में कर्नल चौधरी के सिख सैनिकों ने एकजुटता दिखाते हुए त्रियाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई की, जिसने इस मामले को और गरमा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्नल अंकुश चौधरी इस बाड़बंदी प्रोजेक्ट के प्रभारी थे। उन्होंने त्रियाम सिंह से प्रोजेक्ट से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। यह प्रोजेक्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद और भी अहम माना जा रहा है। इस हमले के बाद एलओसी पर बाड़बंदी को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है।

त्रियाम सिंह ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और बहस के दौरान कर्नल चौधरी पर शारीरिक हमला कर दिया। इस घटना ने सैनिकों में गुस्सा भड़का दिया और इंजीनियर रेजिमेंट के सिख सैनिकों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सैनिकों की यह प्रतिक्रिया साफ दिखाई दे रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ गुस्सा निकाला। एक यूजर ने लिखा कि यह न केवल एक अधिकारी पर हमला है, बल्कि उन सभी सैनिकों का अपमान है जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि एडीईओ भाग्यशाली थे कि जवान वहां मौजूद नहीं थे, वरना कहानी कुछ और होती। सैन्य दिग्गजों ने भी इस घटना की निंदा की है। एक अन्य ने एक्स पर लिखा सैनिकों के लिए उनका कमांडिंग ऑफिसर भगवान के समान होता है।

कई लोगों ने डीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक पोस्ट में दावा किया गया कि डीईओ अक्सर प्रोजेक्ट्स को रिश्वत के लिए रोकता है। इस घटना ने मार्च 2025 में पंजाब के पटियाला में हुई एक अन्य घटना की याद दिला दी, जिसमें कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे पर पंजाब पुलिस के कर्मियों ने हमला कर दिया था। उस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। एलओसी पर बाड़बंदी का यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, खासकर हाल के आतंकी हमलों के बाद। बाड़बंदी प्रोजेक्ट का उद्देश्य घुसपैठ को रोकना और सीमा पर सुरक्षा को और मजबूत करना है।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या रक्षा मंत्रालय के अंदर भ्रष्टाचार इतना गहरा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोजेक्ट्स को भी प्रभावित कर रहा है? त्रियाम सिंह के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में नाराजगी है। सैनिकों की प्रतिक्रिया को कुछ लोगों ने अनुशासनहीनता करार दिया, जबकि अन्य ने इसे अपने कमांडर के प्रति वफादारी का प्रतीक बताया है।

अब तक 465764 श्रद्धालु ने मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेका

कटरा । ,(ईएमएस)। जून माह के प्रथम पखवाड़े तक 465764 श्रद्धालु अब तक मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेक चुके हैं। चूंकी वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा जोर-शोर से चल रही है, इस कारण मां वैष्णो देवी भवन परिसर जहां तक की आधार शिविर कटड़ा श्रद्धालुओं से गुलजार है हर तरफ श्रद्धालुओं की चहल पहल लगातार बनी हुई है। बीती शाम से बदले मौसम का रंग सोमवार को भी दिन भर देखने को मिला, क्योंकि दिन भर एक और जहां आसमां के साथ ही मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगा रहा, वहीं दूसरी और ठंडी हवाओं के साथ बीच-बीच में हल्की बारिश का भी सामना श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान करना पड़ा। वर्तमान में मौसम पूरी तरह से सुहावना बना हुआ है। मौसम में हुए बदलाव के साथ ही हो रही हल्की बारिश को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल, के साथ ही श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं और लगातार मां वैष्णो देवी की यात्रा पर नजर रखे हुए हैं ताकि मां के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी यात्रा के दौरान बैटरी कार सेवा के साथ ही मां वैष्णो देवी भवन तथा भैरव घाटी के मध्य चलने वाली रोपवे केवल कार सेवा जैसी सुविधाएं बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो रही है। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में बदले मौसम के कारण प्रभावित हुई। वहीं श्रद्धालुओं को घोड़ा, पिट्ठू तथा पालकी आदि की सेवा भी लगातार उपलब्ध हो रही है और श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठाते हुए निरंतर मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे हैं।

दामाद के बाद संजय झा की बेटियों को लेकर नीतीश पर हमलावार तेजस्वी

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान और जीतनराम मांझी के दामाद देवेंद्र मांझी, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड में अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल के मनोनयन के बाद विपक्ष नीतिश सरकार पर हमलावार है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश की सरकार को जमाई आयोग का गठन हुआ। अब राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की बेटियों को सुप्रीम कोर्ट में सरकारी वकील बनाने पर सवाल उठा दिया है।

आरजेडी के सोशल मीडिया खाते से केंद्र सरकार के आदेश की कॉपी पोस्ट करके दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों की हकमारी पर सवाल उठाया गया है। कानून मंत्रालय के 9 अक्टूबर 2024 के आदेश के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से केस लड़ने के लिए संजय झा की बेटियों अद्या झा और सत्या झा की सेवा तीन साल के लिए ली गई है। कानून की पढ़ाई कर चुकी दोनों बेटियों की सेवा वकीलों के ग्रुप ए पैनल में ली गई है। बात दें कि केंद्र और राज्य सरकारें जिला से सुप्रीम कोर्ट तक वकीलों की सेवा लेती है, इसके लिए पैनल में नाम होना चाहिए। जिल स्तर पर पीपी व एपीपी की सेवा भी इसी तरह ली जाती है।

राजद ने आरोप लगाया है कि जेडीयू नेता संजय झा की दोनों बेटियों को कोई विशेष अनुभव नहीं है। राजद ने पूछा है कि जदयू के कितने दलित, पिछड़े और अति पिछड़े नेताओं, सांसदों, मंत्रियों या कार्यकर्ताओं के बेटे-बेटियों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि बिना अनुभव यह उपलब्धि प्राप्त कर लें।

पहलगाम आतंकी हमले पर टीएमसी सांसद बनर्जी के मोदी सरकार से सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले पर मोदी सरकार से 5 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि हमले को 55 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन सरकार ने बॉर्डर सेफ्टी, इंटेलिजेंस, विदेश नीति, मीडिया और ज्यूडिशियरी के सवालों पर जवाब नहीं दिया।

टीएमसी सांसद बनर्जी ने कहा कि विपक्ष, मीडिया और ज्यूडिशियरी ने भी इन सवालों को नहीं उठाया। यह लोकतंत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। एक जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि होने के नाते, मैं भारत सरकार के सामने 5 सवाल रखता हूं।

उन्होंने पूछा कि पहलगाम हमला नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक था, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। अगर सुरक्षा तंत्र फेल हुआ, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार क्यों दिया गया।

सरकार पेगासस जैसे जासूसी टूल का इस्तेमाल आतंकियों के खिलाफ क्यों नहीं कर रही है। इतना ही नहीं उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पहलगाम के हमलावर जिंदा है या मारे गए।

आतंकवादी सीमा में कैसे घुसे- हथियारों से लैस 4 आतंकवादी भारतीय सीमा में कैसे घुसे और 26 लोगों की जान कैसे चली गई? यह नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक थी। विफलता की जिम्मेदारी कौन लेगा?

आईबी चीफ का कार्यकाल क्यों बढ़ाया- अगर हमला सुरक्षा में चूक के कारण हुआ था, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार हुआ। हमले के एक महीने बाद ही उन्हें इनाम क्यों दिया गया? उन्हें जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया गया?

अगर मोदी सरकार विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और जजों पर जासूसी टूल पेगासस चला सकती है, तब आतंकियों पर इसका इस्तेमाल क्यों नहीं हो रहा है?

पहलगाम हमले में शामिल 4 आतंकियों का क्या हुआ? वे मारे गए या अभी जिंदा हैं? अगर मारे गए हैं, तब मोदी सरकार ने स्पष्ट बयान क्यों नहीं दिया? और अगर नहीं मारे गए, तब चुप्पी क्यों?

टीएमसी सांसद ने लिखा कि बीते 10 साल में विदेश मामलों पर 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। देश की जनता पारदर्शिता, जवाबदेही और नतीजे चाहती है, न कि चुप्पी और बहाने।

बिहार की जनता से पीके की अपील, लालू, नीतीश और पीएम मोदी को देखा...अब एक मौका मुझे दें

पटना । बिहार के लोगों से बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य में एक नए विकल्प का समर्थन करने की अपील कर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने लालू यादव, पीएम मोदी और नीतीश कुमार का शासन देखा है, लेकिन अब जनता का शासन होना चाहिए । मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित कर पीके ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने बीते 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी जन सुराज बनाई है...आपने लालू प्रसाद, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, जन सुराज होना चाहिए । इसके पहले प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधकर कहा कि 30 साल से उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार फैलाया है । उन्होंने कहा कि बीते 30 सालों से वे सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा देकर अपने परिवार और अपने बच्चों का भला करना चाहते हैं । उनके पास न कोई विजन है और न ही वे समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं । वे सिर्फ जाति के आधार पर लोगों को बांटकर राजनीति करना चाहते हैं ।

हज यात्रियों से भरे विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं, टल गया बड़ा हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचा विमान बड़े हादसे का शिकार होते होते बच गया। गनीमत रही कि विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं को देखते ही सभी चीजों को नियंत्रित कर लिया गया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इस विमान में 250 हज यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे, जो जेद्दा से लखनऊ पहुंचा था। सभी यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं, और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6:30 बजे सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 ने लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। लैंडिंग के बाद टैक्सी वे पर जाते समय विमान के पहिए से अचानक चिंगारी और धुआं निकलने लगा। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए विमान को रोक दिया, जिससे एक संभावित हादसा टल गया।

एयरपोर्ट की फायर टीम को तत्काल सूचना दी गई, और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद स्थिति पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में रिसाव (लीकेज) के कारण यह खराबी आई थी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि अगर यह खराबी टेकऑफ के दौरान हुई होती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। पायलट की सूझबूझ और एयरपोर्ट की आपातकालीन टीम की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े हादसे को रोक दिया। विमान में सवार सभी 250 हज यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया और उनकी सुविधा के लिए एयरपोर्ट पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई। सऊदिया एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी की वजह से लैंडिंग के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई। एयरलाइंस ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के बाद विमान में सवार हज यात्रियों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल रहा। हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत यात्रियों को शांत किया और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की।

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

कोलकाता : चेयरमैन पी.एम. प्रसाद ने कोलकाता स्थित हमारे कॉर्पोरेट मुख्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के शुभारंभ के अवसर पर कर्मचारियों को "स्वच्छता शपथ" दिलाई। स्वच्छता पखवाड़ा 16 जून से 30 जून, 2025 तक चलेगा।

इस वर्ष की थीम "स्वच्छता सभी का काम है" है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि स्वच्छता एक सामूहिक जिम्मेदारी है और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

इस अवसर पर हमारे निदेशक (वित्त), मुकेश अग्रवाल; निदेशक (तकनीकी), अच्युत घटक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

अभियान अवधि के दौरान कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जैसे कि आस-पास के गांवों में प्लास्टिक विरोधी जागरूकता अभियान, रथ मेला स्थल पर कूड़ेदान वितरण और आवासीय कॉलोनियों और जल निकायों की सफाई।

इस अवसर पर, कर्मचारियों को अपने दैनिक जीवन में टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक ई-कचरा संग्रह कियोस्क और एक कपड़ा दान कियोस्क स्थापित किया गया है।

फ्लाइट्स पर लगा ग्रहण.... बीते 24 से 48 घंटे में तीन फ्लाइट वापस लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315, जो हांगकांग से दिल्ली जा रही थी, उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के बाद हांगकांग लौट आई। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान से संचालित हो रही थी।

भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन रविवार को बीच रास्ते से टेकऑफ एयरपोर्ट पर लौट आए। इसमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों फ्लाइट की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। वहीं, लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके कारण प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा।

इधर, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सऊदी अरबिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी-3112 की लैंडिंग के दौरान पहिए से चिंगारी और धुआं निकलने लगा। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई से जयपुर आने वाली फ्लाइट को 5 घंटे से ज्यादा समय तक बिना एयर कंडीशनर (एसी) के बैठाए रखा गया। इन दोनों घटनाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315 के पायलट को हांगकांग से दिल्ली आते समय हवा में किसी तकनीकी गड़बड़ी का शक हुआ, जिसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखकर फ्लाइट को लौटाने का फैसला लिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं लंदन से चेन्नई आ रही ड्रीमलाइनर 787-8 से संचालित ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए35 तकनीकी खराबी (फ्लैप फेल) के कारण डोवर के पास चक्कर लगाकर हीथ्रो लौट गई। फ्लाइट ने दोपहर 1.16 बजे टेकऑफ किया और एयरपोर्ट लौटने से पहले करीब दो घंटे तक हवा में रही। फ्लाइट एयरपोर्ट लौटने से पहले कई होल्डिंग पैटर्न में रही।

वहीं जर्मनी से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट को उड़ान के बाद वापस फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट लौटना पड़ा। यह फ्लाइट सोमवार (16 जून) सुबह हैदराबाद लैंड करने वाली थी। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने बताया, हमें हैदराबाद में लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली, इसलिए फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा। वहीं हैदराबाद एयरपोर्ट के अधिकारी ने बताया कि 15 जून की शाम 6:01 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट को एक बम धमकी भरा

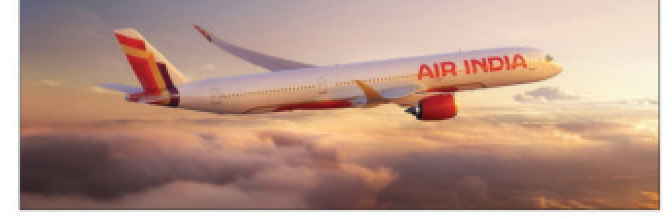

ईमेल मिला। इसके बाद एयरपोर्ट पर बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी बनाई गई और सभी सुरक्षा प्रक्रिया एसओपी के अनुसार पूरी की गई। उन्होंने बताया, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस को सलाह दी गई कि फ्लाइट को या तो वापस जर्मनी भेज दिया जाए या नजदीकी सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतारा जाए। इसके बाद फ्लाइट को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट वापस लौटा दिया गया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902